राष्ट्रीय दैनिक

प्रात:किरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

11 मेसी 14 साल बाद भारत आएंगे

अब श्रीभूमि कहलाएगा असम का करीमगंज जिला, आजादी के बाद कई दिन तक फहरा था पाकिस्तानी झंडा..... 12

वर्ष : 12 | अंक : 216 | पटना, गुरूवार, 21 नवंबर, 2024 | विक्रम संवत् 2081 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

चैंपियंस ट्रॉफी : भारतीय महिला हॉकी टीम ने जीता खिताब, चीन को 1-0 से हराया

राजगीर। भारतीय महिला हॉकी टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एशियन चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में चीन को 1-0 से हराकर खिताब जीत लिया है। भारतीय महिला टीम ने इस तरह तीसरी बार खिताब जीता। भारत के लिए दीपिका ने तीसरे क्वार्टर में गोल किया जो अंत में निर्णायक साबित हुआ। दीपिका ने 31वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर गोल किया और टीम को बढ़त दिलाई। चीन की टीम निर्धारित समय तक गोल नहीं कर सकी और उसे हार का सामना करना पड़ा।

दीपिका ने किया कमाल :

गत चैंपियन के तौर पर उतरी भारतीय टीम ने पूरे टूर्नामेंट के दौरान दमदार प्रदर्शन किया और शानदार खेल के दम पर खिताब बरकरार रखने में सफल रही। फाइनल में चीन ने भारत को कड़ी टक्कर दी और पहले दो क्वार्टर तक दोनों ही टीमें गोल नहीं कर सकीं। हालांकि, तीसरे क्वार्टर में दीपिका ओलंपिक की रजत पदक विजेता चीन के गोल पोस्ट को भेदने में सफल रहीं। दीपिका का इस टूर्नामेंट का यह 11वां गोल था।

पिछले साल रांची में और 2016 में सिंगापुर में यह खिताब जीत चुकी भारतीय टीम ने जबरदस्त तालमेल और संयम का परिचय देते हुए चीन को हाशिये पर रखा। पहला हाफ गोलरहित रहने के बाद दूसरे हाफ के पहले ही मिनट में भारत को मिले पेनल्टी कॉर्नर पर दीपिका ने गोल करके खचाखच भरे बिहार खेल यूनिवर्सिटी स्टेडियम में मौजूद

दर्शकों में उत्साह का संचार कर दिया। भारत के पास तीसरे क्वार्टर में ही बढ़त दुगुनी करने का सुनहरा मौका था, लेकिन 42वें मिनट में मिले पेनल्टी स्ट्रोक पर दीपिका का शॉट चीन की गोलकीपर ने दाहिनी ओर डाइव लगाकर बचा लिया। भारत को चौथे क्वार्टर में भी एक पेनल्टी कॉर्नर मिला लेकिन वैरिएशन का कोई नतीजा नहीं निकला। वहीं, भारतीय खिलाड़ी एक बार फिर फिनिशंग टच के लिए जूझते रहे। जापान के खिलाफ सेमीफाइनल में 16 पेनल्टी कॉर्नर में से एक भी तब्दील नहीं कर सकी भारतीय टीम की कमजोरी फाइनल में पहले 30 मिनट में फिर देखने को मिली जब उसे मिले चार पेनल्टी कॉर्नर बेकार गए।

भारत ने नहीं हारा एक भी मुकाबला :

एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2024 में भारत ने पांच मुकाबले खेले और सभी में जीत हासिल की। यानी की टीम एक भी मैच हारे बिना चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब अपने कब्जे में कामयाब रही है। चीन की टीम ने पांच मुकाबले खेले, जिसमें से सिर्फ एक हारा और वह भी फाइनल। फाइनल में भारत के आगे चीन की प्लेयर्स कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाए।

भारत ने साउथ कोरिया की कर ली बराबरी

सलीमा टेटे की अगुवाई में भारत महिला टीम ने एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2024 में दबदबा कायम रखा और पूरे टूर्नामेंट में एक भी मुकाबला नहीं हारा। सेमीफाइनल में भारत ने जापान को मात दी थी। भारत ने तीसरी बार (2016, 2023, 2024) एशियन चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब अपने नाम किया है। इसी के साथ भारत ने साउथ कोरिया की बराबरी कर ली है। साउथ कोरिया ने भी अउळ चैंपियंस ट्रॉफी का टाइटल तीन बार जीता था।

सीएम नीतीश ने महिला हॉकी टीम को दी बधाई

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राजगीर के राज्य खेल अकादमी एवं बिहार खेल विश्वविद्यालय-सह-राज्य खेल परिसर में आयोजित एशियन महिला हॉकी चैंपियनशिप ट्रॉफी में भारत की जीत पर बधाई एवं शुभकामनायें दी है। मुख्यमंत्री ने अपने बधाई संदेश में कहा है कि बिहार में पहली बार आयोजित एशियन महिला हॉकी चैंपियनशिप ट्रॉफी में भारत ने फाइनल मुकाबले में चीन पर 1-0 से जीत दर्ज कर इतिहास रच दिया है, जो पूरे देश के लिये गौरव की बात है। इस चैंपियनशिप ट्रॉफी में भारतीय महिला हॉकी टीम ने पूरी एकजुटता और अनुशासन के साथ खेलते हुये इस चैंपियनशिप में भाग ले रही सभी टीमों- मलेशिया, जापान, दक्षिण कोरिया, चीन और थाईलैंड को पराजित किया है।मुख्यमंत्री ने कहा है कि एशियन महिला हॉकी चैंपियनशिप ट्रॉफी की इस खिताबी जीत में भारतीय महिला हॉकी टीम की सभी खिलाड़ियों ने अहम भूमिका निभाई। यह जीत उनकी कड़ी मेहनत, ऊर्जा और धैर्य के साथ ही दृढ़ संकल्प को दर्शाता है। मुख्यमंत्री ने भारतीय महिला हॉकी टीम को भविष्य के लिये भी अपनी शुभकामनायें दी हैं।

मुख्यमंत्री ने 1 लाख 14 हजार 138 विशिष्ट शिक्षकों को प्रदान किया नियुक्ति पत्र

नियोजित शिक्षक जहां हैं, वहीं रहेंगे : नीतीश

सीएम बोलें- शिक्षकों के हक में काम करते हैं और आगे भी करते रहेंगे

प्रात : किरण

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बुधवार को शिक्षकों के संशय को दूर करते हुए घोषणा की कि जो नियोजित शिक्षक जहां हैं वही रहेंगे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में पहले से कई कदम उठाए गए हैं और आज भी कई कार्य किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बुधवार को अधिवेशन भवन में आयोजित कार्यक्रम में सक्षमता परीक्षा उत्तीर्ण 1 लाख 14 हजार 138 विशिष्ट शिक्षिकों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया। इसके अंतर्गत 98 हजार 349 प्रारंभिक शिक्षक, 12 हजार 524 माध्यमिक शिक्षक तथा 3 हजार 265 उच्च माध्यमिक शिक्षक शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने सांकेतिक रूप से संध्या कुमारी, रजनीश कुमार, अंजलि रानी, धर्मेंद्र राम, मेदिनी बाला एवं धनेश्वर सिंह को कार्यक्रम के दौरान नियुक्ति पत्र प्रदान किया।इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार के द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में पहले से कई कदम उठाए गए हैं और आज भी कई कार्य किए जा रहे हैं। यह बहुत खुशी की बात है कि जो नियोजित शिक्षक थे उनको सक्षमता परीक्षा पास कराने का अवसर प्रदान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बहुत खुशी की बात है कि आज के इस कार्यक्रम में नियोजित शिक्षक सक्षमता परीक्षा पास कर अब सरकारी शिक्षक बन गये हैं, उन्हें आज नियुक्ति पत्र दिया जा रहा है। आप सब जानते हैं कि पूर्व में शिक्षकों की अत्यधिक कमी होने के कारण वर्ष 2006-07 से पंचायत एवं नगर निकायों के माध्यम से बड़े पैमाने पर नियोजित शिक्षकों की नियुक्ति की गयी जिनकी कुल संख्या लगभग 3 लाख 67 हजार 143 है। वर्ष 2023 में बिहार लोक

सेवा आयोग से नये शिक्षकों की नियुक्ति शुरू की गयी जिसमें 28 हजार नियोजित शिक्षक से सरकारी शिक्षक हो गये। बचे हुये नियोजित शिक्षक, सरकारी शिक्षक बनने की माँग कर रहे थे, तो वर्ष 2023 में ही तय कर दिया गया कि अलग से एक मामूली परीक्षा लेकर नियोजित शिक्षकों को सरकारी शिक्षक बनने का अवसर दिया जायेगा और इसके लिए 5 मौके दिये जायेंगे।

बचे हुये शिक्षकों के प्रमाण-पत्रों की जाँच तेजी से पूरा हो :

मुख्यमंत्री ने कहा कि अब तक 2 परीक्षाओं का आयोजन हो चुका है। पहली सक्षमता परीक्षा का आयोजन किया गया जिसमें 1 लाख 87 हजार 818 नियोजित शिक्षक पास हुये हैं,जिनके प्रमाण-पत्रों की जाँच चल रही है। अब तक 1 लाख 14 हजार 138 सरकारी शिक्षकों के प्रमाण-पत्र सही पाये गये हैं, आज उन्हें नियुक्ति पत्र दिया जा रहा है। बचे हुये शिक्षकों के प्रमाण-पत्रों की जाँच जारी है। शिक्षा विभाग कार्य को तेजी से पूर्ण करे। उन्होंने कहा कि दूसरी सक्षमता परीक्षा आयोजित की गयी जिसका पिछले सप्ताह रिजल्ट भी आ गया है इसमें 65 हजार 716 नियोजित शिक्षक पास हुये हैं जिनके प्रमाण-पत्रों की भी जाँच करायी जायेगी और नियुक्ति पत्र वितरण किया जायेगा। इसके बाद 85 हजार 609 नियोजित शिक्षक शेष बचे हैं जिनको तीन परीक्षाओं में बैठने के मौके दिये जायेंगे। बिहार लोक सेवा आयोग द्वारा नये शिक्षकों की लगातार नियुक्ति की जा रही है। वर्ष 2023 में सरकार ने निर्णय लिया कि अब नये शिक्षकों की नियुक्ति बिहार लोक सेवा आयोग द्वारा की जाय। अब तक दो चरणों में 2 लाख 17 हजार 272 सरकारी शिक्षकों की बहाली की गयी है, जिन्हें नियुक्ति पत्र दिया जा चुका है। तीसरे चरण में नियुक्ति की प्रक्रिया चल रही है जिसका रिजल्ट पिछले सप्ताह घोषित किया गया है जिसमें शिक्षक के नये पदों पर 38 हजार 900 अभ्यर्थी परीक्षा पास हुये हैं। हेडमास्टर के नये पदों पर 42 हजार 918 अभ्यर्थी पास हुए हैं। इन सभी को कुछ ही दिनों बाद नियुक्ति पत्र दिया जायेगा।

नयी बहाली बाकी है उसे जल्द पूरा करे :

मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा विभाग जिन पदों पर नयी बहाली बाकी है उसे जल्दी पूरा करे। साथ ही नियोजित शिक्षकों के लिए आयोजित की जानेवाली तीन परीक्षाओं को भी जल्दी आयोजित किया जाय। उन्होंने कहा कि नियोजित शिक्षक अपने नये पदस्थापन को लेकर परेशान हैं, इसलिए हमलोगों ने निर्णय लिया है कि जो नियोजित शिक्षक जिस जगह पर काम कर रहे हैं, तत्काल सरकारी शिक्षक बनने के बाद उसी स्थान पर काम करते रहेंगे और इनके नये पदस्थापन पर बाद में निर्णय लिया जायेगा। हमलोग आपलोगों के हक में काम करते हैं और आगे भी करते रहेंगे।

शिक्षिका ने मुख्यमंत्री को उनकी बनाई गई तस्वीर भेंट की:

कार्यक्रम के दौरान नियुक्ति पत्र प्राप्त करनेवाली एक विशिष्ट शिक्षिका ने मुख्यमंत्री को उनकी बनाई गई तस्वीर भेंट की। कार्यक्रम को उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, जल संसाधन सह संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी, ऊर्जा सह योजना एवं विकास मंत्री बिजेन्द्र प्रसाद यादव, शिक्षा मंत्री सुनील कुमार एवं शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ एस सिद्धार्थ ने भी संबोधित किया।

येरहें मौजूद :

इस अवसर पर मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, मुख्य सचिव अमृत लाल मीणा, बिहार विद्यालय परीक्षा समिति के अध्यक्ष आनंद किशोर, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के सचिव अनुपम कुमार, भवन निर्माण विभाग के सचिव कुमार रवि, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी श्री गोपाल सिंह, पटना प्रमंडल के आयुक्त श्री मयंक बरबड़े, शिक्षा विभाग के सचिव वैद्यनाथ यादव सहित शिक्षा विभाग के अन्य वरीय अधिकारीगण, नियुक्ति पत्र प्राप्त करनेवाले विशिष्ट शिक्षकगण उपस्थित थे जबकि वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जन प्रतिनिधिगण, पदाधिकारीगण, नियुक्ति पत्र प्राप्त करनेवाले विशिष्ट शिक्षकगण और अन्य

2005 से बिहार के विकास में लगे हुये हैं

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2005 से ही हम बिहार के विकास में लगे हुये हैं। वर्ष 2005 के नवंबर माह में जब हमलोग सरकार में आए थे तब से शिक्षा, स्वास्थ्य, कानून-व्यवस्था, आवागमन सहित सभी क्षेत्रों में बेहतरी के लिए काम किया जा रहा है। पहले शाम में कोई घर से बाहर नहीं निकलता था, कहीं-कोई रास्ता नहीं बना हुआ था। जब हम सांसद थे और केंद्र में मंत्री थे और उस समय अपने इलाके में घूमते थे तो पैदल ही चलना पड़ता था लेकिन अब लोगों के लिए आवागमन काफी सुलभ बनाया गया है। सर्वप्रथम शिक्षा एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में विशेष ध्यान दिया गया है। पहले शिक्षा का क्या हाल था? पहले पढ़ाई नहीं होती थी, स्कूलों की कमी थी और शिक्षकों की कमी थी इसलिए सबसे पहले अनेक नये स्कूल खोले गये और कई स्कूलों में नये क्लास रूम बनाये गये। वर्ष 2006-07 में लड़के और लड़कियों के लिए पोशाक योजना शुरू की गयी। वर्ष 2008 में 9वीं क्लास की लड़कियों को विद्यालय जाने के लिए साइकिल योजना चलायी गयी, बाद में वर्ष 2010 से लड़कों को भी साइकिल दी गयी। उन्होंने कहा कि बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए सभी पंचायतों में उच्च माध्यमिक विद्यालय (10+2 स्कूल) खोले गये। लड़कियों को बारहवीं पास करने पर पहले 10 हजार मिलते थे जिसे बढ़ाकर अब 25 हजार रुपये कर दिया गया है, वहीं ग्रेजुएट पास होने पर 25 हजार से बढाकर अब 50 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि दी जा रही है। अब लड़कियाँ भी खूब पढ़ रही हैं और स्कूलों में लड़के और लड़कियों की संख्या लगभग बराबर हो गयी है।

40 लाख बुजुर्गों का शीघ्र बनेगा आयुष्मान वय वंदना कार्ड : मंत्री

सरकार ने 1 हजार 833 करोड़ किए गरीबों के मुफ्त इलाज पर खर्च

पटना के सभी वार्डों में शुरू हुई आयुष्मान वय वंदना कार्ड योजना

स्वास्थ्य मंत्री एवं नगर विकास मंत्री ने की अभियान की शुरूआत

प्रात : किरण

पटना। 70 वर्ष या उससे अधिक के बुजुर्गों को स्वास्थ्य लाभ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से चलाई जा रही केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना आयुष्मान वय वंदना कार्ड (आयुष्मान भारत - प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना अंतर्गत) निर्माण की शुरूआत बुधवार से राजधानी पटना के सभी वार्डों में प्रारंभ हो गई। इस अभियान की शुरूआत स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय और नगर विकास एवं आवास मंत्री नितिन नवीन ने स्थानीय मौर्य लोक परिसर में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान की। स्वास्थ्य विभाग और नगर विकास एवं आवास विभाग के संयुक्त तत्वाधान में यह अभियान 20 नवंबर से 12 दिसंबर तक पटना नगर निगम के सभी 75 वार्डों में चलेगा। जीवंत बिहार-सपना हो साकार के नारे के साथ इस अभियान की शुरूआत स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय और नगर विकास एवं आवास मंत्री नितिन नवीन ने लाभुकों को आयुष्मान कार्ड सौंप कर की।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे नगर विकास एवं आवास विभाग मंत्री नितिन नवीन ने आयुष्मान योजना की शुरूआत के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा और स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय को धन्यवाद देते हुए बुधवार से शुरू किए जा रहे पटना के सभी वार्डों में आयुष्मान कार्ड निर्माण से इस योजना को एक नया आयाम मिलने की बात कही। नगर विकास मंत्री ने कहा कि नगर विकास विभाग इसमे पूरा सहयोग करेगा ताकि इसका लाभ सभी बुजुर्गों को मिल सके। इस मौके पर दीघा विधायक संजीव चौरसिया ने भी केंद्र व राज्य सरकार की इस योजना के लिए धन्यवाद दिया। इस कार्यक्रम में राज्य स्वास्थ्य सुरक्षा समिति के सीईओ शशांक शेखर सिन्हा सहित पटना नगर निगम के नगर आयुक्त अनिमेष पराशर, पटना नगर निगम कि उप महापौर रेशमी कुमारी एवं पटना नगर निगम के कई वार्ड पार्षद और लाभुक मौजूद रहे।

अबतक लगभग 20 हजार बनाए जा चुके हैं कार्ड

इस अवसर पर अपने संबोधन में स्वास्थ्य मंत्री पांडेय ने कहा कि 29 अक्टूबर को प्रधानमंत्री द्वारा 70 वर्ष और इससे अधिक आयु वर्ग के बुजुर्गों के लिए शुरू किए गए आयुष्मान वय वंदना कार्ड योजना में बिहार में अबतक लगभग 20 हजार कार्ड बनाए जा चुके हैं। आने वाले समय में 40 लाख बुजुर्गों के वय वंदना कार्ड बनाने का लक्ष्य है। वहीं इस विशेष अभियान में 50 लाख आयुष्मान कार्ड कार्ड बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। वय वंदना कार्ड के अलावे लगभग 1 करोड़ 80 लाख परिवारों का आयुष्मान कार्ड बनना था, जिसमें से अभी तक कुल 1.51 करोड़ यानी 85 प्रतिशत आयुष्मान कार्ड बनए जा चुके हैं। इस तरह राज्य भर में 8 करोड़ 30 लाख आयुष्मान कार्ड बनाने के लक्ष्य में अबतक 3 करोड़ 60 लाख लगभग कार्ड बन चुका है। वहीं आयुष्मान कार्ड के लाभुकों के इलाज पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के प्रयासों से प्रदेश में अब तक 1 हजार 833 करोड़ रुपये सरकार ने व्यय किए हैं। इस वित्तीय वर्ष में आयुष्मान कार्ड से इलाज पर 650 करोड़ रुपये खर्च हो चुके हैं और बचे महीनों में 300 से 400 करोड़ रुपये खर्च होगा।

एग्जिट पोल्स : महाराष्ट्र व झारखंड में एनडीए को बहुमत के आसार

प्रात : किरण

नई दिल्ली /एजेंसी। महाराष्ट्र व झारखंड विधानसभा चुनाव 2024 को लेकर मतदान खत्म हो गया है। न्यूज चैनल और एजेंसियों के एग्जिट पोल्स आ गए हैं। एग्जिट पोल्स के अनुसार झारखंड में सोरेन सरकार की विदाई होती दिख रही है और राज्य की सत्ता पर एनडीए की वापसी होती दिख रही है. मैटराइज के एग्जिट पोल के अनुसार, राज्य में सत्ता परिवर्तन होने जा रहा है और झारखंड में इस बार भाजपा गठबंधन की सरकार बनती नजर आ रही है, जबकि यहां झारखंड मुक्ति मोर्चा, कांग्रेस और राजद के साथ बने इंडिया गठबंधन को बड़ा झटका लगता दिख रहा है। एग्जिट पोल के मुताबिक, झारखंड में भाजपा गठबंधन को 42 से 47 सीटें मिलने का अनुमान लगाया गया है। वहीं, झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेतृत्व वाले इंडिया ब्लॉक को 25 से 30 सीटें जीतने का दावा किया गया है, जबकि अन्य के खाते में 1 से 4 सीट जाने का अनुमान लगाया गया है। वहीं,पीपुल्स प्लस ने भी अपने एग्जिट पोल में एनडीए को 44-53 सीटें दी है तो वहीं इंडिया गठबंधन को 25-37 सीटें दी है। हालांकि, एक्सिस माई इंडिया के सर्वेक्षण में झारखंड में इंडिया गठबंधन की सरकार की वापसी का अनुमान जताया गया है। एनडीटीवी के पोल ऑफ पोल्स के मुताबिक, झारखंड में बीजेपी के गठबंधन वाले एनडीए की सरकार बनने के आसार हैं। एनडीए को 81 में से 46 सीटें मिल सकती हैं। बहुमत का आंकड़ा 41 है। जबकि इंडिया 32 के आसपास सीटें जीत सकती हैं। 3 सीटों पर निर्दलीय जीतकर आ सकते हैं।

महाराष्ट्र की सभी 288 विधानसभा सीटों, झारखंड चुनाव के दूसरे फेज में 38 सीटों पर वोटिंग पूरी हो चुकी है। 4 राज्यों की 15 विधानसभा सीटों और महाराष्ट्र की नांदेड़ लोकसभा सीट पर उपचुनाव भी खत्म हो चुके हैं। अब तमाम न्यूज चैनल और एजेंसियों के एग्जिट पोल के नतीजे सामने आ गए हैं. ज्यादातर एग्जिट पोल ने महाराष्ट्र में इखढ के नेतृत्व वाले महायुति की सरकार बनने का अनुमान जताया है। 5 एग्जिट पोल ने महाराष्ट्र में महायुति को 150 से 195 सीटें मिलने का अनुमान जताया है। वहीं, झारखंड के लिए ज्यादातर एग्जिट पोल में एनडीए को बहुमत मिलने का अनुमान है।

झारखंड और महाराष्ट्र में बनेगी एनडीए की सरकार : नाइक

पटना। केंद्रीय मंत्री श्रीपद नाइक बुधवार को पटना पहुंचे। बिहार के इस दौरे के क्रम में वह औरंगाबाद और बांका जिला का दौरा करने वाले हैं। पटना पहुंचने पर उन्होंने दावा किया कि झारखंड और महाराष्ट्र में चुनाव चल रहा है, जिसमे भाजपा के नेतृत्व में सरकार बनेगी। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र और झारखंड में चुनाव हो रहे हैं, जहां माहौल काफी बढ़िया है। भारतीय जनता पार्टी की एलाइंस महाराष्ट्र में जीतेगी और झारखंड ने भी इस बार तय किया है कि भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में सरकार बनेगी। पटना पहुंच कर नाइक का भाजपा कार्यकताओं ने जोरदार स्वागत किया। उन्होंने कार्यकताओं का आभार जताते हुए कहा कि आज हमारे देश में कई जिले हैं, जो विकास नहीं कर पाए हैं। उन्होंने कहा, इसको लेकर प्रत्येक मंत्री को काम दिया गया है, जो क्षेत्र विकास से पीछे हैं। उन जिलों में विकास करने के लिए एक सर्वे हो रहा है। मुझे बिहार के दो जिले बांका और औरंगाबाद मिले हैं। मैं आज औरंगाबाद जा रहा हूं, उसके बाद बांका भी जाएंगे। वहां जिलाधिकारी से बात कर आगे विकास को लेकर बात करूंगा। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सभी लोगों के साथ बैठक होगी और विकास के बारे में चर्चा होगी। हम चर्चा करने के लिए जा रहे हैं, इसके बाद विकास को लेकर रूपरेखा तैयार की जाएगी। चुनाव के दौरान भाजपा नेता के पैसे बांटने के आरोपों पर केंद्रीय मंत्री ने कहा चुनाव का टाइम है और आरोप लगना स्वाभाविक बात है।

1000 नई सामान्य बोगियां नवंबर के अंत तक 370 ट्रेन में जोड़ी जाएंगी : रेलवे बोर्ड

नई दिल्ली। रेलवे बोर्ड प्रतिदिन एक लाख से अधिक यात्रियों को यात्रा की सुविधा देने के लिए नवंबर के अंत तक 370 ट्रेन में 1000 नई सामान्य बोगियां (जनरल कोच) जोड़ने की प्रक्रिया पूरी कर लेगा। बोर्ड ने मंगलवार को एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि कई ट्रेन में 583 सामान्य बोगियां पहले ही लगाई जा चुकी हैं। रेलवे बोर्ड के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, ह्यह्यशेष बोगियों को जोड़ने की प्रक्रिया देशभर के सभी रेल जोनों और मंडलों में चल रही है। यह इस महीने के अंत तक पूरी हो जाएगी। उन्होंने कहा, ह्यह्यहमने अगले साल 2025 में होली पर त्योहारी भीड़ से निपटने के लिए योजना बनाने के साथ तैयारी शुरू कर दी है। रेलवे बोर्ड के अनुसार, उसने अगले दो वर्षों में 10,000 गैर-एसी बोगियां जोड़ने की योजना बनाई है जिसके बाद आठ लाख से अधिक अतिरिक्त यात्री प्रतिदिन यात्रा कर सकेंगे। उन्होंने कहा, ये सभी 10,000 बोगियां एलएचबी श्रेणी की हैं जो उन्नत सुरक्षा सुविधाएं और यात्री सुविधाएं सुनिश्चित करती हैं।

झारखंड में शांतिपूर्ण मतदान संपन्न, 67.59 प्रतिशत वोटिंग

प्रात : किरण

रांची /एजेंसी। झारखंड विधानसभा चुनाव के लिए 38 सीटों पर कई सुरक्षा व्यवस्था के बीच बुधवार को शाम पांच बजे मतदान शांतिपूर्ण समाप्त हो गया और इस दौरान 14218 मतदान केंद्रों पर 67.59 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। राज्य के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार ने यहां बताया कि इन 38 विधानसभा क्षेत्र में आज सुबह 7:00 बजे से मतदान शुरू हुआ और पांच बजे शाम समाप्त हो गया और इस दौरान 67.59 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। इन क्षेत्रों के 31 मतदान केंद्रों पर शाम 4:00 बजे शाम ही मतदान समाप्त हुआ था जबकि शेष मतदान केंद्रों पर पांच बजे शाम मतदान समाप्त हुआ।दूसरे चरण के चुनाव में कुल 528 उम्मीदवार की किस्मत ईवीएम में आज बंद हो गई। इसमें 472 पुरूष और 55 महिला उम्मीदवार हैं जबकि एक जेंडर उम्मीदवार है।

महाराष्ट्र में शाम पांच बजे तक 58.22 प्रतिशत मतदान

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा की 288 सीटों के लिए बुधवार सुबह सात बजे से शुरू हुए मतदान में शाम पांच बजे तक 58.22 प्रतिशत लोगों ने मताधिकार का इस्तेमाल किया। सूत्रों के अनुसार राज्य में कुछ मतदान केन्द्रों में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन में खराबी आने पर मतदान प्रकिया बाधित हुई और मतदान केन्द्र के बाहर मतदाताओं को लम्बी कतार में अपनी बारी का इंतजार करते हुए देखा गया।इस बीच नासिक जिले के नांदगांव निर्वाचन क्षेत्र में शिवसेना (शिंदे गुट) उम्मीदवार सुहास कांडे और राज्य के मंत्री एवं वरिष्ठ राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजीत पवार) नेता छगन भुजबल के भतीजे निर्दलीय उम्मीदवार समीर भुजबल के समर्थकों ने एक दूसरे पर हमला कर दिया। राज्य चुनाव आयोग ने बताया कि महाराष्ट्र की 288 विधानसभा क्षेत्र में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच आज सुबह सात बजे से मतदान शुरू हो गया, जो शाम छह बजे तक चलेगा। समय की समाप्ति के बाद भी कतार में खड़े मतदाता मतदान कर सकेंगे। आयोग ने बताया कि राज्य में शांतिपूर्ण और पारदर्शी तरीके से मतदान कराने के लिए हरसंभव प्रयास किये गये हैं।

राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी, विधानसभा में विपक्ष के नेता अमर कुमार बाउरी, पूर्व उपमुख्यमंत्री सुदेश कुमार महतो, सांसद निशीकांत दूबे समेत अन्य नेताओं ने अपने-अपने विधानसभा क्षेत्र में मताधिकार का प्रयोग किया।राज्य की मुख्य सचिव अलका तिवारी ने खिजरी विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र की महिला समिति, धुर्वा बूथ संख्या-373 पर अपने मताधिकार का प्रयोग किया। मतदान केंद्र पर मुख्य सचिव सहित उपस्थित सभी मतदाताओं का पारंपरिक तरीके से स्वागत किया गया।

संक्षिप्त खबरें

तेरह रेल कर्मियों को उत्कृष्ट कार्य करने के लिए पुरस्कृत किया गया

दानापुर खगौल बुधवार को मंडल रेल प्रबंधक जयंत कुमार चौधरी के द्वारा संरक्षा की दिशा में उत्कृष्ट कार्य करने वाले, रेलकर्मियों को मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय में दानापुर मंडल के अलग-अलग हिस्सों में अक्टूबर माह में संभावित दुर्घटनाओं को रोकने एवं संरक्षा हेतु, उत्कृष्ट कार्य में योगदान देने वाले, कुल तेरह रेलकर्मियों को प्रशस्ति पत्र एवं राशि देकर पुरस्कृत किया गया।जिसमें टी आर एस विभाग के दो रेलवे सुरक्षा बल के तीन अभियंत्रण विभाग के दो कर्मी , परिचालन विभाग के तीन कर्मी, यांत्रिक विभाग एक एवं संकेत एवं दूरसंचार विभाग के दो कर्मी शामिल हुए।इन रेलकर्मियों के द्वारा रेल पटरियों पर अवरोध को देखते हुए ट्रेन को सुरक्षित दूरी पर रोक कर दुर्घटना होने से बचाव करना,दीपावली एवं छठ पूजा में संरक्षा के साथ भीड़ को नियंत्रित करना,रेल फ्रैक्चर, संरक्षा को सुनिश्चित कर पंडारक -एनटीपीसी रोढ रेल खंड के रेल ट्रैक को पुनः चालु करना, हॉट एक्सेल एवं कोच में हैंगिंग पार्ट को देखना,कोच में स्प्रिंग टूटा हुआ इत्यादि को समय रहते देखा गया, जिससे होने वाली संभावित दुर्घटना को टाला जा सका। मौके पर मंडल रेल प्रबंधक ने पुरस्कृत हुए रेलकर्मियों कीसजगता एवं कर्तव्यनिष्ठा की सराहना की।

गहराई से होगी जांच व दोषी पर कार्रवाई : डिविजनल कमिश्नर

पटना सिटी (प्राकि)। नएमसीएच के सर्जरी आईसीयू में गोली लगने से घायल मरीज फंटूश कुमार की मौत इलाज के दौरान हो गई थी। मगर दूसरे दिन 16 नवंबर को मरीज के परिजनों ने हंगामा करना शुरू कर दिया। उन सबों का आरोप था कि रात एक बजे तक मरीज का शरीर पूरी तरह ठीक था। मगर सुबह पांच जब वह सब देखे, तो बायां आंख गायब था। इस संबंध में जब डिविजनल कमिश्नर मयंक खरवड़े से बुधवार को अस्पताल निरीक्षण के दौरान बात की गई, तब उनका कहना था कि इसकी जांच दो स्तर पर की जा रही है। अब इसकी जांच और गहराई से कराई जाएगी। इस मामले में जो भी दोषी पाए जाएंगे, उन पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

बीआरसी भवन में 224 नियोजित शिक्षकों के बीच नियुक्ति पत्र का हुआ वितरण

मसौढ़ी !सक्षमता परीक्षा पास शिक्षकों में नियुक्ति पत्र बांटने की कवायद शुरू हो गयी है.विभागीय दिशा-निर्देश के बाद इसकी तैयारी शुरू कर दी गयी है. बुधवार को सक्षमता परीक्षा उत्तीर्ण नियोजित शिक्षकों के बीच बीआरसी भवन में एसडीओ अमित कुमार पटेल व बीईओ राजेंद्र ठाकुर सैकड़ों नियुक्ति पत्र वितरण किया.मौके पर शिक्षक दीपक कुमार बीपीएम सर्वजीत कुमार हेमायु खान बिआरपी संजय कुमार रेणु कुमारी राहुल कुमार संजित कुमार अखिलेश कुमार सुजित कुमार मनोज कुमार व सहित अन्य शिक्षक उपस्थित रहे।

एसजीजीएस सदर अस्पताल की व्यवस्था को एसडीओ ने देखा

पटना सिटी, श्री गुरु गोविंद सिंह सदर अस्पताल का एसडीओ सत्यम सहाय ने बुधवार को निरीक्षण किया। मुख्य सचिव के निर्देश के आलोक में अस्पताल के विभिन्न विभागों का उन्होंने जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान चिकित्सकों व कर्मियों की उपस्थिति, उपलब्ध संसाधन, फायर उपकरण की स्थिति को देखा और आवश्यक निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान इंडोर और ओपीडी में इलाज कराने आए मरीजों से भी मिले और उनके परेशानियों को जानने का प्रयास किया। एसडीओ ने बताया कि निरीक्षण से जुड़ा रिपोर्ट तैयार कर मुख्य सचिव को भेजा जाएगा। इसके पूर्व कुछ भी बताना संभव नहीं है। निरीक्षण में अल्ट्रासाउंड में अतिरिक्त कर्मी को लगा कर मरीजों को अल्ट्रासाउंड कराने को कहा गया। यहां कार्यरत कर्मियों के पल्स पोलियो अभियान में लगाए जाने के कारण संकट की स्थिति बनी थी। एसडीओ ने कहा कि जिस विभाग में काम का लोड कम है, वहां से कर्मियों को यहां लगाया जाए। एसडीओ ने बताया कि डॉक्टर, कर्मियों से जुड़े मामले में उच्चाधिकारी को अवगत करा उसे दूर कराने का प्रयास किया जाएगा। निरीक्षण के दौरान अस्पताल के चिकित्सक, कर्मी और नर्स के साथ स्वास्थ्य प्रबंधक आदि उपस्थित थे।अस्पताल के ओपीडी से लेकर दवा वितरण काउंटर, प्रसव केंद्र, पंजीयन काउंटर, पैथोलॉजी आदि जगहों का निरीक्षण कर व्यवस्था को देखा गया।

बिहार के एफआरयू में नाइट सी-सेक्शन सेवाओं को सशक्त बनाने की दिशा में नए कदम

प्रात :किरण संवाददाता

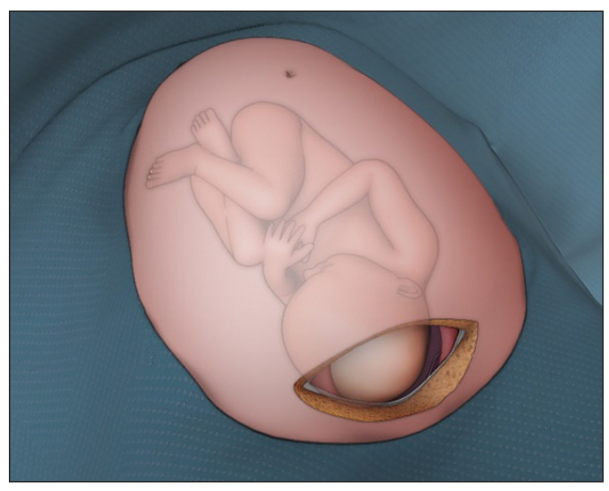

पटनाः स्वास्थ्य विभाग मातृ और शिशु मृत्यु दर को कम करने के लिए एफआरयू यानी फर्स्ट रेफरल यूनिट को सशक्त करने के प्रयास में जुटी है. इस पहल के तहत राज्यभर में एफआरयू में नाइट सी-सेक्शन सेवाओं को सशक्त किया जा रहा है, ताकि रात्रि में भी जटिल प्रसव के मामलों का सुरक्षित रूप से निपटारा हो सके. विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार सुरक्षित सी-सेक्शन सेवाएं, विशेष रूप से रात के समय, मातृ और नवजात मृत्यु दर को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं. आपातकालीन प्रसव सेवाओं की उपलब्धता यह सुनिश्चित करती है कि सभी महिलाओं को समय पर जीवनरक्षक चिकित्सा सहायता मिल सके। जिलों में नाइट सी-सेक्शन की स्थिति पिछले छह महीनों में कई जिलों ने नाइट सी-सेक्शन मामलों में उल्लेखनीय वृद्धि देखी है. वैशाली जिला 512 नाइट सी-सेक्शन मामलों के साथ सबसे आगे रहा, जो मातृ स्वास्थ्य सेवाओं की मजबूती को दर्शाता है. इसी प्रकार, कैमूर में 327 और सिवान में 288 नाइट सी-सेक्शन केस दर्ज किए गए. भोजपुर में 175, सीतामढ़ी में 171 और नालंदा में 131 नाइट सी-सेक्शन केसों का रिकॉर्ड हुआ. राज्य के अन्य जिलों में भी नाइट सी-सेक्शन सेवाओं में सुधार के प्रयास किए जा रहे हैं। राज्य सरकार ने एफआरयू पर नाइट सी-सेक्शन सेवाओं को नियमित करने के निर्देश जारी किए हैं, ताकि प्रसवकालीन जटिलताओं के दौरान माताओं और शिशुओं की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके. इसके लिए, सभी एफआरयू पर ब्लड स्टोरेज यूनिट और ब्लड बैंक की प्रमाणिकता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि जरूरत पड़ने पर रक्त की आपूर्ति में कोई कमी न हो. इसके साथ ही, जिन जिलों में नवजात शिशु गहन चिकित्सा इकाइयाँ (एनबीएसयू/एसएनसीयू) पहले से क्रियाशील हैं, वहां बेड बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं ताकि गंभीर स्थिति में शिशुओं को तत्काल उपचार मिल सके। मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में सुधार की दिशा में एक बड़ी पहल एम्स पटना की एडिशनल प्रोफेसर सह स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषग्य डॉ. इंदिरा प्रसाद ने बताया कि क्रियाशील एफआरयू पर रात्रि में सी-सेक्शन सेवाओं की उपलब्धता से प्रसवकालीन आपात स्थितियों में महिलाओं को समय पर चिकित्सा सहायता मिलेगी, जिससे मातृ एवं शिशु मृत्यु दर को कम करने में भी सहायता मिलेगी. इससे राज्य के ग्रामीण और दूरदराज के इलाकों में भी मातृ और शिशु स्वास्थ्य सेवाएं सशक्त होंगी, जिससे स्वास्थ्य सेवा प्रणाली का व्यापक सुधार संभव हो सकेगा।

क्विज न केवल ज्ञान वृद्धि, बल्कि हमारे अभिवृत्तियों का भी परिष्कार करता : विजय

विजेता टीम रमन व उपविजेता टीम टैगोर रही

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

इन्फेंट जीसस स्कूल में क्विज कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें लिखित राउंड की परीक्षाओं के बाद चार टीम फाइनल ओरल राउंड के लिए क्वालिफाई की। इन टीमों में टैगोर, रमन, गोविंद एवं सत्यार्थी शामिल थे। कुल पांच राउंड में हुए क्विज में रैपिड फायर, ऑडियो-विजुअल, स्कैटोगरीज (पिक एंड चूज), बजर राउंड, स्कारकेड (बिहार राउंड) आदि शामिल थे। पांचों राउंड का संचालन तीन अलग-अलग क्विज मास्टर सुनील ठाकुर, रंजना झा एवं अभय कुमार ने किया। प्रतिभागियों की तैयारी में क्विज मेंटर्स रानी सिंह, रजिया फिरदौसी, संदीपिका कुमारी एवं पूजा कुमारी की भूमिका रही।दिलचस्प मुकाबले में टीम रमन प्रथम स्थान पर रही। इसमें सिद्धांत कुमार, अंकित कुमार, स्पृहा, समीर वर्मा एवं वरुण कुमार शामिल थे। क्विज के रनर्स-अप टीम टैगोर रही, जिसमें अजय कुमार, सारस्वत सिंह, तहसिया हसीन, सिद्धि जायसवाल, अभिनव राज शामिल रहे। मुख्य अतिथि क्विज मास्टर विजय कुमार सिंह ने कहा कि क्विज न केवल ज्ञान वृद्धि, बल्कि हमारे अभिवृत्तियों का भी परिष्कार करता है। उन्होंने भारत एवं बिहार में क्विज के आविर्भाव एवं विकास के बारे में भी अवगत कराया तथा छात्र-छात्राओं का आह्वान किया कि उनके जीवन के आगामी चार-पांच वर्ष सबसे महत्वपूर्ण एवं निर्णायक हैं। उन्होंने इस बात की तारीफ की कि विद्यालय वर्ष 1978 में अपनी स्थापना से ही नगर में शैक्षणिक श्रेष्ठता में अग्रणी रहा है। कार्यक्रम में उपस्थित छात्रों, अभिभावकों एवं शिक्षकों को विद्यालय निदेशक पास्कल पीटर ओस्टा और प्राचार्य रंजन जोसफ ने भी संबोधित किया तथा उन्हें व्यक्तिगत एवं सामूहिक स्तर पर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की नसीहत दी। उन्होंने ऐसे कार्यक्रमों की उपयोगिता पर भी सविस्तार प्रकाश डाला। संचालन शिक्षिका प्रियंका रॉय ने किया। स्वागत भाषण विद्यालय प्रशासक सह जनसंपर्क पदाधिकारी शुभदा कुलकर्णी ने तथा धन्यवाद ज्ञापन विद्यालय शिक्षक अभय कुमार ने किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

जमीन कारोबारी अरुण की हत्या में सुपारी देने वाला व शूटर गिरफ्तार

- दिव्य सुंदर के साथ अरुण का जमीनी कारोबार, रुपए के लेन-देन को ले कराया हत्या

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

आलमगंज थाना क्षेत्र के जल्ला रोड स्थित माल्य महादेव मंदिर के पास जमीन कारोबारी अरुण कुमार की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में पुलिस ने शूटर अंकित कुमार और स्थानीय दिव्य सुंदर उर्फ दिव्यम को गिरफ्तार किया है। एएसपी अतुलेश झा का कहना है कि शूटर को दिव्य सुंदर ने ही हत्या करने के लिए पांच लाख की सुपारी दी थी। शूटर अंकित को गांधी मैदान के पास से गिरफ्तार किया गया है। विदित हो कि 23 जून, 24 की सुबह जमीन कारोबारी अरुण कुमार अपने घर के पास लगाए गए पौधे में पानी दे रहे थे। इसी दौरान दो की संख्या में रहे अपराधियों ने उन पर ताबड़तोड़ गोली बरसा दी थी। इस कारण से उनकी मौत हो गई। पुलिस का मानना है कि एक दोस्त ने दूसरे दोस्त को पैसे के लेन-देन और जमीन के कारोबार में हुए विवाद को लेकर ही इस घटना को अंजाम दिलाया है। अपराधियों ने अरुण कुमार के घर के पास ही किराए के मकान में रह कर उसकी गतिविधियों की गहराई से रेकी की थी। यही नहीं, पुलिस का यह भी कहना है कि घटना को अंजाम देने से एक दिन पूर्व दिव्य सुंदर उर्फ दिव्यम के द्वारा शूटर को हथियार और कारतूस के साथ उनके पास भेजा गया था, जिसके साथ मिलकर 23 जून की सुबह को एक लाइनर के बताए अनुसार अरुण कुमार को गोली मारकर हत्या की गई है। पूछताछ के दौरान अंकित ने हत्या से जुड़े राज का खुलासा भी पुलिस के समझ किया है। एएसपी अतुलेश झा ने बताया कि हत्या से जुड़े अन्य अभियुक्तों की तलाश में पुलिस की छापेमारी जारी है। घटना के बाद अरुण कुमार की पत्नी आशा कुमारी ने आलमगंज थाना में कांड संख्या 511/24 दर्ज कराया था। इसमें आशा ने घटना में शिशिर कुमार, दिव्य सुंदर उर्फ दिव्यम, विकास कुमार गुप्ता, खड़बड़ गोप, छोटन गोप, राकेश कुमार, डीएम पप्पू, मंतोष कुमार महतो एवं मौली सोनार पर साजिश के तहत हत्या करने का आरोप लगाया था। दरअसल अरुण कुमार एवं दिव्यम के बीच जमीन का व्यापारिक संबंध था। रुपए के लेन-देन को लेकर दोनों के बीच विवाद हो गया था। इसी दौरान दिव्यम ने पांच लाख की सुपारी देकर अरुण कुमार की हत्या कराई थी। पुलिस ने घटना के बाद गड़बड़ गोप को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। वह भी इस मामले में जमानत पर है, जबकि शिशिर कुमार भी कोर्ट से जमानत ले चुके हैं। पटना पुलिस ने घटना घटित होने के बाद फेसबुक एवं अन्य सोशल मीडिया के माध्यम से घटना को अंजाम देने वाले दो शूटरों की तस्वीर भी पहचान के लिए जारी किया था।

सीमा शुल्क पटना के आयुक्त ने व्यापारी प्रतिनिधियों एवं निर्यातकों के साथ की बैठक

प्रात :किरण संवाददाता

पटना। सीमा शुल्क, पटना के आयुक्त डॉ यशोवर्धन पाठक के नेतृत्व में मंगलवार को वाल्मीकिनगर स्थित सीमा शुल्क कार्यालय में स्थानीय व्यापारी प्रतिनिधियों एवं संभावित निर्यातकों की एक बैठक आयोजित की गई जिसमें उनकी समस्याएं सुनी गईं। आयुक्त डॉ पाठक ने बताया कि व्यापारी प्रतिनिधियों एवं निर्यातकों की समस्याओं को सुनने के बाद निवारण-स्वरुप उन्हें यह बताया गया कि वर्तमान में खाद्यान्न, कृषि आधारित उत्पाद एवं कृषि प्रसंस्करण आधारित उत्पादों को, जिनमें नेपाल की ओर से प्लांट क्वारंटीन एवं एफएसएसएआई लैब टेस्ट की जरूरत है जो वहाँ स्थापित नहीं हैं। इन्हें छोड़कर अन्य सामग्रियां, जो इन प्रकार के प्रतिबंधों से मुक्त हैं, जैसे झ्र कोयला, स्टील, सिमेन्ट, कपड़े, इलेक्ट्रिकल एवं कॉस्मेटिक्स गुडस इत्यादि के निर्यात में, सीमा शुल्क के प्रावधानों के तहत कोई समस्या नहीं है। उन्होंने बताया कि स्थानीय व्यापारी प्रतिनिधियों एवं संभावित निर्यातकों को इनके निर्यात के लिए हौसला बढ़ाने का पूरा प्रयास किया गया जिस पर हर्ष व्यक्त करते हुए उन लोगों ने इन सामग्रियों से संबंधित व्यापार अविलंब शुरू किये जाने का आश्वासन दिया। आयोजित की गई इस बैठक में सीमा शुल्क कार्यालय रक्सौल एवं मोतिहारी के सहायक आयुक्तगण समेत अन्य अधिकारीगण भी मौजूद रहे।

एनएमसीएच में निरीक्षण को पहुंचे प्रमंडलीय आयुक्त, मेडिसिन व डेंगू वार्ड देखा

दवा की कमी, इंफ्रास्ट्रक्चर, डॉक्टर की कमी पर वरीय अधिकारी को लिखेंगे

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

नालंदा मेडिकल कॉलेज अस्पताल का निरीक्षण करने के लिए डिविजनल कमिश्नर मयंक वरवड़े बुधवार को अपराह्न में पहुंचे। पहले खुद कुछ वार्ड में गए इसके बाद अधीक्षक कार्यालय पहुंचे। यहां उन्होंने मौजूद चिकित्सक नर्सिंग स्टाफ कर्मियों आदि के उपस्थिति पंजी की जांच किया। इस दौरान नालंदा मेडिकल कॉलेज की प्राचार्य डॉप्रो उषा कुमारी, अधीक्षक डॉप्रो बिनोद कुमार सिंह, और उपाधीक्षक डॉ सरोज कुमार ने स्वागत किया।इसके बाद सभी सेंटर आफ एक्सीलेंस भवन में संचालित मेडिसिन विभाग के इंडोर और डेंगू वार्ड का निरीक्षण प्रमंडलीय आयुक्त मयंक वरवड़े ने किया। निरीक्षण के दौरान मेडिसिन विभाग में चल रहे ओपीडी और डॉक्टरों की उपस्थिति के साथ भर्ती मरीजों की जानकारी व संसाधन की उपलब्धता को भी जाना। डेंगू वार्ड में भर्ती मरीज से इलाज डॉक्टर व नर्सिंग स्टाफ के व्यवहार दवा मिलने आदि के बारे में पूछा। इस दौरान प्रचार डॉ उषा कुमारी ने कहा कि उनके यहां जितने एमबीबीएस और पीजी के छात्र हैं, उसे अनुपात में लेक्चर थिएटर की संख्या कम है ऐसे में इसकी जरूरत है साथ ही कुछ भवन मरम्मत से लेकर अंत समस्याओं को उन्होंने रखने का काम किया वहीं उपाधीक्षक डॉक्टर सरोज कुमार ने भी समस्याओं को रखा जिसमें इंफ्रास्ट्रक्चर भी शामिल था। इस दौरान साथ रहे प्राचार्या डॉप्रो उषा कुमारी, अधीक्षक डॉप्रो बिनोद कुमार सिंह और उपाधीक्षक डॉ सरोज कुमार को मरीजों को दवा बाहर से नहीं खरीदना पड़े, इसे सुनिश्चित कराने को कहा। वहीं डेंगू वार्ड में भर्ती पांच मरीजों से मिले और उपचार व्यवस्था की जानकारी ली। इस दौरान विभाग के चिकित्सक डॉ सतीश कुमार, डॉ एसके आस्तिक व डॉ बीपी आजाद से भी डेंगू व वार्ड में भर्ती मरीजों के संबंध में जानकारी ली। चिकित्सकों ने बताया कि डेंगू के मेडिसिन में छह और शिशु रोग विभाग में सात मरीज भर्ती हैं। अधीक्षक ने बताया कि डेंगू मरीजों के लिए अस्पताल में 50 बेड की व्यवस्था है। इस दौरान मरीजों को मिल रही सुविधाओं की जानकारी भी प्रमडलीय आयुक्त को अवगत कराया गया। प्राचार्या ने प्रमंडलीय आयुक्त से अस्पताल के लिए नए भवन और बेड बढ़ाने का आग्रह करने के साथ, लेक्चर थिएटर की क्षमता से अवगत कराया।

सीमा शुल्क ने वाहन की तलाशी में अवैध रूप से तस्करी कर लाये जा रहे नेपाल निर्मित बियर को गाड़ी समेत किया जब्त

प्रात :किरण संवाददाता

पटना। सीमा शुल्क स्टेशन, रक्सौल की तस्कर निरोधी इकाई ने नेपाल से भारत आने वाले वाहनों की नियमित जाँच के दौरान एक वाहन (गाड़ी नंबर इफ-05ढइ/4713) में तलाशी के क्रम में अवैध रूप से तस्करी कर लाये जा रहे नेपाल निर्मित किंगिफशर स्ट्रोंग ब्रांड की बियर को गाड़ी समेत जब्त बुधवार को किया है। अल्कोहल युक्त पेय पदार्थों का आयात नेपाल से भारत में प्रतिबंधित है साथ ही बिहार राज्य में पूरी तरह से मद्य निषेध लागू है. इस कारण से तस्करों द्वारा नेपाल से अल्कोहल युक्त पेय पदार्थों की अवैध तस्करी की जा रही है. इस सन्दर्भ में भारत-नेपाल के रक्सौल सीमा पर अवस्थित मैत्री पुल से आने वाले वाहनों की सघन जाँच के दौरान गाड़ी को रोक तलाशी ली गई एवं अवैध रूप से तस्करी कर लायी जा रही नेपाल निर्मित किंगिफशर स्ट्रोंग ब्रांड की बियर की बरामदगी की गई. गाड़ी सहित बरामद किये गए अल्कोहल युक्त पेय पदार्थ का अनुमानित मूल्य 14,23,295/- है। यशोवर्धन पाठक सीमा शुल्क आयुक्त, पटना के मार्गदर्शन में तस्करी विरोधी चलाये जा रहे विशेष अभियान में सीमा शुल्क के अधिकारिओं द्वारा नेपाल से भारत आने वाले वाहनों की सघन जाँच के क्रम में तस्करी के कई मामले दर्ज किये गए हैं. विभिन्न कानूनी अधिनियमों के उल्लंघन के कारण नेपाल निर्मित बियर और गाड़ी की जब्ती के बाद आगे की कार्यवाही के लिए निरीक्षक, आबकारी एवं मद्य निषेध विभाग, रक्सौल को अग्रसारित कर दिया गया. इस तस्करी मामले में शामिल दो अभियुक्तों आबकारी एवं मद्य निषेध विभाग, रक्सौल ने बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद अधिनियम, २०१६ (संशोधित २०१८) के अंतर्गत गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया. सीमा शुल्क विभाग द्वारा हस्तांतरित वाहन एवं नेपाल निर्मित बियर को भी बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद अधिनियम, २०१६ (संशोधित २०१८) के अंतर्गत जब्त कर लिया गया। सीमा शुल्क विभाग, रक्सौल के द्वारा मैत्री पुल पर सतत सतर्कता बरती जा रही है तथा सीमा शुल्क अधिनियमों का सख्ती से अनुपालन किया जा रहा है।

सिमरी में तीन दिवसीय हीरो टूनार्मेंट: खेल से सामाजिक बदलाव का नया अध्याय

खेल के जरिए जेंडर समानता और सामाजिक चेतना की दिशा में कदम

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

पटनाः सहयोगी संस्था द्वारा 17 से 19 नवंबर तक सिमरी में आयोजित तीन दिवसीय हीरो टूनार्मेंट ने ग्रामीण युवाओं के बीच खेल और सामाजिक जागरूकता का अद्भुत समन्वय पेश किया। टूनार्मेंट में मुसैपुर, आनंदपुर, हथियाकांध और पैनाठी गांवों की टीमों ने पूरे जोश और उत्साह के साथ भाग लिया। इस आयोजन का उद्देश्य केवल खेल भावना को प्रोत्साहित करना नहीं था, बल्कि युवाओं को नेतृत्व, आत्मविश्वास और सामुदायिक मुद्दों के प्रति जागरूक बनाना भी था। खेल से जेंडर आधारित भेदभाव को तोड़ने की पहल सहयोगी संस्था दानापुर, मनेर और बिहटा में जेंडर आधारित भेदभाव और हिंसा के खिलाफ काम कर रही है। इस टूनार्मेंट का आयोजन कर सहयोगी संस्था ने इसे सामाजिक बदलाव की मुहिम का हिस्सा बनाने की पहल की। खेल के दौरान जेंडर से जुड़े पुराने विचारों और पारिवारिक भेदभाव के खिलाफ संवाद और प्रशिक्षण आयोजित किए गए, जिससे युवाओं को सकारात्मक बदलाव के लिए प्रेरित किया गया। खेल विकास और सामाजिक बदलाव का सशक्त माध्यम सहयोगी संस्था की निदेशक रजनी ने बताया कि खेल न केवल शारीरिक और मानसिक विकास का साधन है, बल्कि युवाओं को समाज की समस्याओं को समझने और उनके समाधान में भागीदार बनने की प्रेरणा भी देता है। यह नेतृत्व, अनुशासन और टीम वर्क जैसे गुणों को निखारता है और युवाओं को अपने आसपास के सामाजिक मुद्दों से जोड़ता है। आज कई किशोर खेल के माध्यम से जेंडर स्टीरियोटाइप्स को तोड़ते हुए घरों में बराबरी की पहल कर रहे हैं। वे अपनी बहनों की शिक्षा और फैसलों का समर्थन कर रहे हैं, साथ ही घर के कामों में सहयोग देकर परिवार और समाज में सकारात्मक बदलाव ला रहे हैं। खेल से सीखे गए गुण युवाओं को यह समझने में मदद करते हैं कि छोटे-छोटे प्रयास बड़े बदलाव की नींव रख सकते हैं। यह केवल व्यक्तिगत विकास का जरिया नहीं, बल्कि एक ऐसा माध्यम है जो समाज को अधिक न्यायसंगत और समावेशी बनाने में योगदान करता है। सामाजिक बदलाव के वाहक बनते किशोरः टूनार्मेंट का उद्घाटन सिमरी के मुखिया श्री ओम प्रकाश ने किया, जबकि पैनाठी के मुखिया श्री विनय विभूति की उपस्थिति ने आयोजन को और गरिमा प्रदान की। तीन दिनों की प्रतिस्पर्धा के बाद, आनंदपुर की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए टूनार्मेंट का खिताब जीता। टीम को बधाई देते हुए मुखिया श्री विनय विभूति ने कहा कि यह टूनार्मेंट युवाओं के लिए एक ऐसा मंच है, जहां वे न केवल अपनी खेल प्रतिभा को दिखा सकते हैं, बल्कि नेतृत्व और सामुदायिक जिम्मेदारी की कला भी सीख सकते हैं। आप सभी समाज में बदलाव के वाहक बन रहे हैं, और यह हमारी अगली पीढ़ी के लिए एक प्रेरणा है। खेल और अनुशासन से बनेगा सकारात्मक समाज इस दौरान मुखिया श्री ओम प्रकाश ने कहा कि सहयोगी संस्था द्वारा आयोजित यह टूनार्मेंट खेल के साथ-साथ अनुशासन, नेतृत्व, और समाज के प्रति जिम्मेदारी की भावना को बढ़ावा देता है। ऐसे आयोजन न केवल युवाओं को प्रेरित करते हैं बल्कि सामाजिक बदलाव की ओर एक मजबूत कदम भी हैं। युवाओं की ऊर्जा को दिशा देने की पहल सहयोगी संस्था के रिसोर्स पर्सन धर्मेंद्र ने सभी प्रतिभागियों और दर्शकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह आयोजन केवल शुरूआत है। भविष्य में ऐसे और भी टूनार्मेंट आयोजित किए जाएंगे, ताकि ग्रामीण युवाओं को अपनी प्रतिभा निखारने के साथ-साथ जेंडर समानता और सामुदायिक मुद्दों पर जागरूकता बढ़ाने का मौका मिले। टीमवर्क का अद्भुत उदाहरणः इस आयोजन में सहयोगी संस्था की टीम–लाजवंती, बिंदु, निर्मला, शारदा, रूबी, प्रियंका, मनोज, ऊषा, धर्मेंद्र और साक्षी ने सक्रिय भूमिका निभाई। यह टूनार्मेंट न केवल खेल के क्षेत्र में नई ऊर्जा लेकर आया, बल्कि जेंडर समानता और सामुदायिक भागीदारी की एक नई मिसाल भी कायम की।

एसजीजीएस सदर अस्पताल की अव्यवस्था को ले किया प्रदर्शन

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

श्री गुरु गोविंद सिंह सदर अस्पताल में आने वाले मरीज एवं उनके परिजनों के द्वारा हो रहे हंगामा सुन यहां के अस्पताल सुधार समिति के महासचिव सह पूर्व पार्षद बलराम चौधरी ने मरीज एवं उनके परिजनों का हंगामा को शांत कराने का काम किया। उन्होंने मुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री के खिलाफ अस्पताल में अधीक्षक की नियुक्ति सहित सदर अस्पताल में मरीज को मिलने वाली सुविधा के मांग को लेकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के बाद कहा कि लगभग 10 माह से अधीक्षक का पद खाली है। इस पद पर पदस्थापना नहीं होने के कारण अस्पताल की व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई है। जब राजधानी में स्वास्थ्य व्यवस्था का यह हाल

है, तो बिहार के अन्य जिला, अनुमंडल में क्या हाल होगा। पूर्व स्वास्थ्य मंत्री तेजस्वी यादव ने मिशन 60 के तहत बिहार में स्वास्थ्य व्यवस्था को दुरुस्त करने का काम किया था। मगर आज स्वास्थ्य व्यवस्था को देखने वाला कोई नहीं है। बिहार में स्वास्थ्य व्यवस्था राम भरोसे चल रहा है। पैथोलॉजी विभाग में हमेशा मशीन खराब होने के कारण मरीज को जांच कराने के लिए बाहर जाना पड़ रहा है। लगभग एक माह से एंटी रेबीज वैक्सीन सहित अनेक दवा, जो अस्पताल में समाप्त हो चुके है, मरीजों को बाहर से लाना पड़ रहा है। बलराम चौधरी ने कहा कि ऑर्थो, हार्ट, न्यूरो के डॉक्टर, प्रसव विभाग आदि अस्पताल में मरीजों को 24 घंटा सभी तरह के सुविधा की मांग को लेकर अस्पताल सुधार समिति का एक प्रतिनिधिमंडल जल्द स्वास्थ्य विभाग के प्रधान सचिव से मिलकर ज्ञापन सौंपेगा।

मृत फंटूश का आंख चूहा नहीं खाया, ऑप्टिव नर्व में शार्प कट

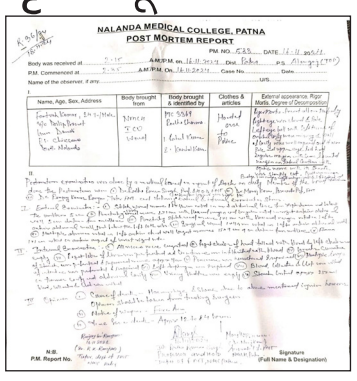

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

नालंदा मेडिकल कॉलेज अस्पताल के सर्जरी आईसीयू में गोली लगने से घायल मरीज फंटूश कुमार की मौत 15 नवंबर की रात हो गई थी। परिजनों का आरोप था कि रात एक बजे तक मृत मरीज का शरीर पूरी तरह से ठीक था, मगर देर रात एक से लेकर सुबह पांच बजे के पहले तक उसका बायां आंख गायब पाया गया। इसके बाद परिजनों ने शोर-शराबा शुरू कर दिया। आलमगंज थाना की पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए नालंदा मेडिकल कॉलेज भेजा। हालांकि इस दौरान मृतक फंटूश के परिजनों का कहना था कि मानव अंग तस्करी के लिए मरीज के आंख को निकाला गया है। इसके लिए परिजनों ने आलमगंज थाना की पुलिस और अधीक्षक को सौंपे आवेदन में कुछ के पदनाम का जिक्र भी किया था। इसके बाद अधीक्षक के द्वारा चार सदस्यीय जांच समिति का गठन किया गया। दो नर्सिंग स्टाफ को निलंबित भी किया गया। इधर शव का पोस्टमार्टम नालंदा मेडिकल कॉलेज के एफएमटी विभाग के तीन सदस्यीय चिकित्सकों के द्वारा किया गया। इसमें विभागाध्यक्ष डॉप्रो राधा रमण सिंह, ट्विटर डॉक्टर आरके रंजन और डॉक्टर मनोज कुमार के द्वारा किया गया। 16 नवंबर, 24 को पोस्टमार्टम नंबर 533 में तीनों चिकित्सकों ने कहा है कि मृत मरीज के आंख को किसी जानवर के द्वारा क्षतिग्रस्त नहीं किया गया है। मरीज के बायीं आंख का पूरा गोली यानी आईबॉल खाली था। कुछ कुतरा हुआ नहीं पाया गया है। बाहर का कोना आंख निकालने के दौरान खरोंच लगा होगा। आई बॉल निकालने में चाकू लग गया होगा। बायीं आंख के ऊपर में लेसरेटेड मार्जिन है यानी जैसे-तैसे कटा है। ऑप्टिव नर्व में भी शार्प कट पाया गया है। दायां आंख है और उजला है। अब इस पोस्टमार्टम रिपोर्ट के नालंदा मेडिकल कॉलेज के एफएमटी विभाग के द्वारा पुलिस को सौंपे जाने के बाद यह तय हो गया कि चूहा ने आंख न कुतरा है और न ही खाया है।

सभी 75 वार्ड कार्यालयों में बनेगा आयुष्मान वय वंदना कार्ड

70 वर्ष से अधिक आयु के सभी 5 लाख रुपये तक का करा सकेंगे निःशुल्क

पटना, प्रात: किरण संवाददाता

नगर विकास एवं आवास मंत्री नितिन नवीन ने कहा है कि नगर विकास एवं आवास विभाग तथा स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त तत्वावधान में, आयुष्मान भारत - प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत 70 वर्ष या उससे अधिक आयु के सभी वरिष्ठ नागरिकों को प्रति वर्ष 5 लाख रुपये तक का निःशुल्क इलाज प्रदान किया जायेगा। वहीं, पटना नगर निगम क्षेत्र के सभी 75 वार्ड कार्यालयों में आयुष्मान वय वंदना कार्ड का बनेगा। दरअसल, बुधवार को राजधानी पटना के मौयार्लोक परिसर में बिहार के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे और नगर विकास एवं आवास मंत्री नितिन नवीन द्वारा आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत लाभुकों के बीच आयुष्मान कार्ड का वितरण किया गया। इस दौरान दीघा विधायक संजीव चौरसिया, डिप्टी मेयर रेशमी चंद्रवंशी, नगर आयुक्त अनिमेष पराशर समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

राशन कार्ड लाभुकों का 15 दिसंबर के बाद बनेगा आयुष्मान कार्ड :

कार्यक्रम के दौरान स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे जी द्वारा संबोधित करते हुए कहा गया कि मार्च के बाद बनने वाले राशन कार्ड लाभुकों का 15 दिसंबर के बाद आयुष्मान कार्ड बनेगा। स्वास्थ्य विभाग द्वारा 50 लाख कार्ड बनेगा, विशेष अभियान में अन्य लोगों का भी कार्ड बनेगा। वहीं, उन्होंने बताया कि अभी तक एक करोड़ 80 लाख कार्ड बनना था, 1 करोड़ 51 लाख बन चुका है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि पूरे राज्य में आठ करोड़ बनना था, जिसमें से तीन लाख कार्ड बन चुके है।

आयुष्मान कार्ड देते हुए गर्व महसूस हो रहा :

वहीं, बिहार के नगर विकास एवं आवास मंत्री नितिन नवीन ने कहा कि हम सभी को आयुष्मान कार्ड देते हुए गर्व महसूस हो रहा है। साथ ही उन्होंने कहा कि इस विशेष अभियान में नगर विकास विभाग और मैं पूरी तरह से आपके साथ हूं। शहरी क्षेत्रों में आयुष्मान योजना को गति देने के लिए विभाग पूरी तरह से साथ रहे। ये एक पुण्य का काम है, जिसका आवाहन प्रधानमंत्री ने किया है। इधर, नगर आयुक्त अनिमेष पराशर ने कहा कि विभिन्न पार्क में सुबह में कैंप लगेगा, बुजुर्ग महिलाओं एवं बुजुर्गों को चिन्हित किया जाएगा। बता दें कि शहरवासियों को आयुष्मान कार्ड का लाभ आम जन तक पहुंचाने के लिए पटना नगर निगम द्वारा सभी वार्डों में एक साथ कैंप का आयोजन किया जाएगा। जिससे सभी लोगों तक इस सुविधा का लाभ मिल सके। इसके साथ ही सभी सफाई इंस्पेक्टर एवं नोडल घर-घर जाकर आम जनों को आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए प्रेरित करेंगे एवं 70 साल से ऊपर के बुजुर्गों की पहचान भी की जाएगी। इसके साथ ही घर घर जाकर भी उनका आयुष्मान कार्ड बनवाया जाएगा।

वार्ड एवं अंचल कार्यालय के पास लगेगा कैंप :

पटना नगर निगम द्वारा नगर निगम के वार्ड कार्यालय एवं अंचल कार्यालय के पास भी कैंप लगाया जाएगा जिससे आम जनों को सुविधा मिले। 20 नवंबर से 10 दिसंबर तक कैंप का आयोजन किया जाएगा। इससे पूर्व कर्मियों को प्रशिक्षण भी दिया गया। इसके साथ ही कर्मियों को आयुष्मान कार्ड कैसे बनाए, इसके लाभ एवं आमजन को सुविधा के बारे में भी लोगों को जागरूक करने के लिए प्रेरित किया गया। गौरतलब है कि कर्मियों द्वारा आधार पर अंकित जन्मतिथि के अनुसार 70 वर्ष की गणना की जाएगी।

मिशन उन्नयन से नर्सिंग सेवाओं में बढ़ेगी गुणवत्ता : मंगल

- बिहार की नर्सों को उच्च शिक्षा व गुणवत्ता देना विभाग का लक्ष्य

बिहार की नर्सिंग सेवा होगी वर्ल्ड क्लास

पटना, प्रात: किरण संवाददाता

स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के मार्गदर्शन में राज्य सरकार ने मिशन उन्नयन कार्यक्रम की शुरूआत कर नर्सिंग व्यवस्था को और पेशेवर बनाया है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में सात निश्चय पार्ट - 2 के तहत ही नर्सिंग क्षेत्र में गुणवत्ता लाने के लक्ष्य का परिणाम है मिशन उन्नयन कार्यक्रम है। जो हमें विश्वस्तरीय नर्सिंग सेवा बहाल करने के लिए प्रेरित करता है। दरअसल, मिशन उन्नयन के तहत बुधवार को ऊर्जा स्टेडियम सभागार पटना में एक ऐतिहासिक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि आज का यह आयोजन बिहार में नर्सिंग शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा में क्रांति लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। मिशन उन्नयन, ब्रांड बिहार स्थापित करने की बिहार सरकार की महत्वाकांक्षी दृष्टि को दर्शाता है। श्री पांडेय ने कहा कि दुनिया की अधिकतर बड़े देशों में 10 प्रतिशत नर्स दूसरे देशों से आती हैं और उनकी सेवाएं ली जाती हैं। इनमें सभी बड़े देश चाहे वो अमेरिका हो, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया, चीन या अन्य देश हों वहां सबसे ज्यादा डिमांड भारतीय नर्सों की होती है। इसका कारण है हमारी भारतीय नारियां भावुक होती हैं, सम्मान देनेवाली होती हैं और उनमें सेवा-भाव होता है। बिहार के नर्सों को भी उन 10 प्रतिशत नर्सों में शामिल होना चाहिए और ऐसा करने के लिए हमें मेहनत करना होगा और राज्य में चल रहे नर्सिंग कॉलेजों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मानकों के मुताबिक बनाना होगा। राज्य में नर्सिंग सेवा को विकसित करने की जरुरत है। जिसके लिए हम गुजरात के अहमदाबाद स्थित इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ पब्लिक हेल्थ की एक शाखा को भी बिहार में लेकर आ रहे हैं। श्री पांडेय ने विश्व स्तरीय नर्सिंग के लिए ब्रांड बिहार का भव्य शुभारंभ करते हुए मेंटॉर-मेंटी कार्यक्रम के लिए तैयार दिशा-निर्देशों की पुस्तक का भी विमोचन भी किया। साथ ही ई-लाईब्रेरी सुविधा भी शुभारंभ हुई। इस अवसर पर विकास आयुक्त सह स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत ने कहा कि हमें वैसे टॉप नर्सिंग संस्थान जिनके बच्चों का प्लेसमेंट देश के बाहर हो उन संस्थानों को सम्मानित करने की भी जरुरत है। आईजीआईएमएस नर्सिंग कॉलेज और कुर्जी होली फैमिली अस्पताल नर्सिंग कॉलेज सहित राज्य के 12 नर्सिंग संस्थानों को बेहतर नर्सिंग सेवा प्रदान करने के लिए सम्मानित किया गया। इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत, राज्य स्वास्थ्य समिति के कार्यपालक निदेशक सुहर्ष भगत, राज्य स्वास्थ्य सुरक्षा समिति के मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी शशांक शेखर सिन्हा, सचिव संजय सिंह, अपर सचिव डॉ. आदित्य प्रकाश सहित स्वास्थ्य विभाग के कई अन्य पदाधिकारी मौजूद रहें।

सूबे के सभी राजस्व कर्मचारी किये जायेंगे प्रशिक्षित

2 से 31 दिसंबर तक तक चलेगा प्रशिक्षण कार्यक्रम

- 400 राजस्व कर्मचारी किये जाएंगे प्रशिक्षित किये जायेंगे

पटना, प्रात: किरण संवाददाता

राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के सभी राजस्व कर्मचारी प्रशिक्षित किये जाएंगें। विभाग के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार सिंह के निर्देशानुसार विभिन्न जिलों में पदस्थापित राजस्व कर्मचारियों का राज्य स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कराया जा रहा है। दिसंबर माह से शुरू हो रहे इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में सभी अंचलों में पदस्थापित राजस्व कर्मचारियों को बैचवार प्रशिक्षित किया जाना है। प्रत्येक बैच में कुल 50 राजस्व कर्मी होंगे, जिनका दो दिवसीय प्रशिक्षण राजस्व (सर्वे) प्रशिक्षण संस्थान, शास्त्रीनगर, पटना में आयोजित होगा। सर्वे प्रशिक्षण संस्थान, के प्रधानाचार्य दिव्य राज गणेश ने बताया कि बिहार में तकरीबन साढ़े चार हजार राजस्व कर्मचारी हैं, जिन्हें लगभग 84 बैचों में प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस क्रम में प्रत्येक माह में हल्का कर्मचारियों के 8 बैच को बुलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम अगले वर्ष अक्टूबर माह तक चलने की संभावना है। दिसंबर माह में यह प्रशिक्षण 2 तारीख से शुरू होकर 31 तारीख तक चलेगा। इस दौरान 16 दिनों तक कुल 400 राजस्व कर्मचारी प्रशिक्षित किये जायेंगे। संस्थान द्वारा इस संबंध में सारी तैयारियाँ पूरी कर ली गई हैं। राजस्व कर्मियों को प्रशिक्षण के क्रम में राजस्व विधि से संबंधित पुस्तकें भी उपलब्ध कराई जायेंगी, ताकि भविष्य में उन्हें अपने दायित्वों के निष्पादन में कोई परेशानी ना हो। राजस्व कर्मचारियों को दिए जाने वाले प्रशिक्षण में मुख्य रूप से बीटीएक्ट, दाखिल खारिज अधिनियम, जमाबंदी से संबंधित वैधानिक कार्रवाई, दाखिल-खारिज एवं एलपीसी के ऑनलाइन निर्गमन के साथ-साथ भू-बन्दोबस्ती एवं भू-अर्जन से संबंधित राजस्व कर्मचारियों के दायित्वों के बारे में अवगत कराया जाएगा।

जो वादा किया, वह पूरा कर रही है सरकार : उपेंद्र

पटना, प्रात: किरण संवाददाता

राष्ट्रीय लोक मोर्चा के प्रमुख और राज्यसभा सांसद उपेंद्र कुशवाहा ने बुधवार को कहा कि जहां भी मतदान हो रहा है, वहां से अच्छी खबर है। सभी जगहों पर एनडीए की जीत होगी और एनडीए की सरकार बनेगी। उन्होंने पत्रकारों से चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार झारखंड में चुनाव प्रचार के लिए नहीं गए लेकिन उससे कोई फर्क नहीं पड़ने वाला। एनडीए की सरकार बनेगी। कहीं कोई कठिनाई नहीं है। शिक्षा विभाग द्वारा नियुक्ति पत्र वितरण समारोह को लेकर पूछे गए एक प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा, यह अच्छी बात है। सरकार और मुख्यमंत्री ने जो वादा किया है, वह पूरा किया जा रहा है। लोगों को अधिक से अधिक रोजगार और नौकरी देने की दिशा में सरकार मजबूती से काम कर रही है। मुख्यमंत्री का बहुत-बहुत आभार। नियुक्ति पत्र के वितरण पर विपक्ष के सवालों पर सांसद उपेंद्र कुशवाहा ने सवालिया लहजे में कहा, क्या उनको यह पता कि रोड मैप क्या होता है? बोलने के लिए कुछ भी बोलते रहने का कुछ मतलब नहीं है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का अपना विजन है, सरकार का विजन है उस विजन के अनुकूल काम हो रहा है। महाराष्ट्र चुनाव के दौरान कैशकांड में भाजपा के बिहार प्रभारी विनोद तावड़े का नाम उछलने पर उन्होंने कहा कि कुछ लोग सिर्फ आरोप लगाते रहते हैं लेकिन आरोपों से कुछ नहीं होता है। भाजपा के नेताओं ने इसको लेकर अपनी बात कह दी है। जो सच बात थी, वह सामने आ गई है। इसलिए, विपक्ष के कहने से कुछ होने वाला नहीं है। भाजपा के बटेंगे तो कटेंगे वाले बयान पर उपेंद्र कुशवाहा ने साफ तौर पर कहा कि इस तरह की बात से मैं सहमत नहीं हूं। इसमें मेरी सहमति नहीं है।

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा नीतीश सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता : उमेश

- नियोजित शिक्षकों को राज्यकर्मी का दर्जा मिलने से 1.14 लाख घरों में छाई मुस्कान

पटना, प्रात: किरण संवाददाता

जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने बुधवार को कहा कि नियोजित शिक्षकों को सक्षमता परीक्षा के जरिए राज्यकर्मी का दर्जा देकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने प्रदेश के 1.14 लाख से अधिक घरों में खुशियां बिखेरने का काम किया है। साथ ही बिहार के शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने की दिशा में यह कदम निर्णायक साबित होगा। श्री कुशवाहा ने आगे कहा कि बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना नीतीश सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता रही है। वर्ष 2005 में बिहार का शिक्षा बजट करीब 4 करोड़ रुपये था जो वर्तमान में बढ़कर 56 हजार 382 करोड़ रुपये से अधिक का हो गया है। प्रदेश के बजट का तकरीबन 18 फीसदी हिस्सा आज शिक्षा के क्षेत्र में सर्वांगीण विकास के लिए व्यय किया जा रहा है। साथ ही उन्होंने कहा कि राजद के शासनकाल में प्रदेश में शिक्षा की स्थिति बेहद दयनीय और हाशिये पर थी। नीतीश सरकार में हुई नियुक्तियों का झूठा श्रेय लेने के बजाए नेता प्रतिपक्ष को अपने माता-पिता की उपलब्धियां जनता को बताना चाहिए। वर्ष 1990 से 2005 के बीच 15 वर्षों के कार्यकाल में कितने सरकारी शिक्षकों की बहाली हुई थी इसकी चर्चा नेता प्रतिपक्ष कभी नहीं करते हैं। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि नीतीश सरकार द्वारा शिक्षा की बेहतरी हेतु किए गए सुधारात्मक प्रयासों का परिणाम है कि वर्ष 2005 में स्कूलों से बाहर रहने वाले बच्चों का प्रतिशत 12.5 था जो कि अब घटकर 0.5 से नीचे आ गया है। साथ ही वर्ष 2005 में बिहार का महिला साक्षरता दर 33 प्रतिशत से बढ़कर 77 प्रतिशत तक पहुंच चुका है। यह असाधारण परिवर्तन हमारे नेता के दूरदर्शी सोच को दर्शाता है।

महिला सशक्तिकरण के नायक हैं नीतीश कुमार : अंजुम

पटना, प्रात: किरण संवाददाता

जदयू के प्रदेश प्रवक्ता अंजुम आरा ने मीडिया में जारी एक बयान में कहा कि राज्य में महिला सशक्तिकरण के नायक मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का राज्य भर की महिलाओं से सीधा संवाद कार्यक्रम महिलाओं का न सिर्फ सम्मान है, बल्कि महिलाओं के संपूर्ण सशक्तिकरण के उनके संकल्प एवं संवेदनशीलता को स्थापित करता है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने हाशिए पर पड़ी बिहार की करोड़ों बेटियों के सशक्तिकरण के विजन को मिशन के तौर पर लेते हुए अनेकों योजनाओं एवं कार्यक्रमों के माध्यम से उन्हें राजनीतिक, सामाजिक, शैक्षणिक तथा आर्थिक रूप से सशक्त करने का काम किया एवं राज्य में कानून का राज स्थापित किया। उन्होंने कहा कि बिहार की बेटियां राष्ट्रीय पटल पर कीर्तिमान स्थापित कर राज्य का नाम रोशन कर रहीं हैं। उन्होंने साल 2005 में बिहार की सत्ता संभालते ही मुख्यमंत्री ने महिलाओं के सशक्तिकरण को अपनी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल किया है और सत्ता संभालते ही साल 2006 में उन्होंने पंचायती राज व्यवस्था में महिलाओं को 50 फीसदी आरक्षण देने का काम किया साथ ही साल 2007 में उन्होंने नगर निकायों में महिलाओं के लिए 50 फीसदी आरक्षण की व्यवस्था की।

पार्टी प्रदेश प्रवक्ता ने कहा कि ये मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सोच ही थी कि उन्होंने महिलाओं को पुलिस भर्ती में 35 फीसदी आरक्षण देने का काम किया जिसका परिणाम ये हुआ कि आज देशभर में महिला पुलिस बलों की तादाद के मुकाबले बिहार में महिला पुलिस बलों में महिलाओं की तादाद सबसे ज्यादा है। उन्होंने कहा कि महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए उन्होंने जीविका योजना लागू की और आज इस जीविका कार्यक्रम की मदद से पूरे राज्य में 10 लाख 50 हजार स्वयं सहायता समूहों का गठन किया गया है जिसमें जीविका दीदियों की तादाद 1 करोड़ 31 लाख के करीब है। उन्होंने कहा कि स्कूली छात्राओं के लिए लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सरकार की साइकिल योजना, पोशाक योजना, छात्रवृत्ति योजना से आज बडे. पैमाने पर राज्य में लड़कियां शिक्षित हो रही हैं और उनका आत्मविश्वास बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि ये महिलाओं के प्रति मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का सम्मान ही था कि उन्होंने महिलाओं की मांग पर साल 2016 में राज्य में पूर्ण शराबबंदी लागू करने का काम किया, जिसका परिणाम है कि आज राज्य के गांवों में घर-घर में खुशहाली है।

राजद शासनकाल के बारे में किया जा रहा दुष्प्रचार : गगन

राजद प्रवक्ता ने की राजद शासनकाल के बारे में श्वेत पत्र जारी करने की मांग

पटना। राजद प्रवक्ता चित्तरंजन गगन ने राज्य सरकार से राजद शासनकाल और एनडीए शासनकाल में बिहार के शैक्षणिक स्थिति के सम्बन्ध में श्वेत पत्र जारी करने की मांग की है। श्री गगन ने कहा कि सक्षमता परीक्षा पास नियोजित शिक्षकों को नियुक्ति पत्र वितरण हेतु पटना के अधिवेशन भवन में आयोजित कार्यक्रम में राजद शासनकाल के बारे में दुष्प्रचार किया गया है कि उस समय न शिक्षकों की कोई बहाली हुई और न कोई विधालय हीं खोला गया था। जो सरासर झूठ है। इसलिए सरकार में यदि हिम्मत है तो वह इस सम्बन्ध में श्वेत पत्र जारी करे । वरना राजद आंकड़ों के साथ वर्तमान सरकार द्वारा किए जा रहे दुष्प्रचार की पोल खोल देगी। राजद प्रवक्ता ने कहा कि हद तो यह हो गई कि जिन शिक्षकों के सामने झूठ परोसा जा रहा था उनमें अधिकांश वे ही शिक्षक थे जिनकी नियुक्ति 2003 और 2005 के बीच राबड़ी जी के मुख्यमंत्रीत्व काल में शिक्षामित्र के रूप में हुई थी जो बाद में नियोजित शिक्षक कहलाए। राबड़ी जी के मुख्यमंत्रीत्व काल में हीं बड़े पैमाने पर प्राथमिक विद्यालय खोले गए थे और बहुत से प्राथमिक विद्यालयों को मध्य विद्यालय में उत्क्रमित किया गया था जिनके लिए शिक्षकों के पद सृजित नहीं थे उसकी भरपाई के लिए शिक्षा मित्रों की बहाली हुई थी। शिक्षा मित्रों की बहाली हीं नवसृजित प्राथमिक विद्यालयों और उत्क्रमित मध्य विद्यालयों के लिए किया गया था। जबकि आज के कार्यक्रम में दुष्प्रचार किया गया कि राजद शासनकाल में एक भी विधालय नहीं खोला गया था। राजद प्रवक्ता ने कहा कि इससे बड़ा मजाक और क्या हो सकता है कि जिसकी बहाली हीं राजद शासनकाल में हुई है और जिनकी सेवा का शुरूआत हीं राजद शासनकाल में खोले गए विधालयों से हुई है उसी के सामने राजद शासनकाल के बारे में झूठ बोलकर दुष्प्रचार किया जा रहा है।

पूर्व मध्य रेल

ई–निविदा सूचना

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर/सा०/पूर्व मध्य रेल, समस्तीपुर के द्वारा नीचे लिखे हुए कार्य के संपादन हेतु सक्षम, अनुभवी, वैध विद्युत कन्ट्रेक्टर लाईसेन्स, तकनीकी योग्यता एवं वित्तीय क्षमता धारक संवेदक से निम्न कार्य के लिए Website-Online at https://www.bharat-electronictender.com पर ई–निविदा के रूप में खुली ई–निविदा आमन्त्रित किया जाता है। **निविदा खोज कोड (टीएसी): ECRSPJ-2024-TN000005, क्र. सं. (1) क्रेता की निविदा संदर्भ संख्या एवं दिनांक :** ISN-IN01-Rooftop Solar 1.0 MW SPJ-R5 दिनांक-08/11/2024. **(2) कार्य का नाम तथा स्थान :** एसपीजे डिवीजन के लिए विभिन्न स्टेशनों/स्थानों पर 1 मेगावाट रूफटॉप सौर पीवी परियोजनाओं के कार्यान्वयन के लिए एजेंसियों का पैनल तैयार करना। **(3) निविदा की श्रेणी :** ओपेन ई–टेंडर **(4) कार्य का अनुमानित लागत :** 8 करोड़ **(5) निविदा प्रपत्र का मूल्य:** रू. 34,810/– **(6) बयाने /निविदा सुरक्षा की राशि :** रू. 10.68 लाख प्रति मेगावाट **(7) प्रदर्शन सुरक्षा (ईपीजी) :** रू. 16.02 लाख प्रति मेगावाट **(8) प्रस्ताव की वैधता (दिन) :** 60 दिन **(5) निविदा बन्द होने एवं खुलने की तिथि एवं समय :** ई–निविदा बन्द होने की तिथि एवं समय:–03.12.2024 को 15:00 बजे तक। ई–निविदा खोलने की तिथि एवं समय:– 03.12.2024 को 16:00 बजे। **(10) वेबसाईट का विवरण जहाँ से निविदा एवं निविदा प्रपत्र की विस्तृत जानकारी प्राप्त की जा सकती है :** वेबसाईट क से निम्न कार्य के लिए Website- https://www.bharat-electronictender.com, मंडल रेल प्रबंधक (वि०)/ कार्यालय/ समस्तीपुर। **नोट :** उपरोक्त निविदा से संबंधित यदि कोई भी संशोधन/परिवर्तन किया जाता है तो उसकी सूचना समाचार पत्रों में प्रकाशित नहीं किया जाएगा बल्कि वेबसाईट पर अपलोड कर दिया जाएगा।

वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर/सा०,समस्तीपुर
पीआर/1542/एसपीजे/ईजीएन/टी/24-25/48

शिवहर ज़िला हिन्दी साहित्य सम्मेलन का अधिवेशन 23 मार्च को

पटना। शिवहर ज़िला हिन्दी साहित्य सम्मेलन का एक पूर्ण दिवसीय अधिवेशन आगामी 23 मार्च को भव्य रूप में आयोजित होगा, जिसमें तीन सौ से अधिक प्रतिनिधि भाग लेंगे तथा हिन्दी भाषा और साहित्य के उन्नयन पर गहन विमर्श करेंगे। अधिवेशन में विविध साहित्यिक विधाओं पर वैचारिक-सत्र भी आयोजित होंगे तथा एक भव्य कवि-सम्मेलन भी आयोजित होगा, जिसमें स्थानीय काव्य-रसिकों को, बिहार और बिहार के बाहर के कवि एवं कवयित्रियों को भी सुनने का अवसर प्राप्त होगा। इस अवसर पर हिन्दी भाषा और साहित्य के उन्नयन में अपना योगदान देने वाले हिन्दी-सेवियों को विविध उपाधियों से अलंकृत भी किया जाएगा।बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष डा अनिल सुलभ की उपस्थित में, स्थानीय सत्यवती भवन में, शिवहर ज़िला हिन्दी साहित्य सम्मेलन की संपन्न हुई बैठक में यह निर्णय लिया गया। सुप्रसिद्ध समाजसेवी गिरीश नंदन सिंह प्रशांत को आयोजन समिति का अध्यक्ष चुना गया है, जिन्हें पूरी आयोजन समिति तथा अन्य उपसमितियाँ गठित करने हेतु अधिकृत किया गया है। प्रांतीय सम्मेलन के अध्यक्ष डा अनिल सुलभ ने नव-गठित आयोजन समिति को बधाई देते हुए आशा व्यक्त की है कि प्रस्तावित अधिवेशन शिवहर ज़िले के साहित्यिक और सांस्कृतिक उत्थान के लिए एक ऐसी भूमि तैयार करेगा जिस पर मूल्यवान समाज की फसलें उगाई जा सकेंगी। उन्होंने कहा कि साहित्य में ही समस्त समाज का कल्याण का अजस्र स्रोत अवस्थित है, क्योंकि यह जीवन-रस सृजित करता है। इसी से गुणवत्तापूर्ण और मूल्यवान जीवन के लिए आवश्यक गुण और चरित्र प्राप्त होते हैं। मनुष्य को मनुष्य बनाने की शक्ति और सामर्थ्य साहित्य मे ही है। यही पीड़ितजन की आँखों के आँसू पोंछता है और उनमे नव-जीवन का संचार करता है। इस अवसर पर, गिरीश नंदन सिंह प्रशांत, वरिष्ठ साहित्यकार राजेंद्र प्रसाद सिंह, मोहन फतहपुरी, वैद्यनाथ प्रसाद शाहपुरी, सुरेंद्र प्रसाद सिंह, शंकर सिंह पहाड़पुरी, हरिकांत सिंह, संजय गुप्ता, आकाश कुमार आदि उपस्थित थे।

झारखंड में राजद का सूपड़ा होगा साफ : प्रभाकर

पटना। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रभाकर कुमार मिश्र ने कहा कि झारखंड और महाराष्ट्र की जनता ने एनडीए को भरपूर आशीर्वाद देकर दोनों राज्यों में भारी बहुमत से जीत तय कर दी है। इंडी गठबंधन के दावे और वादे फेल हो गये हैं। श्री मिश्र ने बुधवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि झारखंड और महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों के अलावा यूपी समेत अन्य राज्यों में हुए उपचुनावों में इंडी गठबंधन को ऐसी शिकस्त मिलेगी कि चुनाव परिणाम के दिन 23 नवंबर को इंडी के नेता मीडिया से अपना चेहरा छुपाते फिरेंगे। श्री मिश्र ने कहा कि इंडी के लोगों ने चुनाव के दौरान हर तिकड़म अपनाया, तरह-तरह के अनर्गल आरोप लगाये, लेकिन एनडीए के प्रति जनता का विश्वास डिगा नहीं, कायम रहा और दोनों राज्यों में एनडीए प्रत्याशियों की जीत तय कर दी है। शनिवार को एक बार फिर भाजपा कार्यालय में जीत का जश्न मनेगा। श्री मिश्र ने कहा कि दोनों राज्यों में कांग्रेस और उसके सहयोगियों ने सिर्फ बड़े-बड़े वादे किये, लेकिन समझदार जनता ने सारे खोखले वादों को नकार दिया है।

फसल अवशेषों को खेतों में न जलाएं : मंगल

कृषि मंत्री ने किया सोनपुर मेला में कृषि प्रदर्शनी का उद्घाटन

- कृषि मंत्री बोलें- मिट्टी की उर्वरा-शक्ति खत्म हो रही

पटना। कृषि मंत्री कहा कि मंगल पाण्डेय ने बुधवार को विश्व प्रसिद्ध हरिहर क्षेत्र सोनपुर मेला में कृषि प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। इस अवसर पर मंत्री ने किसानों से फसल अवशेषों को खेतों मे न जलाने की अपील की। मंत्री ने कहा कि राज्य के कुछ जिलों में धान की कटनी के समय एक विकट समस्या विकराल रूप ले रहा है। धान के पुआल को खेत में जलाने की समस्या लगातार बढ़ रहा है। पुआल के जलाने से एक तरफ वातावरण प्रदूषित हो रहा है, तो दूसरी तरफ मिट्टी की उर्वरा-शक्ति खत्म हो रही है। यह चिन्ता की बात है। मंत्री ने कहा कि रबी फसलों के उत्पादन एवं उत्पादकता बढ़ाने के लिए रबी अभियान चलाया जा रहा है। इसकी सफलता के लिए जरूरी है कि किसानों को समय पर बीज मिले और जो बीज दिया जा रहा है, वह उच्च गुणवत्ता की है। यह दोनों ही दायित्व कृषि विभाग के पदाधिकारियों की है। बिहार में गेहूँ बीज उत्पादन योजना के अन्तर्गत 03 लाख क्विंटल गेहूँ बीज उत्पादन का लक्ष्य रखा गया है। किसानों को प्रमाणित बीज उपलब्ध कराने के लिए वर्ष 2024-25 में राज्य के चिह्नित 21 जिलों में गेहूँ बीज उत्पादन योजना का क्रियान्वयन किया जा रहा है। बिहार राज्य बीज निगम के द्वारा बीज आपूर्ति की सभी व्यवस्था पूरी की गयी है।

खाद की समस्या को दूर किया जाएगा :

किसानों को खाद सही समय पर मिले तथा सही दाम पर मिले यह शत-प्रतिशत सुनिश्चित किया जायेगा। राज्य में खाद की आपूर्ति से लेकर डीलर के दुकान में उर्वरक की उपलब्धता के प्रत्येक बिन्दु पर नियमित समीक्षा किया जा रहा है। सीमावर्ती जिला में उर्वरक के परिचालन पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। मंत्री ने कहा कि शीघ्र ही खाद की कमी की समस्या को दूर की जायेगी। खाद सही दाम पर मिले, यह व्यक्तिगत रूप से प्रत्येक कृषि समन्वयक की जबावदेही होगी। इसके बाद भी अनियमितता की स्थिति में उन पर कठोर कार्रवाई की जायेगी।

75 प्रकार के कृषि यंत्रों पर अनुदान:

कृषि मंत्री ने कहा कि इस वर्ष कृषि यांत्रिकरण योजना के अंतर्गत 75 प्रकार के कृषि यंत्रों पर अनुदान दिया जा रहा है। सभी जिलों में यांत्रिकरण मेला का भी आयोजन किया जा रहा है। अन्य विकल्पों के साथ भी किसान मेला में कृषि यंत्र क्रय करने का विकल्प किसानों को दिया जा रहा है। साथ ही, किसानों को मेला में कृषि यंत्र से संबंधित प्रशिक्षण भी दिया जायेगा।

लॉटरी प्रणाली से किसानों को उपलब्ध कराया जा रहा कृषि यंत्र :

मंत्री ने कहा कि कृषि यांत्रिकरण योजना में पहले आओ, पहले पाओ प्रणाली की त्रुटियों को दूर करने के लिए इस वर्ष योजना में लॉटरी प्रणाली के माध्यम से किसानों को कृषि यंत्र उपलब्ध कराया जा रहा है। बिहार के किसान खुशहाल हों, किसानों की आमदनी बढ़े, ग्रामीण युवाओं में कृषि के प्रति आकर्षण हो, कृषि सम्मान का पेशा बने, इसके लिए पूरा कृषि परिवार एक साथ काम करेगा।

कृषक हितकारी हमारी योजनाएँ (कृषक हस्तक) का विमोचन :

मंत्री ने कृषि विभाग द्वारा प्रकाशित कृषक हितकारी हमारी योजनाएँ (कृषक हस्तक) का विमोचन किया। कार्यक्रम में स्थानीय विधायक रामानुज प्रसाद, एमएलसी सच्चिदानंद राय, कृषि विभाग के सचिव संजय कुमार अग्रवाल, विशेष सचिव ी वीरेन्द्र प्रसाद यादव, प्रबंध निदेशक, बीआर बी एन डॉ आलोक रंजन घोष, कृषि निदेशक नितिन कुमार सिंह, निदेशक उद्यान अभिषेक कुमार सहित कृषि विभाग के पदाधिकारीगण एवं किसानगण उपस्थित थे।

नियोजित शिक्षकों के सम्मान के साथ मजाक : अरुण

पटना। राजद के प्रवक्ता अरुण कुमार यादव ने कहा कि सक्षमता उत्तीर्ण नियोजित शिक्षकों को सेवा निरंतरता के लाभ से वंचित करने के उद्देश्य से सरकार ने नियुक्ति पत्र सौंपने का काम किया है, जोकि वर्षों से कार्यरत नियोजित शिक्षकों के सम्मान के साथ क्रूर मजाक है। राजद प्रवक्ता ने कहा राज्य सरकार को नियुक्ति पत्र बांटने के दौरान स्पष्ट बताना चाहिए सक्षमता पास नियोजित शिक्षकों को सेवा निरंतरता, प्रोन्नति और पूर्ण वेतनमान का लाभ मिलेगा या नहीं। राजद प्रवक्ता ने कहा कि सरकार को बताना चाहिए नीति आयोग की रिपोर्ट के अनुसार शिक्षा व्यवस्था के मामलों में बिहार फिसड्डी राज्यों की श्रेणी में क्यों? गुणवत्तापूर्ण शिक्षा में बिहार निचले स्तर पर क्यों? राज्य के 82.99 प्रतिशत बच्चे उच्च शिक्षा हासिल क्यों नहीं कर पाते हैं? राज्य के 20.55 प्रतिशत बच्चे 10वीं के बाद पढ़ाई क्यों छोड़ देते हैं? राज्य के 64 प्रतिशत बच्चे सेकेंडरी की पढ़ाई पूरी क्यों नहीं कर पाते हैं ? राज्य के 81.1 प्रतिशत स्कूलों में कंप्यूटर की व्यवस्था क्यों नहीं है? बिहार में 55 छात्रों पर एक शिक्षक है, जबकि राष्ट्रीय औसत 18 बच्चों पर एक शिक्षक है। बिहार में साक्षरता दर 67.3 प्रतिशत ही क्यों है? इसके लिए जिम्मेदार कौन? राजद प्रवक्ता ने कहा कि महागठबंधन की 17 माह का कार्यकाल को छोड़ दें तो, उसके पहले एनडीए की सरकार ने नियमित शिक्षकों की नियुक्ति क्यों नहीं किया।

चार लाख से अधिक नियोजित शिक्षकों को राज्यकर्मी का दर्जा क्यों नहीं दिया, जबकि नियोजित शिक्षक लगातार राज्यकर्मी की मांग को लेकर आंदोलनरत थे। बीपीएससी के माध्यम से शिक्षकों की नियुक्ति और नियोजित शिक्षकों को राज्यकर्मी का दर्जा तेजस्वी यादव के 17 माह के सेवाकाल में ही संभव क्यों हुआ।

बिहार सरकार

भवन निर्माण विभाग

कार्यपालक अभियंता, केन्द्रीय भवन प्रमण्डल, पटना का कार्यालय

अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना, संख्या–34 वर्ष 2024–25

1. विज्ञापनदाता का पदनाम एवं पता : कार्यपालक अभियंता, केन्द्रीय भवन प्रमण्डल, पटना।
2. परिमाण–विपत्र बिक्री की तिथि एवं समय : दिनांक 30.11..2024 को 12:00 बजे अपराह्न तक।
3. निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय : दिनांक 02.12..2024 को 03:00 बजे अपराह्न तक।
4. निविदा खोलने की तिथि एवं समय : दिनांक 02.12..2024 को 03:30 बजे अपराह्न।
5. परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान : (क) अंचल कार्यालय, दक्षिण बिहार अंचल, पटना।
   (ख) प्रमंडल कार्यालय, केन्द्रीय भवन प्रमंडल, पटना।
   (ग) संबंधित अवर प्रमंडल कार्यालय।
6. निविदा प्राप्ति का स्थान : क्रमांक (5) के वर्णित स्थान (क) एवं (ख) पर।
7. कार्य का विवरणी :–

क्र०	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (लाख रू० में)	अग्रधन की राशि (रू० में)	परिमाण विपत्र का मू० (रू० में) (अप्रत्यर्पणीय)	कार्य समाप्ति की अवधि
1.	Renovation of Main Building, Bathroom Tiles and Water Proofing in Residence No.- 07 at Harding Road, Patna for the year 24-25.	11.32	22,700=00	2,500=00	01 माह
2.	Renovation of Outer Surface of Main Building at B.P.S.C. , Patna for the year 2024-25.	14.85	29,700=00	2,500=00	01 माह
3.	Renovation of A.P.P. of Main Building at B.P.S.C. , Patna for the year 2024-25.	14.03	28,100=00	2,500=00	01 माह
4.	Renovation of Campus Development Work Near Strong Room in the Campus of B.P.S.C. , Patna for the year 2024-25.	14.36	28,800=00	2,500=00	01 माह
5.	Renovation of Lift (North and South) of Education & Panchayti Raj Department at Vikash Bhawan, Patna for the year 2024-25.	13.37	26,800=00	2,500=00	01 माह
6.	Controlled Diamond Cutting and Handling by HILTI Diamond Wire Saw Cutting Method to be adopted for Cutting the Lift Area in Education and Panchayti Raj Department at Vikash Bhawan, Patna for the year 2024-25.	10.16	20,400=00	2,500=00	01 माह
7.	S/R to Anti Termite Works under Vikash Bhawan, Patna for the year 2024-25.	2.00	4,000=00	500=00	01 माह
8.	Repair of Clay Court at Tennis Court, Patna for the year 2024-25.	14.00	28,000=00	2,500=00	01 माह

विस्तृत जानकारी **www.state.bihar.gov.in/prdbihar** से प्राप्त की जा सकती है।

PR. No. 12897 (BCD) 2024-25

कार्यपालक अभियंता,
केन्द्रीय भवन प्रमण्डल, पटना

नशे से बचने का है एक ही उपचार, दृढ़ संकल्प और परिवार से प्यार।

संक्षिप्त खबरें

मारपीट के मामले में पांच जख्मी

कल्याणपुर, थाना क्षेत्र समस्तीपुर दरभंगा मुख्य पथ के परतापुर के समीप ऑटो और ट्रैक्टर की टक्कर में टक्कर हो गया।ऑटो पर सवार एक युवक गंभीर रूप से जख्मी हो गया। जख्मी युवक की पहचान चकमेहसी गांव के चकूरी पासवान के 18 वर्षीय पुत्र अरब कुमार के रूप में हुई है।जिसे सदर अस्पताल समस्तीपुर रेफर कर दिया गया है। वहीं दूसरी ओर विभिन्न जगहों पर हुई मारपीट की घटना में चार लोग गंभीर रूप जख्मी हो गए। जिसमें सोमनहा मठ के अमित कुमार, धुवगामा गांव के सुधीर साह के 30 वर्षीय पत्नी पूनम देवी और कृष्ण देव महतो के पुत्र मनोज कुमार एवं फुलहरा गांव के स्वर्गीय प्रेम सागर ठाकुर के 75 वर्षीय पुत्र तीरथ ठाकुर जख्मी है। वहीं सभी जख्मी का उपचार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कल्याणपुर में किया गया। वहीं प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ बीके ठाकुर ने बताया कि जख्मी सुधार होने की बात कही। अपर थाना अध्यक्ष दीपक कुमार झा ने बताया कि जख्मी के परिजन द्वारा आवेदन मिलने पर आगे कार्रवाई किया जाएगा।

यूनिसेफ की टीम ने किया पीएचसी का निरीक्षण

मनीगाछी(दरभंगा)। यूनीसेफ की राज्य टीम ने बुधवार को पीएचसी का निरीक्षण किया गया। टीम में शामिल स्टेट प्रोग्राम मैनेजर निर्भय मिश्रा, एसएमसी ओंकार चंद एवं मोहम्मद शहाबुद्दीन ने पीएचसी के ओपीडी, एक्स-रे, लेबर रूम ,लैब ,ओटी ,बंध्याकरण आदि कार्य का बारी बारी से निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान वहां आए मरीजों से यहां मिल रही स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉक्टर सुप्रिया नारायण, डॉ रेजा आलम डॉ अम्बष्ट, स्वास्थ्य प्रबंधक विजय कुमार, बीसीएम नीरज कुमार ,बीएमसी यूनिसेफ मो मुजाहिद, एएनएम अनुराधा कुमारी, सुधा कुमारी मौजूद थी। पी एच सी के निरीक्षण के उपरांत यूनीसेफ की टीम राजे गांव में चल रहे पल्स पोलियो अभियान को जाकर देखा तथा पल्स पोलियो अभियान में लगे लोगों के कार्यों की सराहना की।

जल नल योजना से संबंधित डीडीसी कार्यालय में मंगलवार को बैठक हुई

हवेली खड़गपुर (मुंगेर)। डीडीसी कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार गत मंगलवार को डीडीसी मुंगेर अजीत कुमार सिंह की अध्यक्षता में लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग मुंगेर से संचालित हर घर नल जल ग्रामीण योजना की समीक्षा बैठक की गई बैठक में लोग स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग मुंगेर के कार्यपालक अभियंता अभिरंजन ने बताया कि वर्तमान में जिले में जनरल योजना से छूटे हुए बस बटन के लिए कुल 375 योजना ली गई हैं जिसमें 133 योजनाओं में कार्य प्रारंभ किया गया है शेष बचे 242 में से 240 योजनाओं में निविदा की प्रक्रिया पूर्ण कर ली गई है डीसी ने नल जल योजना में ओ क्रियाशील के संबंध में विस्तृत चर्चा की जिसमें पाया गया कि जिले में वर्तमान में 44 योजनाएं और क्रियाशील है डीडीसी ने कार्यपालक अभियंता लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग मुंगेर को निर्देश दिया कि जल्द से जल्द इन सभी और क्रियाशील योजनाओं को क्रियाशील करते हुए इसकी सूचना उपलब्ध कराएं। बैठक में विभाग के द्वारा पेयजल से संबंधित किसी भी प्रकार की समस्या का शिकायत लेकर आम जनों के लिए हेल्पलाइन नंबर भी निर्गत किया गया है जिसका निवारण 24 से 48 घंटे के अंदर किया जाएगा सभी ग्रामीणों से डीडीसी ने अनुरोध किया है की शिकायत हेल्पलाइन नंबर पर करें।

आयुष्मान कार्ड योजना समेत अन्य योजनाओं को लेकर विशेष बैठक आयोजित

शहर को जाम से निजात को लेकर बहुत जल्द ट्रैफिक पुलिस बल की तनैती की जाएगी

प्रात :किरणसंवाददाता

मधुबनी जयनगर स्थित सामुदायिक प्रशिक्षण भवन के सभा कक्ष में बीडीओ राजीव रंजन की अध्यक्षता में पीएम आयुष्मान कार्ड योजना को लेकर एक विशेष बैठक आयोजित हुई। बैठक में डा. रवि भूषण सर प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी विपिन अंशु प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी रंजीत कुमार प्रखंड परियोजना प्रबंधक जीविका अंचलाधिकारी प्रभाष कुमार प्रखंड स्वास्थ्य प्रबंधक राधा कुमारी महिला पर्यवेक्षिक संध्या कुमारी प्रखंड सामुदायिक उत्प्रेरक नीलम पांडे महिला पर्यवेक्षिका पिंकी कुमारी महिला पर्यवेक्षिका पुष्पा भारती महिला पर्यवेक्षिका समेत पंचायत और नगर पंचायत जयनगर के डीलर वसुधा केन्द्र संचालक वीएलई एवं विकास मित्रो ने भाग लिया। बैठक की अध्यक्षता करते हुए प्रखंड विकास पदाधिकारी राजीव रंजन कुमार ने कहा की पूर्व की भाति आयुष्मान कार्ड का कार्य दिनाक 20 तारीख से अगले माह के 10 तारीख तक होना है। जिसमे बचे हुए लाभुक को इसका लाभ दिलवाना है। जिनकी उम्र 60 से ज्यादा है यानी की 60,65,70 ऐसे लोगो को चिन्हित कर इनका लाभ दिलवाना है। पूर्व की भाति जहा जहा कार्ड बन रहा था वही पे बनेगे मुखिया जनप्रतिनिधियो को निर्देश दिया गया है की आपके क्षेत्र में आप की भी जिम्मेदारी बनती है की सभी को जागरुक कर बचे हुए लाभुक का आयुष्मान कार्ड बनवाने में अपनी अहम भूमिका निभाये। वसुधा केंद्र वाले अगर कार्ड नही बनाते है तो उन पर जांच कर कार्रवाई की जाएगी उनका लाइसेंस भी रद्द किया जा सकता है। बैठक में योजना को लेकर कई आवश्यक दिशा निर्देश दिए गये।

वही दूसरी बैठक बीडीओ की अध्यक्षता में योजनाओ को लेकर आयोजित की गई। जिला बाल संरक्षण इकाई मधुबनी महिला बाल विकास निगम यूनिसेफ प्रथम संस्था व मिथिला कला विकास समिति के द्वारा प्रखंड स्तरीय बाल संरक्षण समिति का गठन बैठक के माध्यम से किया गया। जयनगर प्रखंड में यूनिसेफ के सहयोगी संस्था प्रथम संस्था के सहयोग से प्रखंड स्तरीय बाल संरक्षण समिति का भी गठन किया गया। बैठक में प्रथम संस्था के प्रखंड समन्वयक राजीव रंजन ने समिति के गठन के उद्देश्यो पर चर्चा करते हुए बालश्रम बालविवाह बाल तस्करी, शिक्षा, परवरिश योजना टीकाकरण सामाजिक सुरक्षा योजना यौन शोषण से सुरक्षा कौशल प्रशिक्षण चाइल्ड लाइन बच्चों के नामांकन आदि पर प्रकाश डाला ।मौके पर श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी अश्विनी राज ने श्रम पंजीकरण बालश्रम कानून पर प्रकाश डाला विभाग से मिलने वाली सुविधाओं निर्देश गाईड लाईन की विस्तृत जानकारी दी। जीविका के प्रखंड परियोजना प्रबंधक रंजीत कुमार ने जीविका द्वारा हो रहे सभी कार्यो पर प्रकाश डाला एवं सहयोग करने की बात कही। मिथिला कला विकास समिति के प्रतिनिधि मनोज कुमार झा द्वारा बालश्रम, बाल विवाह, मानव तस्करी को खत्म करने के लिए प्रकाश डाला । प्रखंड विकास पदाधिकारी राजीव रंजन कुमार द्वारा समिति के नियमित बैठक करने एवं पंचायत, वार्ड स्तर तक समिति का गठन जल्द करके सभी सदस्य अपने दायित्व का पालन करने का भी निर्देश दिया। समिति से हर बच्चे को उनका अधिकार सुरक्षित होगा और हर बच्चों को उनका अधिकार मिलेगा समेत कई आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी, चिकित्सा पदाधिकारी, कल्याण पदाधिकारी,पंचयाती राज पदाधिकारी, पंचायत समिति, मुखिया, विकास मित्र, प्रथम संस्था के समन्वयक, मिथिला कला विकास समिति के समन्वयक सदस्यों व कर्मियों ने भाग लिया।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का कार्यक्रम होगा ऐतिहासिक : सांसद

प्रात :किरणसंवाददाता

दरभंगा।देश के वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण आजादी के बाद दरभंगा आनेवाली पहली वित्त मंत्री होंगी जो इतने बड़े पैमाने पर मिथिला क्षेत्र में युवाओं और उद्यमियों के बीच ऋण वितरण कर रोजगार मुहैय्या करने के लिए सार्थक पहल करेंगी। 30 नवंबर को मिथिला की धरती पर वित्त मंत्री का ऐतिहासिक स्वागत और कार्यक्रम की सफलता एक लंबी लकीर खींचेगी। दरभंगा के सांसद सह लोकसभा में भाजपा के सचेतक डा गोपाल जी ठाकुर ने आज दरभंगा परिसदन में में जिला के लीड बैंक प्रबंधक, नाबार्ड के बैंक प्रबंधक तथा जिला भर के अन्य बैंक अधिकारियों के साथ तैयारियों की समीक्षात्मक बैठक के बाद उपरोक्त बातें कही। सांसद डा ठाकुर ने बैंक अधिकारियों से की जा रही तैयारियों की क्रमवार जानकारी लेते हुए विभिन्न मुद्दों पर अपना सुझाव और निर्देश देते हुए कहा कि बीस हजार से उपर उद्यमियों को एक साथ रोजगार के लिए ऋण उपलब्ध कराया जाना केंद्र सरकार की एक सराहनीय पहल है जोअपने आप में एक उदाहरण बनेगा।सांसद डा ठाकुर ने बैंक अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि कौशल युवा कार्यक्रम के तहत उद्यमिता विकास, कृषि आधारित ऋण पीएमआरएएफ कमर्शियल ऋण कृषि उत्पाद संगठन डेयरी विकास, मुर्गी पालन ऋण आदि के लिए सरकारी प्रावधानों में व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाकर सुगमता से ऋण उपलब्ध कराए तथा किसान क्रेडिट कार्ड में एक लाख रुपए के ऋण के लिए किसी तरह की गारंटी सहित अन्य प्रावधानों में व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाए।सांसद डा ठाकुर ने बैंक अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि भारत सरकार की इस महत्वाकांक्षी कार्यक्रम को हर दृष्टि से सफल बनाए ताकि वित्त मंत्री के जेहन में मिथिला क्षेत्र सदैव चर्चा का विषय बना रहे।बैठक में जिला बैंक लीड प्रबंधक रेणु सिंहा, नाबार्ड बैंक प्रबंधक राजनंदिनी, बैंक ऑफ बड़ौदा के जिला समन्वयक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के आरएम, पीएनबी, केनरा बैंक, इंडियन बैंक सहित बैंकिंग सेक्टर के सभी अधिकारी उपस्थित थे

गलत जमाबंदी कायम कर रसीद निर्गत करने के आरोप में सीओ सहित तीन को नोटिस जारी

प्रात :किरणसंवाददाता

बेनीपुर(दरभंगा)। बेनीपुर के अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी संगीता रानी की कोर्ट ने 44 बर्ष पूर्व बिक्रय भुमि का गलत कागजात तैयार कर सही करार देते हुए जमाबंदी कायम कर माल गुजारी रसीद निर्गत करने के अभियोग में संस्थित एक आपराधिक मामले में बेनीपुर के सीओ अश्वनी कुमार, आर ओ अश्वनी कुमार राय और डखराम के राजस्व कर्मचारी सुधीर कुमार को नोटिस जारी किया है।कोर्ट ने इससे संबंधित मामले की अभियोग पत्र सं.242/24 में वर्णित आरोप विवरणी के साथ संलग्न सभी कागजातों की प्रति जिलाधिकारी दरभंगा को भेजते हुए आगामी 4 दिसंबर तक प्रतिवेदन भेजने का नोटिस भेजा है।मुकदमें के परिवादी हावीडीह के वृज बिहारी राय ने अदालत में 12 नवंबर 24 को आपराधिक मुकदमां संस्थित कराया है।जिसकी सुनवाई 13 नवंबर को हुई।परिवादी का कहना है कि उनके पिता स्व. सीताराम राय ने अपने जीवनकाल में 2 बिगहा 6 कठ्ठा जमीन निबंधित तीन केवाला के द्वारा वर्ष 1980 और 1981 में खरीद की थी।उक्त भुमि पर शांतिपूर्ण दखल कब्जा में आकर खेती करते रहे।उनके मृत्यु पश्चात परिवादी, उनके भाई और मां ने आवश्यकतानुसार, समय समय पर सज्जनपुरा गांव के करीब आधा दर्जन लोगों के नाम 32 कठ्ठा जमीन बिक्री कर दिये।सभी खरीददार उक्त भुमि पर शांतिपूर्ण दखल कब्जा में हैं तथा शेष बचे 14 कठ्ठा भूमि पर पीड़ित परिवादी शांतिपूर्ण दखल कब्जा में हैं। सज्जनपुरा के बौआ कांत पासवान, सुनीता देवी, त्रिफला देवी, गीता देवी, जीबछी देवी आदि खरीददारों ने उक्त भुमि पर घर बनाकर रह रहे हैं।इसी बीच 44 वर्ष पूर्व भुमि बिक्रय करने वाले राम युगल सिंह और सोनझारी देवी के पौत्रों ने कर्मचारी, आर ओ और सीओ बेनीपुर के कार्यालय में जाली कागजात तैयार करवाकर गलत दखल कब्जा दिखाकर अपने नाम से जमाबंदी कायम कराकर मालगुजारी रसीद प्राप्त कर लिया है।इसी बात को लेकर कोर्ट में अभियोगपत्र सं.242/24 संस्थित कराया है जिसमें कोर्ट ने नोटिस जारी किया है।

जनजातीय गौरव पखवाड़ा पर पारंपरिक भेषभूषा में बच्चों ने किया नुक्कड़ नाटक

प्रात :किरणसंवाददाता

कुशेश्वरस्थान(दरभंगा)। प्रखंड के उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय केवटगामा में बुधवार को जनजातीय गौरव पखवाड़ा के अवसर पर बच्चों ने जनजातीय लोगों के पारंपरिक भेषभूषा, लोकनृत्य , आहार व्यवहार को नुक्कड़ नाटक के माध्यम से प्रस्तुत किया। इस दौरान कार्यक्रम को संचालित करते हुए विज्ञान शिक्षक जितेन्द्र कुमार ने कहा कि भारत सरकार के निर्देश पर 15 से 26 नवम्बर तक चलने वाला यह पखवाड़ा जहां बच्चों को जनजातीय समाज के गौरव, स्वतंत्रता संग्राम में योगदान, जनजातीय संस्कृति के बारे में लोगों के बीच जागरूकता पैदा करेगा वहीं उनके मान सम्मान और महत्ता को बढ़ावा देने मददगार साबित होगा। इसी दौरान शिक्षक लखींद्र राम ने कहा की नई पीढ़ी के बच्चों को अपने पुरखे जनजातीय समाज के योगदान और बलिदान को याद करने की जरूरत है। उनलोगों ने समस्याओं के सामने हार ना मानकर अंग्रेजों और जमींदारों के गलत नीतियों का जमकर विरोध किया। शिक्षक धनंजय कुमार ने कहा कि जनजातीय समाज बहुत सरल और सहज है। उनकी संस्कृति प्रकृति आधारित है। विद्यालय का छात्र विकास , कृष्णा, संदीप, रविन्द्र, कन्हैया, प्रिंस, गोपाल, रजनीश, संस्कृत ने जनजाति समाज के लोगों का रूप धारण कर नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया। बच्चों ने हाथ में पारंपरिक तीर कमान, कमर में घास फूस का झालर, गले में जंगली फूलों की माला और स्वभाव से सरल, सहज और बिल्कुल निडर जनजातीय समाज की संस्कृति को नाटक से दिखाया। इस अवसर पर उनलोगों ने लोकनृत्य भी किया। सभी बच्चों ने भी झूमकर इसका आनंद लिया और जनजातीय समाज के जीवंत रूप को विद्यालय में देखकर बहुत खुश नजर आ रहे थे। मौके पर एचएम शंभू सदा ने सभी बच्चों को शुभकामना देते हुए कहा कि भगवान बिरसा मुंडा और अन्य जनजातीय लोगों का जीवन आज भी हमलोगों के लिए प्रेरणास्त्रोत है। मौके पर शिक्षक रामाकांत राय, दुगानंद झा,संतोष भगत, डॉ दीपक झा, मनीष, गंगा, सुनील, पूजा समेत सभी शिक्षक और छात्र मौजूद थे।

सरकारी खजाने पर पहला अधिकार है आपदा पीड़ितों का : प्रो. विनय चौधरी

प्रात :किरणसंवाददाता

बेनीपुर(दरभंगा)।विधायक प्रो विनय कुमार चौधरी ने कहा कि बिहार के लोकप्रिय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का स्पष्ट मानना है कि सरकारी खजाने पर पहला अधिकार आपदा पीड़ितों का है । बुधवार को बेनीपुर कपूरी सभा भवन में बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा आयोजित अग्निकांड गृहक्षति अनुग्रह अनुदान वितरण शिविर को संबोधित कर रहे थे । इस दौरान उन्होंने कूल 42 लाभार्थियों को गृहक्षति के मद में 8000 रुपए का चेक प्रदान किया। साथ ही बकरी एवं दो भैंस का मृत्यु अग्निकांड में होने के कारण दो भैंस का प्रत्येक75000 एवं चार बकरी का प्रत्येक 4000 की दर से अनुदान राशि का वितरण किया गया। ज्ञात हो कि वर्तमान वर्ष में हुए प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न गांव में अग्नि से प्रभावित परिवारों को तत्काल राशन कपड़ा एवं बर्तन के मद में 11200 का भुगतान किया जा चुका है। शेष आर्थिक अनुदान बिहार सरकार के राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा प्रावधान के अनुसार विधायक विनय कुमार चौधरी ने आज कपूरी सभा भवन में शिविर लगाकर अपने हाथों वितरित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में न्याय के साथ विकास हो रहा है । जिसमें सभी जाति,धर्म,वर्ग एवं समुदाय के लोगों की भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है जिसमें कोई भेदभाव नहीं बढ़ती जा रही है राहत राशि वितरण के दौरान उन्होंने आम लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि यह राशि सरकार द्वारा आपको सहायता की गई है इसमें किसी का कोई योगदान नहीं है। इसलिए आप एक पैसे का भी किसी को रिश्वत या सुविधा के नाम पर नहीं दे इसमें कोई बिचौलिया यदि हस्तक्षेप करें तो इसकी जानकारी अंचल अधिकारी एवं मुझे दें। इस दौरान पीड़ित जन समूह ने विधायक श्री चौधरी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए नीतिश सरकार की भूरि भूरि प्रशंसा की। इस अवसर परअंचल अधिकारीअश्विनी कुमार, अंचल निरीक्षक अश्विनी कुमार राय, नाजीर श्याम मिश्र ,बैजू यादव,पूर्व उप प्रमुख प्रेम कुमार झा, पप्पू सिंह ,अमित झा सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

मतदानकर्मियों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण प्रारंभ

प्रात :किरणसंवाददाता

मुजफ्फरपुर।बिहार विधान परिषद के तिरहुत स्नातक उपचुनाव के सफल एवं सुचारु संचालन हेतु कर्मियों का आज से एमआईटी मुजफ्फरपुर में प्रशिक्षण कार्य का शुभारंभ किया गया। कर्मियों का प्रशिक्षण 20 नवंबर 23 नवंबर एवं 4 दिसंबर को 3 दिनों का एमआईटी प्रशासनिक भवन के ऑडियो वीडियो हाल में शुरू हुआ। प्रशिक्षण कोषांग के वरीय पदाधिकारी सह अपर समाहर्ता आपदा मनोज कुमार ,उप निर्वाचन पदाधिकारी सत्यप्रिय कुमार तथा अवर निर्वाचन पदाधिकारी सृष्टि प्रिया द्वारा कर्मियों को प्रशिक्षण दिया गया। जिलाधिकारी ने प्रशिक्षण कोषांग के नोडल पदाधिकारी को निर्वाचन आयोग द्वारा प्रदत्त दिशा निर्देश एवं मानदंड के अनुरूप कर्मियों को मतदान की संपूर्ण प्रक्रिया से अवगत कराने का निर्देश दिया है। विदित हो कि मुजफ्फरपुर जिला अंतर्गत 41 मूल मतदान केंद्र, 45 सहायक मतदान केंद्र हैं अर्थात कुल 86 मतदान केंद्र हैं। इसके लिए पीठासीन पदाधिकारी 95 पी वन 95 पी टू , तथा पी थ्री 95 कर्मी रहेगे। इसके अतिरिक्त माइक्रो ऑब्जर्वर भी कार्यरत रहेंगे। मतपत्र के माध्यम से वोटिंग कराए जाएंगे। इसके लिए सहायक निवार्ची पदाधिकारी सह जिलाधिकारी ने आयोग के मानक के अनुरूप मतपेटिका की समुचित तैयारी रखने तथा कर्मियों को सभी तकनीकी एवं व्यावहारिक जानकारी देने को कहा है। वोटिंग 1, 2, 3, 4 आदि के रूप में क्रमानुसार करना है।मतों की गिनती एमआईटी में की जाएंगी। इसके लिए आयोग के दिशा निर्देश एवं मानक के अनुरूप सभी आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु निवार्ची पदाधिकारी सह आयुक्त एवं सहायक निवार्ची पदाधिकारी सह जिलाधिकारी मुजफ्फरपुर द्वारा अधिकारियों की टीम के साथ एमआईटी का स्थलीय भ्रमण कर सभी आवश्यक तैयारी का निरीक्षण किया गया है।

नौ दिवसीय मां श्याम नामधुन नवाह संकीर्तन महायज्ञ दूसरे दिन जारी

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा।दरभंगा के प्रसिद्ध धार्मिक केन्द्र मां श्यामा माय मंदिर परिसर में नौ दिवसीय मां श्यामा माय नामधुन संकीर्तन महायज्ञ आज दूसरे दिन जारी रहा। संकीर्तन मंडली में महेश यादव, बोधनाथ सिंह, रामकुमार यादव, अनुपमा मिश्र, विभा झा, डॉ ममता ठाकुर, डॉ सुषमा झा तथा मनोज मिश्र, पप्पू चौधरी, विपिन कुमार, मनोज कुमार झा, रामू जी तथा काशीनाथ झा के नाम शामिल हैं। वहीं वाद्य यंत्र पर संगत कलाकार के रूप में कीबोर्ड पर राम बहादुर एवं पारस पंकज झा, तबला पर कौशिक कुमार मल्लिक एवं चन्द्रमणि झा, ढोलक पर मुरारी मिश्रा एवं वीरेन्द्र मुखिया तथा ऑक्टोपैड पर बिन्दु जी तथा अमरजीत जी के नाम शामिल हैं। समय बिताने के साथ ही नवाह संकीर्तन के प्रति मिथिलावासियों में उत्साह बढ़ता जा रहा है। आयोजन समिति के सदस्य अपने-अपने दायित्व के निर्वहन में संलग्न हैं। वहीं एनएसएस स्वयंसेवक भी श्रद्धालुओं को व्यवस्थित दर्शन कराने एवं संकीर्तन में सहभागिता हेतु सक्रिय सहयोग दे रहे हैं। संपादित कार्यों की समीक्षा तथा आगे की योजनाओं पर आयोजन समिति के द्वारा नियमित रूप से विचार-विमर्श किया जा रहा है। न्यास समिति की ओर से नियमित गार्डों के अतिरिक्त एक दर्जन गार्डों की अतिरिक्त व्यवस्था की गई है। वहीं परिसर में 36 अतिरिक्त सीसीटीवी कैमरा भी लगाया गया है। पार्किंग की व्यवस्था विश्वविद्यालय थाना के मुख्य द्वार के अंदर पूर्वी-दक्षिणी भाग में की गई है।

जिले में निजी अस्पतालों को कराना ही होगा निबंधन और करना होगा मानकों का पालन

सख्ती के साथ नियमों का पालन कराने को लेकर सभी अनुमंडलों में किया गया टीम का गठन

समस्तीपुर, प्रात : किरण संवाददाता

मरीज अवैध और वैध अस्पतालों की आसानी से पहचान कर सकें, इसके लिए बोर्ड पर पंजीकरण नंबर लिखना अनिवार्य कर दिया है। स्वास्थ्य विभाग की तरफ से निजी नर्सिंग होम व अस्पताल संचालकों को बोर्ड पर ही पंजीकरण नंबर व डॉक्टर का नाम लिखने का निर्देश दिया है। इसके साथ ही स्वास्थ्य विभाग अभियान चलाकर कार्रवाई भी करने की तैयारी में है। बता दें कि स्वास्थ्य विभाग से मिले सूची के अनुसार जिले में 105 निजी अस्पताल व क्लिनिक निबंधित हैं। वहीं पूसा, बिथान, विद्यापतिनगर, मोहनपुर व मोरवा प्रखंड का एक भी निजी अस्पताल और क्लीनिक स्वास्थ्य विभाग से निबंधित नहीं है। हालांकि जिले के हर गली-मोहल्लों व चौक-चौराहों पर अवैध रूप से निजी क्लीनिक, अस्पताल या नर्सिंग होम संचालित हो रहे हैं। आम लोगों को यह पता नहीं चल पाता है कि यह अस्पताल पंजीकरण है या नहीं, यहां कौन चिकित्सक बैठता है, इत्यादि। इसलिए जिले के सभी निबंधित निजी अस्पतालों, नर्सिंग होम व निजी क्लीनिक को बोर्ड पर पंजीकरण नंबर व चिकित्सक का नाम लिखवाने को लेकर सिविल सर्जन को निर्देश दिया गया है। जिले में अवैध रूप से चल रहे ऐसे निजी स्वास्थ्य संस्थानों में आए दिन मरीजों की मौत के मामले सामने आते हैं। इसको लेकर स्वास्थ्य विभाग ने अभियान चलाकर इनके विरुद्ध कार्रवाई शुरू करने का आदेश दिया है। अवैध तरीके से संचालित निजी क्लीनिक व नर्सिंग होम सील करने का आदेश विभाग ने दिया है। नए नियम के तहत जिले में किसी भी श्रेणी के अस्पताल, नर्सिंग होम के साथ डिस्पेंसरी या मेटरनिटी अस्पतालों के संचालन के लिए निबंधन अनिवार्य रूप से कराना होगा। बिना निबंधन अस्पताल चलाना संभव नहीं हो पाएगा। संबंधित अस्पतालों को निबंधन के साथ ही न्यूनतम मानकों का भी पालन करना होगा। सरकार ने इस कार्य को प्राथमिकता के आधार पर करने के लिए क्लीनि कल इस्टैब्लिशमेंट रेगुलेशन को क्रियांवित करने के लिए राज्य परिषद एवं जिला रजिस्ट्रीकरण प्राधिकार का पुनर्गठन कर दिया है। जिसकी अधिसूचना स्वास्थ्य विभाग ने जारी की है। जिला स्तर पर गठित रजिस्ट्रीकरण प्राधिकार में जिलाधिकारी को अध्यक्ष पद का जिम्मा सौंपा गया है। संयोजक सिविल सर्जन होंगे। सदस्यों में जिले के आरक्षी अधीक्षक, उप विकास आयुक्त और जिला आईएमए के अध्यक्ष को शामिल किया गया है। विभाग के अनुसार किसी भी अस्पताल को निबंधन के लिए न्यूनतम मानकों का पालन करना होगा। वहीं इस संबंध में सिविल सर्जन डॉ एसके चौधरी ने बताया कि निजी अस्पताल, नर्सिंग होम व क्लीनिक संचालकों को बोर्ड पर पंजीकरण नंबर व उनके नाम पंजीकरण है उसका नाम लिखने का निर्देश दिया गया है। इसके क्रियान्वयन के लिए सभी अनुमंडलों में टीम का गठन किया गया है। निरीक्षण के दौरान नियम का उल्लंघन करते पाए जाने वाले निजी स्वास्थ्य संस्थानों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। विभाग के निर्देशों का पालन कराया जाएगा।

फरियादियों की शिकायत पर अब आनाकानी नहीं कर सकेगी पुलिस, लेना ही होगा एक्शन

समस्तीपुर, प्रात : किरण संवाददाता

पुलिस मुख्यालय ने समस्तीपुर सहित राज्य के सभी जिलों के डीएसपी, थानेदार और अंचल निरीक्षक को निर्देश दिया है कि वे रोजाना दो घंटे जनसुवाई करेंगे। इसमें फरियादियों की शिकायत सुनेंगे। इसके लिए सुबह 11 बजे से दोपहर एक बजे तक का समय निर्धारित किया गया है। इस अवधि में सभी पदाधिकारी अपने कार्यालय में उपस्थित रहेंगे। इसके अलावा वरीय पदाधिकारियों के माध्यम से मिली फरियादियों की शिकायत पर भी त्वरित कार्रवाई करेंगे। अब फरियादियों से मिली शिकायत पर कार्रवाई को लेकर आनाकानी नहीं चलेगी। फरियादियों की शिकायत पर पुलिस पदाधिकारियों को कार्रवाई करनी होगी। इसको लेकर पुलिस मुख्यालय काफी गंभीर है। पुलिस मुख्यालय की ओर से बताया गया है कि पुलिस और पब्लिक के बीच संवाद होना चाहिए। भय का माहौल नहीं होना चाहिए। पुलिस और पब्लिक के बीच भय का माहौल होता है तो कहीं न कहीं से जनता का नुकसान होता है। पुलिस को सही बात का पता नहीं चलता और एकतरफा कार्रवाई भी हो जाती है। इसलिए पब्लिक के साथ अच्छा संबंध बनाने के निर्देश थानेदारों को दिए गए है। सभी जिलों को आम लोगों से अच्छा व्यवहार करने और उनसे मिली शिकायत का संवेदनशीलता के साथ निराकरण करने का भी निर्देश दिया गया है। पिछले दिनों डीजीपी ने अपराध नियंत्रण सहित अन्य बिंदुओं को लेकर समीक्षा बैठक की थी। इसमें पता चला कि थाना और डीएसपी स्तर पर आम लोगों की बात नहीं सुनी जा रही है। इससे फरियादी वरीय अधिकारी, यहां तक कि मुख्यालय जाने के लिए विवश हो जाते हैं। इससे शिकायत पर कार्रवाई में अधिक समय लग जाता है और न्याय मिलने में भी विलंब होता है। थाना या अन्य पुलिस पदाधिकारी के कार्यालय में शिकायत लेकर पहुंचने वाले लोगों के साथ अच्छा व्यवहार करने का निर्देश दिया गया है, जिससे पुलिस-पब्लिक के बीच अच्छा संबंध बना रहे।

सदर अस्पताल में उपलब्ध सुविधाओं से निरीक्षण उपरांत संतुष्ट दिखे एडीएम

समस्तीपुर, प्रात : किरण संवाददाता

बिहार सरकार के मुख्य सचिव अमृत लाल मीणा के निर्देश पर बुधवार को एडीएम अजय कुमार तिवारी के द्वारा सदर अस्पताल का निरीक्षण किया गया। जहां उन्होंने सदर अस्पताल के भवन, उपकरण और चिकित्सा सेवाओं का मूल्यांकन किया। वहीं इसके साथ ही उन्होंने मरीजों व उनके सहायकों से सदर अस्पताल में मिल रही सुविधाओं के संबंध में फीडबैक लिया। इसके अलावा चिकित्सकीय सेवाओं व उपलब्ध डॉक्टर और पैरामेडिकल स्टाफ की उपस्थिति के बारे में जानकारी ली। साथ ही दवा की उपलब्धता व वितरण की स्थिति एवं मरीजों के लिए सदर अस्पताल में उपलब्ध पैथोलॉजिकल सेवाओं के संबंध में जानकारी ली। बता दें कि बिहार सरकार के स्वास्थ्य विभाग के प्रमुख के द्वारा राज्य के सभी जिलों के डीएम को उनके जिलों के सरकारी अस्पतालों का भ्रमण कर व्यवस्था का जायजा लेने का आदेश दिया था। सभी अधिकारियों को अपने क्षेत्र में निरीक्षण की रिपोर्ट निरीक्षण के दिन ही शाम 5 बजे तक रिपोर्ट भेजने का निर्देश दिया था। ताकि निरीक्षण से संभावित खामियों की पहचान कर उनके समाधान की प्रक्रिया को तेज किया जाए। जिससे स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता और प्रबंधन में सुधार सुनिश्चित हो सके। वहीं निरीक्षण उपरांत एडीएम अजय कुमार तिवारी ने इस संबंध में बताया कि सदर अस्पताल के निरीक्षण में सदर अस्पताल की व्यवस्था संतोषप्रद पाया गया है। इस दौरान सिविल सर्जन डॉ एसके चौधरी, डीएस डॉ गिरीश कुमार व डीआईओ डॉ विशाल कुमार आदि मौजूद थे।

विशेष अभियान के तहत विभिन्न मामलों में 19 लोगो को गिरफ्तार किया

समस्तीपुर, प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी जयनगर थाना पुलिस के द्वारा विशेष अभियान के तहत विभिन्न मामलो में 19 लोगो को गिरफ्तार किया गया। जयनगर पुलिस के द्वारा की गई गिरफ्तारी कार्रवाई को लेकर बुधवार को थाना परिसर में डीएसपी विप्लव कुमार के द्वारा प्रेस वार्ता कर जानकारी दी गई। डीएसपी विप्लव कुमार ने बताया कि न्यायालय के द्वारा प्राप्त वारंट कुर्की सम्मन को लेकर मधुबनी पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार के द्वारा वीसी के माध्यम से अविलंब प्राप्त निष्पादित निर्देश के आदेश पर अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी जयनगर विप्लव कुमार के नेतृत्व में वारंटी कुर्की समेत अन्य मामलो में गिरफ्तारी कार्रवाई को लेकर एक विशेष टीम का गठन किया गया। मंगलवार को गठित पुलिस टीम के द्वारा वारंटी समेत अन्य मामलो में गिरफ्तारी को लेकर विशेष छापेमारी अभियान थाना क्षेत्र में चलाया गया। गठित छापेमारी पुलिस टीम का अपर थाना अध्यक्ष गोपाल कृष्ण के नेतृत्व में पु. अ. नि.शेषनाथ प्रसाद,पु. अ .नि. सन्तोष कुमार, पु. अ. नि .मिथलेश कुमार राही , पु .अ .नि .फहीम खान समेत अन्य पुलिस पदाधिकारी व पुलिस बल के द्वारा मंगलवार की रात्रि में थाना क्षेत्र के विभिन्न गांवो में छापेमारी अभियान के तहत एक स्थायी वारंटी सह दागी दो कुर्की जप्ती वारंटी समेत 18 वारंटीयो को गिरफ्तार किया गया। डीएसपी विप्लव कुमार ने कहा कि यह कार्रवाई विशेष अभियान के तहत आगे भी जारी रहेगी। प्रेस वार्ता के दौरान पुलिस पदाधिकारी व पुलिस बल मौजूद थे।

संक्षिप्त खबरें

वार्ड सदस्य की आकस्मिक निधन से परिजनों में मचा कोहराम

सदर मुंगेर। बुधवार की सुबह सदर प्रखंड अंतर्गत तारापुर दियारा पंचायत के वार्ड संख्या 3 के वार्ड सदस्य शोभा देवी आकस्मिक निधन अचानक से हो गई। निधन की खबर सुनते ही परिजनों में कोहराम मच गया। वही मौके पर तारापुर दियारा पंचायत के मुखिया अनीता देवी पहुंचकर परिजनों को सांत्वना देते हुए कहा की इस दुख की घड़ी में हम आप लोगों के साथ हैं। वहीं उन्होंने यह भी कहे की सरकार की ओर से जो भी प्रावधान की सुविधा होगी अर्थात संभव हम इन्हें दिलाने का प्रयास करेंगे। मौके पर पूर्व मुखिया बम बम चौधरी, वार्ड सदस्य संतोष कुमार, गोपाल सिंह, सहित दर्जनों ग्रामीण एवं परिजन उपस्थित थे।

गर्भवती महिलाओं को अच्छी खान-पान से मिलती टेंशन मुक्ति : डॉ अलका कुमारी

सदर मुंगेर।सदर अस्पताल मुंगेर महिला प्रसूति की डॉ अलका कुमारी गर्भवती महिलाओं को अच्छी खानपान एवं टेंशन मुक्त रहने की सलाह दी उन्होंने कहा कि इस पर सीधा असर गर्भ में पल रहे बच्चों पर होता है ।उन्होंने नॉर्मल डिलीवरी के लिए महिलाओं को अच्छी टिप्स भी दिया साफ सफाई के साथ-साथ रोजाना का दिनचर्या सही रखें वॉकिंग और खुश रहे इससे गर्भ में पल रहे बच्चें को फायदा पहुंचता है । डॉ अलका कुमारी ने कम उम्र में शादी एवं कम उम्र में लड़की का गर्भवती होना जच्चा बच्चा दोनों को खतरा है उन्होंने कहा आने वाले महीने में गर्भवती महिलाओं को गांव ग्रामीण क्षेत्रों में जा जाकर जागरूक करने की कोशिश करूंगी ।अभी भी ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा एवं जागरूक की कमी है उससे दूर करने की कोशिश हम लोग सोशल मीडिया के माध्यम से एवं पत्रकारिता के माध्यम से और आने वाले समय में फिजिकल चलकर जागरूक करने की महिम की सोच है।

एकलव्य मॉडल प्लस टू उच्च विद्यालय का केंद्रीय मंत्री ने किया निरीक्षण

निरीक्षण के दौरान मौजूद रहे विधायक, डीडीसी भी साथ रहे मौजूद

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई [झाझा] बुधवार को एकलव्य मॉडल प्लस 2 उच्च विद्यालय का निरीक्षण केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर के द्वारा किया गया। प्राचार्य के द्वारा विद्यालय में पेयजल संकट की समस्या के बारे में जानकारी दी जिसपर डीडीसी ने बताया कि इस जगह पर पेयजल की संकट जल्द ही दूर कर दिया जाएगा इसके लिए जल्द बोरिंग के लिए टेंडर की प्रकिया होगी। विधायक ने भी स्कूली बच्चों से मिलकर ईमानदारी पूर्वक शिक्षा ग्रहण कर अच्छे मुकाम को हासिल करने के लिए प्रेरित किया। केंद्रीय मंत्री ने प्राचार्य से विद्यालय में बच्चों के नामंकन से लेकर बच्चों को दी जाने वाली गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा की जानकारी लिया और छात्र छात्राओं से बातचीत की जिसपर वह संतुष्ट हुए। केंद्रीय मंत्री ने बच्चों को जीविका दीदी द्वारा दी जाने वाली भोजन का भी जायजा लेते हुए मेन्यू के अनुसार भोजन दिया जाता है कि नही इसकी भी जांच किया। केंद्रीय मंत्री ने विद्यालय परिसर और विद्यालय में बच्चों को दी जा रही शिक्षा-दीक्षा व सुविधाओं का निरीक्षण कर विद्यालय प्रशासन से उन्हें और बेहतर बनाने को लेकर चर्चा किया। केंद्रीय मंत्री ने पूरे विद्यालय भवन का निरीक्षण किया। छात्र छात्राओं के लिए बने छात्रावास का भी निरीक्षण किया और विद्यालय प्राचार्य विमल कुमार से विद्यालय में रहने वाले छात्र छात्राओं को सम्पूर्ण सुविधा से जुड़ी जानकारी लिया किंद्रीय मंत्री ने स्कूली छात्र छात्राओं को शिक्षा के प्रति जोर देते हुए कहा कि शिक्षा सफलता की कुंजी है इसलिए शिक्षा को महत्व देते हुए ईमानदारी पूर्वक शिक्षा ग्रहण करने के लिए कहा। केंद्रीय मंत्री ने विद्यालय परिसर में बने भवन के समतलीकरण पर बल दिया। इस दौरान जमुई विधानसभा की विधायक श्रेयसी सिंह, जमुई डीडीसी सुमित कुमार भी साथ मे थे।

सीएम नीतीश कुमार का विकास कार्यो को लेकर जदयू कार्यालय में की गई बैठक

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई [झाझा] बुधवार को पटना बिहार प्रदेश कार्यालय के निदेर्शानुसार विधानसभा चुनाव की तैयारी को लेकर झाझा प्रखंड जदयू कार्यकारिणी की बैठक प्रखंड अध्यक्ष राकेश दास की अध्यक्षता में नगर स्थित जदयू कार्यालय में संपन्न हुआ। बैठक में झाझा विधानसभा के विधायक व बिहार सरकार के पूर्व मंत्री दामोदर रावत उपस्थित हुए। विधायक ने आगे कहा कि डॉक्टर लोहिया और कपूर्री ठाकुर द्वारा महिला सशक्तिकरण के सपनों को नीतीश कुमार साकार किया है। विधायक ने आगामी साल होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर कार्यकताओं को अभी से ही चुनाव की तैयारी में जुट जाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार का समाज के अंतिम पायदान पर खड़े लोगों तक विकास की रोशनी पहुँचाने का लक्ष्य है। इस कड़ी में सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, नौकरी, रोजगार, बिजली सिंचाई आदि के क्षेत्र में शानदार काम हुआ है। बालिका साईकिल योजना, सभी प्रकार की नौकरियों में 35 प्रतिशत आरक्षण, पंचायत निकाय में 50 प्रतिशत आरक्षण, इंटर पास लड़कियों को 25000और स्नातक पास लड़कियों को आगे की पढ़ाई के लिए 50000 हजार रुपए एकमुश्त देना इसका उदाहरण हैं। बैठक में उपस्थित साथियों में जोश भरते हुए कहा कि नीतीश कुमार के अगले चुनाव में एनडीए के 225 सीट के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए आपलोग सरकार के जन कल्याणकारी को बूथ स्तर तक पहुँचाए। विधायक ने आगे कहा कि एनडीए सरकार ने युवाओं को 10 लाख नौकरी और 10 लाख रोजगार देने का वायदा किया है, इस कड़ी में विधानसभा चुनाव में पहले 12 लाख नौकरी देने का प्रस्ताव है तथा 90 हजार प्रति परिवार 2-2 लाख रुपये दिया जा रहा है। विधानसभा के प्रभारी ललन कुशवाहा, प्रखंड प्रभारी दिनेश मंडल, पार्टी के जिलाध्यक्ष शैलेन्द्र महतो, जदयू के वरिष्ठ नेता सुबोध केशरी, डॉ.राजेन्द्र प्रसाद, कारी अलाउद्दीन, बलवंत सिंह, संजय यादव, चंदन माथुरी,सभी पंचायत अध्यक्ष, लक्ष्मीपुर के पूर्व अध्यक्ष पवन रंजन,अशोक साव,राजेन्द्र गुप्ता आदि ने संबोधित किया। मौके पर जदयू के वरिष्ठ नेता शैलेन्द्र रावत, गौतम सिंह, छेदी पासवान, लखन मंडल, सिंहेश्वर गोस्वामी, मनु हेम्ब्रम,बलराम मंडल, दिलावर हुसैन, धीरेंद्र यादव, नगर पंचायत के पूर्व अध्यक्ष संजय सिंहा एवं मोहन पासवान, छोटू चंद्रवंशी, केदारनाथ पासवान सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भाजपा जनता का विश्वास पूरी तरह खो चुकी है: प्रोफेसर विनय कुमार सुमन

प्रात : किरण संवाददाता

सदर मुंगेर । भाजपा जनता का विश्वास पूरी तरह खोल चुका है परिणाम स्वरूप वह सरकारी तंत्र का दुरुपयोग कर बड़े पैमाने पर रुपए बांट कर किसी तरह चुनाव में जीत हासिल करना चाहती है। राजद बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ के प्रदेश महासचिव प्रोफेसर विनय कुमार सुमन ने एक वक्तव्य जारी कर कहा कि महाराष्ट्र एवं झारखंड में अपनी संभावित हार को देखते हुए बीजेपी इतना घबरा गई है कि वह दूसरे चरण के चुनाव के पूर्व संध्या पर रुपए बांट कर मतदाताओं का विश्वास हासिल करना चाहती है। दूसरे चरण के चुनाव के पूर्व संध्या पर एक और जहां भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव एवं बिहार बीजेपी प्रभारी को महाराष्ट्र में रुपए बांटते इंडिया गठबंधन के कार्यकताओं ने एक होटल में पकड़ा जहां करोड़ों रुपए बीजेपी राष्ट्रीय महासचिव बांटते पकड़े गए हैं। वहीं दूसरी ओर झारखंड के गोड्डा विधानसभा क्षेत्र में गोड्डा के निवर्तमान भाजपा विधायक अनेकों गाड़ियों के काफिले के साथ मतदाताओं के बीच रुपये बांटते पकड़े गए हैं। जिस कारण वहां काफी बवाल हुआ। भाजपा गठबंधन चुनाव के पूर्व ही महाराष्ट्र एवं झारखंड सहित अन्य राज्यों के उपचुनाव में बुरी तरह अपनी पराजय को देखते हुए बौखला गई है। एक और जहां भाजपा की संभावित हार को देखते हुए प्रधानमंत्री चुनाव के पूर्व ही चुनावी प्रचार छोड़कर विदेशी दौरा पर चले गए तो वहीं दूसरी ओर भाजपा के चाणक्य माने जाने वाले भारत के गृह मंत्री अमित शाह चुनाव प्रचार संपन्न होने के पूर्व ही महाराष्ट्र में अपने तय चार रैलियों को रद्द कर दिल्ली वापस लौट गए। प्रोफेसर सुमन ने कहा कि इंडिया गठबंधन महाराष्ट्र एवं झारखंड में दो तिहाई मतों के साथ सरकार बनाएगी वहीं अन्य राज्यों के उपचुनाव में अधिकतर सीटों पर विजय पताखा फहराएगी।

बाबा झुमराज धाम बटिया मे बुधवार को 40 हजार 60 रुपये की प्राप्ति

प्रात : किरण संवाददाता

सोनो / जमुई : अगहन मास की प्रारंभ के प्रथम बुधवार को द्वितीय पुजा के दौरान जमुई जिले के बटिया बाजार से सटे पठारी भागों में बसा प्रसिद्ध बाबा झुमराज मंदीर मे श्रधालुयों की भीड़ में काफी कमि देखी गई है । धार्मिक न्यास पार्षद पटना के द्वारा गठित नई कमेटी के सदस्यों द्वारा यात्रियों की सुविधा के लिए तकरीबन दो दर्जन से अधिक भोलेंटियर की व्यवस्था की गई । जिसमें सर्वप्रथम शुद्ध पेयजल की व्यवस्था , छोटी बड़ी वाहनों की पार्किंग की व्यवस्था , पाकेट मारों से सावधान रहने के लिए तकरीबन एक दर्जन से अधिक माईकिंग की व्यवस्था की गई । जिसमें कमेटी के सचिव राकेश कुमार सिंह ने पुजा की समाप्ति तक एनाउंसमेंट कर यात्रियों की सुविधा मे डटे रहे । वहीं कमेटी के कोषाध्यक्ष पैयजल कमि की आपुर्ति , वाहनों द्वारा होने वाली सडक जाम आदि पर नियंत्रण करने मे लगे रहे । ज्ञात हो कि पिछले 15 वर्षो पुर्व से धार्मिक न्यास पार्षद पटना के द्वारा गठित कमेटी सदस्यों द्वारा बाबा मंदीर मे होने वाली आय व्यय का किसी भी प्रकार की जानकारी नहीं दी गई , लेकिन नये कमेटी सदस्यों के आगमन के साथ ही प्रति पुजा के दिन यात्रियों से होने वाली आय ओर व्यय का हिसाब पुजा की समाप्ति के तुरंत बाद आमजनो के बीच रखा जा रहा है । ज्ञात हो कि मंदीर की विकास के लिए अगहन मास प्रारंभ के प्रथम सोमवार को तकरीबन एक लाख अड़तालीस हजार एक सो पांच रूपए की आय यात्रियों द्वारा की गई , जिसे कमेटी सदस्यों ने पुजा की समाप्ति के साथ ही आमजनों के बीच रख दिया । इधर बच्चों का मुंडन , छोटी बड़ी वाहनों की पुजा आदि को भी दुरुस्त कर दिया गया है । ज्ञात हो कि नये कमेटी सदस्यों की दुरुस्त व्यवस्था आज से पहले इस मंदिर मे कभी नहीं देखा गया है । ऐसा जान पड़ता है मानो हम बाबा झुमराज मंदिर नहीं बल्कि कोई ओर मंदिर मे आये हुए हैं । कोषाध्यक्ष श्री लल्लू प्रसाद बरनवाल ने बताया कि यात्रियों से मिलने वाली आज का सहयोग राशी रशीद द्वारा कुल 36 हजार 60 रुपये एवं दान पेटी से कुल 04 हजार रुपये प्राप्त हुई है ।

मारपीट में घायल युवक का इलाज के दौरान मौत

प्रात : किरण संवाददाता

हवेली खड़गपुर (मुंगेर) श्यामपुर थाना से प्राप्त जानकारी के अनुसार गत 16 नवंबर को लक्ष्मण टोला सठवीध में दो पक्षों के बीच मारपीट की घटना हुई थी। घटना में भीम मंडल को गहरा चोट आने के कारण इलाज के दौरान भागलपुर मेडिकल कॉलेज में देहांत हो गया । बताया जाता है कि साठवीधी गांव में आपसी रंजिश को लेकर दो पक्षों के बीच हुई जमकर मारपीट की घटना में गंभीर रूप से जख्मी 21 वर्षीय भीम मंडल के इलाज भागलपुर मेडिकल अस्पताल में हो गई। भीम मंडल की मौत के बाद दो पक्षों के बीच गहरा तनाव देखा जा रहा है। मृतक भीम मंडल का शव मंगलवार की शाम उसके सठवीध स्थित घर पर लाया गया जहां परिजनों की चीख पुकार से पूरा माहौल गमगीन हो गया है।

उत्क्रमित मध्य विधालय बनझुलिया में तिथि भोजन का किया गया आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

गिद्धौर ।सरकारी स्कूलों में बच्चों को स्कूल से जोड़ने के लिए सरकार मिड डे मील सहित कई कार्यक्रम चला रही है,ताकि पढ़ाई के साथ-साथ बच्चों को पौष्टिक भोजन भी मिल सके। इसी कड़ी में बुधवार तिथि भोजन योजना के तहत स्कूल में छात्रों के लिये विशेष भोज उत्क्रमित मध्य विद्यालय बनझुलिया में आयोजित किया गया ।समाज का कोई भी प्रतिष्ठित व्यक्ति अपनी जन्मतिथि व अन्य विशेष दिवस के मौके पर प्रारंभिक स्कूल के बच्चों के लिये खुद के खर्च से ह्रतिथि भोजनह्व का आयोजन कर सकता है। इसी योजना के तहत बुधवार को गिद्धौर प्रखंड के पतसंडा पंचायत के उत्क्रमित मध्य विद्यालय बनझुलिया के प्रभारी प्रधानाध्यापक रंजीत राम ने अपने खर्च से स्कूल में ह्रतिथि भोजनह्व का आयोजन किया। सभी छात्र-छात्राओं को विशेष भोजन के तौर पर रसगुल्ला,बुंदिया,खीर,पूरी व आलू गोभी से बनी सब्जी खिलाई गई। बच्चों ने बताया कि स्कूल में पहली बार इतना स्वादिष्ट भोजन मिला है। बच्चों ने शिक्षा विभाग से हर दिन ऐसा स्वादिष्ट भोजन उपलब्ध करवाने की मांग कर दी।इस मौके पर जिला शिक्षा पदाधिकारी राजेश कुमार ने कहा कि स्कूलों में एमडीएम मेन्यू से अलग हटकर ह्रतिथि भोजनह्व के रूप में विशेष अवसर पर चावल-गेहूं से बना खाद्य पदार्थ, फल, दाल-दलिया, पत्तेदार सब्जी से बना हुआ ताजा और पका हुआ भोजन दिया जाता है।इस तिथि भोजन के मौके पर जिला कार्यक्रम पदाधिकारी पारस कुमार,मानस मिलिन्द,सोनी कुमारी डीपीएम दीपक कुमार एएसएस डीपीएम अविनाश कुमार,अमिर दास प्रखंड प्रमुख पंकज कुमार,रंजीत कुमार राम,लक्ष्मण यादव,राहुल आनंद,मनोज कुमार,केदार जी,प्रदीप प्रभाकर सहित सैकडो.छात्र-छात्राओं उपस्थित थे।

मुख्य सचिव के वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से जमुई जिले में क्रियान्वित पीएमजी प्रोजेक्ट की समीक्षात्मक बैठक

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई बिहार सरकार के मंत्रिमंडल सचिवालय विभाग के निदेर्शानुसार मुख्य सचिव ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से जिला पदाधिकारियों के साथ 20 नवम्बर बुधबार को पीएमजी प्रोजेक्ट अंतर्गत बिहार राज्य में कार्यान्वित परियोजनाओं से संबंधित लंबित मुद्दों के कार्यों की समीक्षा की। इस बैठक में जिलाधिकारी श्रीमती अभिलाषा शर्मा ने सम्बंधित पदाधिकारियों के साथ भाग लिया और जिले के अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस संदर्भ में जिलाधिकारी महोदया ने बताया कि बैठक में राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग, स्वास्थ्य विभाग, पथ निर्माण विभाग, पंचायती राज विभाग, ऊर्जा विभाग, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन, सूचना प्रावैधिकी विभाग से पंचायत सरकार भवन, भू-लगान वसूली, सैरात, ऑनलाईन म्यूटेशन, परिमार्जन, आधार सीडिंग, अभियान बसेरा-1 एवं 2, ई-मापी, पॉवर सब-स्टेशन, ऑनलाईन एलपीसी तथा म्यूटेशन आदि विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई। जिलाधिकारी ने बताया कि मुख्य सचिव ने सभी विभागों को अपने कार्यों में तेजी लाने और समयबद्ध तरीके से काम पूरा करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन सभी विभागों के साथ मिलकर काम करते हुए सभी योजनाओं को सफलतापूर्वक स-समय लागू करेगा। इस बैठक में वन प्रमंडल पदाधिकारी जमुई, उप विकास आयुक्त जमुई, उप समाहर्ता भूमि सुधार, सिविल सर्जन, कार्यपालक अभियंता, पथ निर्माण विभाग जमुई, जिला पंचायती राज पदाधिकारी और अन्य संबंधित विभागों के पदाधिकारी उपस्थित थे।

स्वास्थ्य मिशन अभियान के तहत सरकार द्वारा मिनी ऑटो रिक्शा से हो रहा अवैध बालु ढुलाई

प्रात : किरण संवाददाता

सोनो जमुई : बिहार सरकार द्वारा जारी स्वास्थ्य मिशन अभियान जमुई जिले के सोनो प्रखंड में बुरा हाल है । स्वास्थ्य मिशन की कामयाबी के लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के द्वारा कचड़े की सफाई के लिए कर्मचारियों की नियुक्ति एवं हरेक वार्डो मे जमा कचरों की ढुलाई के लिए लाखों रुपए खर्च कर आटो रिक्शा उपलब्ध कराई गई है। , ताकि संपुर्ण बिहार में स्वच्छता बनी रहे ।

लेकिन सोनो प्रखंड के बेलंबा पंचायत अंतर्गत वार्ड नंबर 01 पर बिहार सरकार द्वारा दी गई आटो रिक्शा पर अवैध रुप से बालु की ढुलाई करने में प्रयोग किया जा रहा है। , जो बिहार सरकार के मंसूबे पर पानी फेरने की बात है । अवैध रूप से बालु ढुलाई कर रहे आटो पर सवार आटो चालक के साथ शामिल छोटे छोटे बच्चे भी हें जो बिना किसी भय के गीत गाते हुए चला जा रहा है । इससे यह जान पड़ता है कि बालु ढुलाई करने वाले लोगों को कानून का जरा सा भी भय नहीं है विश्वस्त सुत्रों से प्राप्त जानकारी के मुताबिक सरकार द्वारा मिली इस वाहन पर अवैध तरीके से बालु ढुलाई कराने में स्थानीय जन प्रतिनिधियों की भी मिली भगत बताई जा रही है । अगर ऐसा ही चलता रहा तो बिहार सरकार द्वारा जारी स्वास्थ्य मिशन अभियान ढाक के तीन पात बनकर रह जायेगा ।

कवाला खरीदगी जमीन का नकल नहीं निकलने से आमजन परेशान

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई जिला मुख्यालय में अवस्थित रजिस्ट्री आफिस सह नकलखाना में आए जिले वासियों को काफी मशक्कत करनी पड़ती है अपने अपने कवाला खरीदगी जमीन का नकल लेने में। खास करके मुंगेर से आये रजिस्ट्री कवाला जो 1958 से लगभग 2000 ईस्वी तक रजिस्ट्री खरीदगी जमीन का नकल निकालने में जिलेवासियों को पसीना छूट रहा है। सर्वप्रथम नकलखाना रूम में एक ही व्यक्ति प्रतिनियुक्त है और उसका चलता है मनमानी। नकल रुम के बाहर बिचौलिए को बैठाकर करते आर्थिक दोहन। बुधवार 20 नवम्बर को जिला संवाददाता को जब इसकी सूचना मिली तो निरीक्षण करने हायर सेकेंडरी स्कूल में अवस्थित नकलखाना रूम पर पहुंच उपस्थित लोगों से जानकारियां ली गई।तो हैरान करने वाली बातें सामने आई। नकलखाना स्टाफ अमन कुमार बीते 15 दिनों से नकलखाना रूम नहीं खोला है। आज खोलने की सूचना बिचौलिए ने जिलेवासियों को दी और सुबह 10 बजे से ही लोगों आना शुरू हुआ और 12 बजे तक नकलखाना रूम में ताला लटका हुआ पाया गया। उपस्थित पीड़ित व्यक्तियों ने बताया कि मैं तीन माह से दौड़ रहे हैं तो कोई महिनों से तो कोई 15 दिनों से अपने अपने खरीदगी जमीन का नकल लेने परेशान हैं। वहीं बरामदे पर बैठ बिचौलिए ब्रह्मदेव शर्मा ने बताया कि 15 दिनों के बाद आज खोलने की बातें थीं लेकिन आज भी बन्द है। स्टाफ अमन कुमार एक भोलुम देखने का 200 रुपया और अपने से नहीं खोजने पर प्रत्येक भोलुम पढ़ने का भी 200-300रुपया लेता है।आने वाले पीड़ित व्यक्तियों से एक सादे कागजात पर जमीन का ब्योरा लिखने का 20 रुपए प्रति फार्म लेते हुए पाये गये। उन्होंने कहा कि मैं अगल बगल के रहने वाले हैं और लोगों को नकल निकालने में मदद कर 20 रुपए लेते हैं।जो फार्म बाजार में कहीं उपलब्ध नहीं मिलेगा। जिले में जमीन सर्वेक्षण का कार्य प्रगति पर है और जिनके पास रजिस्ट्री खरीदगी जमीन का कवाला नहीं है वैसे लोगों का हुजूम नकलखाना रूम के पास देखा गया है। वहीं उपस्थित पीड़ित व्यक्तियों ने जिलाधिकारी श्रीमती अभिलाषा शर्मा जी से गुहार लगाई है कि लोगों को हो रही परेशानी से निजात दिलाएं।

जमुई में बालू माफियाओं के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन वन पर्यावरण एवं नदी संरक्षण समिति ने सौंपा मांग पत्र

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई : जमुई जिले में वन पर्यावरण एवं नदी संरक्षण समिति ने मंगलवार, 19 नवंबर 2024 को अंबेडकर प्रतिमा स्थल पर एक दिवसीय धरना दिया। इस प्रदर्शन का उद्देश्य जिले में अवैध बालू खनन, पर्यावरण के दोहन, और जनप्रतिनिधियों की निष्क्रियता के खिलाफ आवाज उठाना था। समिति ने जिलाधिकारी के माध्यम से महामहिम राज्यपाल बिहार सरकार को 18 सूत्रीय मांग पत्र सौंपा, जिसमें उन्होंने पर्यावरण और नदियों की सुरक्षा के लिए सख्त कदम उठाने की मांग की। मुख्य मुद्दा, नदियों और पर्यावरण का हो रहा दोहन : धरने में वक्ताओं ने कहा कि जमुई जिले की नदियां बालू माफियाओं के अघोषित राज के कारण बर्बाद हो रही हैं। बालू संवेदकों द्वारा नियमों की अनदेखी कर बड़े पैमाने पर मशीनों से बालू का उत्खनन किया जा रहा है। इससे नदियों के जलस्रोत समाप्त हो रहे हैं, सिंचाई व्यवस्था ध्वस्त हो रही है, और कृषि भूमि बंजर होने के कगार पर है। समिति ने यह भी आरोप लगाया कि बालू घाटों पर वृक्षारोपण जैसी पर्यावरणीय जिम्मेदारियों का पालन नहीं किया जा रहा है। ओवरलोडेड ट्रकों की अनियंत्रित आवाजाही से दुर्घटनाओं और पर्यावरणीय क्षति का खतरा बढ़ गया है। मांग पत्र के प्रमुख बिंदु : समिति ने महामहिम राज्यपाल को सौंपे गए मांग पत्र में निम्नलिखित बिंदुओं पर कार्रवाई की मांग की : 1. अवैध बालू खनन पर तत्काल रोकः जमुई जिले में नियमों के खिलाफ हो रहे बालू खनन को तुरंत बंद किया जाए। 2. मशीनों के उपयोग पर प्रतिबंधः बालू खनन में मानव श्रम का उपयोग सुनिश्चित हो। 3. पब्लिक हियरिंगः बालू घाटों की बंदोबस्ती से पहले सार्वजनिक सुनवाई की जाए। 4. मुआवजाः खनन के कारण होने वाली दुर्घटनाओं में मृतकों के परिजनों को 50 लाख मुआवजा और सरकारी नौकरी दी जाए। 5. संकरी गलियों में ट्रकों की आवाजाही पर रोकः गिद्धौर और अन्य क्षेत्रीय गलियों से भारी वाहनों का आवागमन स्थायी रूप से बंद किया जाए। 6. पर्यावरण संरक्षणः संवेदकों द्वारा अनिवार्य रूप से वृक्षारोपण कराया जाए और प्राकृतिक संसाधनों का नियमित सर्वेक्षण हो। 7. ओवरलोडेड ट्रकों पर रोकः ओवरलोडेड ट्रकों की आवाजाही पर रोक लगाई जाए और सड़कों पर बिखरे बालू को तत्काल हटाया जाए 8. सिंचाई पईन पुनर्जीवित करें: पारंपरिक सिंचाई व्यवस्था को बहाल किया जाए। धरने में जनप्रतिनिधियों की निष्क्रियता पर भी सवाल : वक्ताओं ने जिले के जनप्रतिनिधियों पर भी सवाल उठाए और उन्हें बालू माफियाओं की गतिविधियों का अप्रत्यक्ष समर्थक बताया। समिति ने कहा कि जनप्रतिनिधियों की निष्क्रियता के कारण ही बालू माफियाओं का अघोषित राज कायम है। संदेशः ह्रपर्यावरण बचेगा, तभी जीवन बचेगाह्व धरने के अंत में समिति ने जिलेवासियों से अपील की कि वे नदियों और पर्यावरण को बचाने के लिए जागरूक हों और इस आंदोलन में शामिल हों। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर उनकी मांगों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई, तो आंदोलन को और व्यापक स्तर पर ले जाया जाएगा।

छह लोगों पर प्राथमिकी हुई दर्ज बिजली चोरी करते पकड़े गए

जमुई [झाझा] अवैध तरीके से बिजली चोरी करने वालों के खिलाफ विद्युत विभाग के द्वारा चलाये गए अभियान के तहत थानाक्षेत्र के अलग अलग जगहों से कुल 6 लोगों को बिजली चोरी करते पकड़ा है। इस संदर्भ में कनीय विद्युत अभियंता आदित्य कुमार ने थाना में बिजली चोरी करते पकड़े गए लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराया है। दर्ज आवेदन में कनीय विद्युत अभियंता ने बताया कि पताव गांव से कैलाश यादव, उनिया देवी, भोपाली यादव, रंभा देवी, सुनीता कुमारी और केशोपुर मुसहरी से बुधन यादव को अपने अपने घरेलू परिसर में मीटर से पहले अवैध तरीके से बिजली का तार जोड़कर बिजली का उपयोग कर रहा था। कनीय विद्युत अभियंता ने बताया कि पकड़े गए सभी लोगों ने विभाग को कुल 31461 रुपये की राजस्व क्षति पहुंचाया है जबकि बिजली चोरी करते पकड़े गए सभी छह लोगों पर पूर्व से कुल मिलाकर 90959 रुपये बिजली बिल बकाया भी है।

केन्द्रीय सहकारिता मंत्री ने झाझा प्रखंड में भ्रमण के दौरान विद्यालय का किया निरीक्षण

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई माननीय केंद्रीय राज्य मंत्री, सहकारिता, भारत सरकार श्री कृष्ण पाल गुर्जर द्वारा +2 एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय, आस्ता, झाझा का भ्रमण के दौरान निरीक्षण किया गया। माननीय मंत्री द्वारा जिला कल्याण पदाधिकारी, जमुई, विद्यालय प्रबंधक एवं प्रधानाध्यापक, +2 एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय से विद्यालय संचालन, नामांकन प्रक्रिया, मीनू आदि के संबंध में जानकारी ली गयी। माननीय मंत्री द्वारा संचालित विभिन्न वर्गझकक्ष के छात्र-छात्राओं से एवं शिक्षकों से संवाद किया गया एवं लेखनझपाठन के साथ-साथ विद्यालय प्रबंधन के संबंध में जानकारी ली गई। माननीय मंत्री द्वारा छात्रावास, डायनिंग हॉल, किचेन रूम आदि की व्यवस्था का मुआयना किया गया। मेनू के अनुसार ही भोजन छात्र-छात्राओं को मिले, जिला कल्याण पदाधिकारी एवम प्रधानाध्यापक को यह सुनिश्चित कराने का निदेश दिया गया। इस अवसर पर उपस्थित माननीय विधायिका, जमुई सदर सुश्री श्रेयसी सिंह द्वारा खेलकूद के संबंध में जानकारी ली गयी एवम छात्र- छात्राओं द्वारा जिला एवम राज्य स्तर पर भाग लेने की प्रशंसा की गयी। जिला कल्याण पदाधिकारी द्वारा बताया गया की हाल में ही विद्यालय परिसर में बास्केटबॉल कोर्ट का निर्माण हुआ है ।माननीय मंत्री द्वारा खेलकूद में छात्र-छात्राओं की सहभागिता को बढ़ावा देने हेतु प्रोत्साहित करने का निर्देश दिया गया। साथ ही विद्यालय परिसर के अंदर अवस्थित खाली भूमि के समतलीकरण हेतु संबंधित विभाग से समन्वय स्थापित कर यथोचित प्रयास करने का निर्देश दिया गया। विद्यालय परिसर की साफ सफाई आदि की व्यवस्था को देखकर माननीय मंत्री द्वारा प्रसन्नता व्यक्त की गई इसके साथ यह निर्देश भी दिया गया कि इसी तरह साफ सफाई आदि बरकरार रहे। माननीय मंत्री के भ्रमण के क्रम में सुश्री श्रेयसी सिंह, माननीय विधायिका, जमुई के साथ-साथ उप विकास आयुक्त सुमित कुमार, जिला कल्याण पदाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी झाझा एवं अन्य जिला स्तरीय पदाधिकारी उपस्थित थे।

सम्पादकीय

हमारी विनाश सामग्री हमारी ही जेब में?

जब से मोबाईल फोन प्रचलन में आया है तब से देश में ऐसे सैकड़ों हादसों की खबरें आईं जिनसे पता चला कि मोबाइल फोन में ब्लॉस्ट हो गया। कभी उनकी बैटरी ओवर हीट होकर फट गयी तो कभी चार्जिंग में लगे सेलफोन में विस्फोट गया। याद कीजिये किसी समय में विश्व की सबसे बड़ी मोबाईल निमार्ता कम्पनी मानी जाने वाली ह्यनोकियाह्न को अपने मोबाईल में होने वाले विस्फोट की घटनाओं के चलते 2007 में अपने बीएल-5सी मोबाइल फोन मॉडल की 46 मिलियन बैटरियों को वापस मंगाना पड़ा था। मोबाईल फोन फटने की इन घटनाओं में अनेक लोगों के बुरी तरह से घायल होने यहाँ तक कि दर्जनों लोगों की मौत होने तक की खबरें आई थीं। केरल में त्रिशूर जिले के तिरुविल्वमला में, राजस्थान के बांसवाड़ा जिले में उत्तर प्रदेश के बरेली मेरठ व फरुर्खाबाद में, आंध्रप्रदेश के प्रकाशम जिले तथा ओडिशा आदि स्थानों में ऐसे अनेक हादसे हुये जहाँ मोबाईल में हुये विस्फोट के कारण लोगों को अपनी जानें तक गंवानी पड़ीं। इसी तरह पिछली रिकार्ड तोड़ गर्मी के दौरान बढ़ते तापमान के चलते अनेक एयर कन्डीशन के कम्प्रेसर फटने यहाँ तक कि इन विस्फोटों के परिणामस्वरूप घरों में आग लगने तक की खबरें आईं। इसके बाद 2017 में कोरियन स्मार्टफोन कंपनी सैमसंग ने अपने जिस फ़्लैगशिप स्मार्टफोन गैलेक्सी नोट 7 को लॉन्च किया था उसकी लांचिंग के केवल दो सप्ताह बाद ही इस मोबाईल में चार्जिंग के दौरान विस्फोट की शिकायत के कारण कंपनी ने इसकी बिक्री पर रोक लगा दी थी। बाद में गैलेक्सी नोट 7एस खरीद चुके नए स्मार्टफोन को कम्पनी ने बिना शर्त बदलने का निर्देश दिया। उसके साथ ही कम्पनी द्वारा दुनियाभर से गैलेक्सी नोट 7 वापस मांगे लिये गये। उस समय भारत में सैमसंग गैलेक्सी नोट 7 का मूल्य 59, 900 रुपये था। परन्तु इन सब दहशत पूर्ण घटनाओं के बावजूद जनमानस में भय व अविश्वास का ऐसा वातावरण कभी नहीं बना जैसा पिछले दिनों इस्त्राइल द्वारा छल कपट द्वारा लेबनान के विभिन्न शहरों में एक साथ अंजाम दिये गये पेजर व वॉकी टॉकी में हुये धमाकों और इनके परिणाम स्वरूप होने वाली तबाही के बाद उत्पन्न हुआ है। इन धमाकों में दर्जनों लोगों के मरने व तीन हजार से अधिक लोगों के घायल होने की खबरें हैं। पहले तो यह खबर थी कि लेबनान में धमाके से फटने वाले पेजर को ताइवान की इलेक्ट्रॉनिक कंपनी गोल्ड अपोलो द्वारा बनाया गया था। जबकि गोल्ड अपोलो ने इस पेजर को बनाने से साफ इनकार कर रही है। गोल्ड अपोलो कंपनी, हंगरी की एक कंपनी को इसके निर्माण का जिम्मेदार बता रही है। गोल्ड अपोलो का दावा है कि लेबनान में एक साथ फटने वाले अफ 924 पेजर का निर्माण बुडापेस्ट स्थित इअउ कंसल्टिंग डब्ल्यू ने किया था। जोकि एक सहयोग समझौते के तहत बीएसी लेबनान और सीरिया में पेजर की बिक्री के लिए गोल्ड अपोलो ब्रांड के ट्रेडमार्क का इस्तेमाल कर सकती है। परन्तु इसके निर्माण के लिए बीएसी ही जिम्मेदार है गोल्ड अपोलो नहीं। परन्तु हंगरी के अधिकारियों ने भी गोल्ड अपोलो के बयान को खारिज करते हुए कहा कि बुडापेस्ट में मौजूद कंपनी एक व्यापारिक मध्यस्थ है। वहां पर इसका कोई भी उत्पादन यूनिट नहीं है। फिर सवाल यह है कि आखिर लेबनान में फटने वाले पेजर का निर्माण किसने किया? पूरे विश्व को हतप्रभ कर देने वाले इस पूरे घटनाक्रम को लेकर यदि न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट को सच माना जाये तो लेबनॉन में विस्फोट होने वाले पेजर व वाकी टाकी के निर्माण से लेकर इसके विस्फोट तक में इस्राईली खुफिया एजेंसी मोसाद की ही भूमिका है। अज्ञात स्रोतों के हवाले से न्यूयॉर्क टाइम्स ने कहा कि इस्राईल ने पेजर के अंदर बम छिपाए और इसमें एक स्विच जोड़ा, जिसका प्रयोग बाद में उन्हें दूर से विस्फोट करने के लिए किया गया। मोसाद की ही खड़ी की गयी फर्जी कंपनी से ये हैंडसेट खरीदे भी गये थे। मोसाद ने ही ऐसा जाल बिछाया कि उसने लेबनान से पैसे लेकर उन्हें पेजर और वॉकी-टॉकी सेट बेचे और उन्हीं के द्वारा हिज्बुल्लाह के कई लड़ाकों को मार भी दिया। यानी पूरी चतुराई के साथ मारने वाले बम रुपी उपकरण को बनाने का मूल्य भी वसूल किया और उनका विस्फोट कर हत्याएं अंजाम देने का अपना लक्ष्य भी पूरा किया। और इससे भी बड़ी सफलता इस्राईल को तब मिली जब हिज्बुल्लाह ने भयवश पेजर और वाकी टॉकी जैसे इलेक्ट्रानिक उपकरण इस्तेमाल करना ही बंद कर दिया। गौर तलब है कि लोकेशन ट्रेस होने के भय से हिज्बुल्लाह पहले ही मोबाईल के इस्तेमाल बंद कर चुका है। ऐसे में इलेक्ट्रानिक व साइबर तकनीक पर आधारित होते जा रहे दौर में अपनाई जा रही वर्तमान आधुनिक रणनीति में हिज्बुल्लाह इस्राईली छल कपट का सामना कैसे कर सकेगा? इस घटना ने पूरे विश्व को यह भी सोचने को मजबूर कर दिया है कि क्या इलेक्ट्रानिक उपकरण पर आश्रित हो चुकी इस दुनिया का भविष्य भी अब मोसाद जैसी एजेंसियों के हाथों में जा चुका है?

आतंकी नजरें और मीरजाफरों की फौज

देश-दुनिया में आतंक का साय गहराता ही जा रहा है। हथियारों के सौदागर अपने उत्पादनों की बिक्री के लिए नित नये बाजार तैयार करने में जुटे हैं। वैध ढंग से कहीं ज्यादा अवैध ढंग से हथियारों की हो रही बिक्री ने जीवन के सामने चुनौतियां प्रस्तुत कर दी है। आतंकियों के खेमों में हथियारों की आपूर्ति करके राष्ट्रों के सामने सक्षम होने की मजबूरी पैदा की जा रही है। अहंकार के दावानल ने वर्चस्व की जंग शुरू कर दी है। मानसिक दुर्बल लोगों को भडकाने के लिए लालची मीरजाफरों की जमातें तैयार की जा रहीं हैं। कहीं मजहबी हुकूमत का सगूफा फैलाया जा रहा है तो कहीं सीमायें बढाने की जद्दोजेहद हो रही है। ताकत की दम पर सल्तनत हथियाने की तालीम देने वालों में अमेरिका, फ्रांस, चीन, ब्रिटेन, कनाडा जैसे देश हमेशा से ही अग्रणीय रहे हैं। हालिया हालातों में इजराइल के साथ हो रहे हिजबुल्लाह के युध्द में अब फ्रांस ने आमद दर्ज कर दी है। लेबिनान के साथ संबंधों की दुहाई पर उसकी सक्रियता इजराइल के साथ कथित रूप से खडे अमेरिका के लिए बाहर से दिखने वाली एक चुनौती है। ऐसी ही चुनौतियां दिखाकर अन्य देश सहानुभूति की मरहम के नाम पर खूनी चालें चल रहे हैं। अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर अमेरिका ने जहां अफगानस्तान, यूक्रेन, पाकिस्तान, बंगलादेश जैसे राष्ट्रों को मानसिक गुलाम बना लिया वहीं चीन की कुटिल चालों में श्रीलंका, म्यांमार, ताइवान, मालदीप, नेपाल, पाकिस्तान जैसे देश पूरी तरह फंस चुके हैं। वे चाहकर भी उसे बाहर नहीं निकल पा रहे हैं। ईरान से लेकर कतर तक, तुर्की से लेकर सीरिया तक आतंक की पाठशालाओं में वहां की सरकारें अपने छद्मवेशधारी सेनायें तैयार करने में जुटी हैं। अत्याधुनिक हथियार, नवीनतम तकनीक और कुशल प्रशिक्षण के साथ-साथ भारी मात्रा में धनराशि मुहैया कराई जा रहीं हैं। कहीं हिजबुल्लाह सक्रिय है तो कहीं हूती, कहीं हमास का बोलबाला है तो कहीं अलकायदा। कहीं इस्लामिक स्टेट का फतवा जारी होता है तो कहीं जमात नुसरत अल-इस्लाम वल मुस्लिमीन लहू डूबी कलम से वर्तमान लिखने लगता है, कहीं अल शबाब की गोलियां चलतीं हैं तो कहीं लश्कर-ए-तैयबा के धमाके गूंजते हैं। कहीं अल-नुसरा फ्रंट के जहर बुझे हथियार लोगों की जानें लेते हैं तो कहीं जेमाह इस्लामिया की बारूद से सांसें खामोश होतीं हैं, कहीं अबू सय्याफ के फरमान जारी होते हैं तो कहीं बोको हराम के हमले होते हैं। समूची दुनिया को आतंक के झंडे तले झुकाने की कोशिश में लगे खास मुल्क और उनके खास सरपरस्तों की घातक चालें अब लाशों के कारोबार को बुलंदी पर पहुंचाने में लग गईं हैं। दूसरी ओर देश के अन्दर के हालात भी भीतर-भीतर सुलगती जा रही बारूद बनते जा रहे हैं। म्यामांर के रास्ते आर्तकियों ने मणिपुर में कुकी बनकर पहाडों में बंकरों का निर्माण शुरू कर दिया है। गुप्त सूत्रों की मानें तो सीमापार से 900 प्रशिक्षित आतंकियों ने राकेट लांचर, ड्रोन, मिसाइल सहित अत्याधुनिक हथियारों के साथ मणिपुर में आमद दर्ज कर ली है। इन घुसपैठियों ने 30-30 के समूहों में विभक्त होकर पूरे इलाके को अपने कब्जे में ले लिया है। आर्तकियों के नेटवर्क के साथ वहां के अनेक प्रशासनिक अधिकारियों के कदमताल करने की चचार्ये भी जोरों पर हैं जो केन्द्रीय बलों को सहयोग देने के स्थान पर भ्रमित करके षडयंत्रकारियों के मंसूबे पूरे करने में लगे हैं। ऐसे ही हालात जम्मू-कश्मीर में भी देखने को मिलते हैं जहां पाकिस्तान के दहशतगर्द देश के मीरकासिमों के सहयोग से अपने पांव फैला बैठे हैं। इन दुश्मनों को संरक्षण देने हेतु अनेक राजनैतिक दलों के जन्मजात नेता निरंतर उत्साहित देखे जाते हैं। हाल ही में कर्नाटक उच्च न्यायालय के न्यायाधीश बी श्रीशानन्द ने बैंगलुरु के बाजार से गोरीपाल्या तक मैसूर रोड फ्लाइओवर के भू भाग को पाकिस्तान में होने जैसी स्थिति का खुलासा करके कटु सच्चाई की ओर देश का ध्यानाकर्षित किया है। एक मामले की सुनवाई के दौरान उन्होंने तो यहां तक कहा कि ह्यमैसूर रोड फ्लाइओवर पर जायें तो हर रिक्शावाले के पास 10 आदमी हैं। वहां कितने भी सख्त अधिकारी भेज दें, उसे पीटा ही जायेगा। यह किसी चैनल पर नहीं दिखाया जा रहा है।

ला ईलाज हो चुका स्मॉग प्रदूषण

उद्योगों से प्रदूषित धुआं निरंतर निकलता रहता है। पूरे देश की सड़कें धुल मिटटी से पटी पड़ी हैं। खेतों में फसलों के अवशेष बेरोकटोक जलाये जा रहे हैं। जगह जगह आम लोग कूड़े के ढेर में बेखौफ होकर आग लगाते हैं जिनमें रबड़, पॉलीथिन, प्लास्टिक आदि सब कुछ जलाया जाता है। इसी तरह आतिशबाजी चलाने के लिये चाहे अदालतें मना करें या सरकारें, कोई भी मानने को तैयार नहीं। बल्कि हर साल आतिशबाजी का चलन व इनकी खपत बढ़ती ही जा रही है। यदि आप दीपावली पर आतिशबाजी चलाने को लेकर ह्यज्ञानह्न देने लगे तो समझो आप को सनातन विरोधी होने का प्रमाण पत्र तो उसी क्षण मिल जायेगा।

निर्मल रानी
लेखक

उत्तर भारत का एक बड़ा क्षेत्र इन दिनों ह्यस्मॉगह्न यानी जहरीले धुयें युक्त कोहरे जिसे धूम कोहरा भी कहा जाता है, की चपेट में है। यह कोई पहला अवसर नहीं है जबकि ह्यस्मॉगह्न यानी जहरीले धुयें की खबरें मीडिया में सुर्खियां बटोर रही हों। बल्कि लगभग दो दशक से यह स्थित प्रत्येक वर्ष पैदा हो रही है। हाँ इतना जरूर है कि प्रदूषण दिन प्रतिदिन और भी न केवल बढ़ता जा रहा है बल्कि और भी जहरीला भी होता जा रहा है। इसका घोर प्रदूषण युक्त वातावरण का खामियाजा हमें तरह तरह से भुगतना पड़ रहा है। कहीं विमानों की उड़ानें प्रभावित हो रही हैं तो कहीं ट्रेंस परिचालन में बाधा आने के चलते रेल गाड़ियां लेट हो रही हैं। गत दिनों खराब मौसम के कारण ही दिल्ली अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट पर 15 विमानों का मार्ग बदला गया जबकि 100 से अधिक उड़ानों में देरी हुई। सड़कों पर दुर्घटनाओं में इजाफा होने लगा है। स्वास्थ्य कारणों से बच्चों के स्कूल बंद कर दिए जाते हैं तो अस्पतालों में सांस और दमा के मरीजों की संख्या बढ़ जाती है। यहाँ तक कि एक स्वस्थ व्यक्ति भी ऐसे वातावरण में सांस लेने में दिक़्क़त महसूस करने लगता है। लोगों को खुजली हो रही है और आंखों में जलन व आँखों से पानी आने की शिकायतें आ रही हैं। मास्क लगाना या न लगाना दोनों ही स्थिति में लोगों को सांस लेने में परेशानी हो रही है। पड़ोसी देश पाकिस्तान में भी बढ़ते प्रदूषण की वजह से हालात गंभीर बने हुए हैं। पिछले दिनों पाकिस्तान के लाहौर में स्मॉग यानी जहरीले धुएं की इतनी मोटी चादर बिछ गई जो अंतरिक्ष से भी दिखाई देने लगी। अब खबर तो यहां तक है कि स्मॉग यानी जहरीले धुएं से पैदा होने वाले इस प्रदूषण को कम करने के लिए वहां लॉकडाउन लगाने तक की योजना बन रही है। सवाल यह है कि गत लगभग 2 दशक से निरंतर प्रदूषित होते जा रहे इस जहरीले धुएं युक्त वातावरण और अनेक माध्यमों से इनसे होने वाले आर्थिक नुक़्सान व स्वास्थ्य सम्बन्धी समस्याओं के लिये जिम्मेदार कौन है। सर्दियों की शुरूआत में हमेशा टी वी व अखबारों में यह सुर्खियां बनती हैं कि प्रदूषण का स्तर क्या है। विशेषज्ञों के अनुसार स्वच्छ हवा वाले वातावरण के लिये 50 तक अदकहोना चाहिये। 50 से कम अदक (एयर क्वालिटी इंडेक्स) स्वास्थ्य के लिये ठीक रहता है। जबकि दिल्ली राजधानी क्षेत्र (एन सी आर) से लेकर केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ तक का एयर क्वालिटी इंडेक्स पिछले दिनों 500 के करीब पहुँच गया। सरकार से लेकर जनता तक इस अति प्रदूषित वातावरण से निजात पाने के लिये केवल प्रकृति के भरोसे बैठी हुई है कि या तो बारिश हो तो इस जहरीली हवा से निजात मिले या फिर तेज हवा इस वातावरण से निजात दिलाये। जबकि प्रदूषण से त्राहि त्राहि करती यही जनता या जनता द्वारा चुनी उसकी सरकार इस समस्या से निपटने का कोई भी कारगर उपाय ढूंढ नहीं पाती। कभी स्कूल्स में छुट्टी कर, कभी निर्माण कार्य रूकवाकर तो कभी सम-विषम नंबर के अनुसार वाहन चलने का निर्देश देकर ऐसी समस्याओं से निजात के उपाय तलाशे जाते हैं। जबकि प्रदूषण फैलाने के जिम्मेदार वाहनों की संख्या प्रतिदिन लाखों की तादाद में बढ़ती जा रही है। उद्योगों से प्रदूषित धुआं निरंतर निकलता रहता है। पूरे देश की सड़कें धुल मिटटी से पटी पड़ी हैं। खेतों में फसलों के अवशेष बेरोकटोक जलाये जा रहे हैं। जगह जगह आम लोग कूड़े के ढेर में बेखौफ होकर आग लगाते हैं जिनमें रबड़, पॉलीथिन, प्लास्टिक आदि सब कुछ जलाया जाता है। इसी तरह आतिशबाजी चलाने के लिये चाहे अदालतें मना करें या सरकारें, कोई भी मानने को तैयार नहीं। बल्कि हर साल आतिशबाजी का चलन व इनकी खपत बढ़ती ही जा रही है। यदि आप दीपावली पर आतिशबाजी चलाने को लेकर ह्यज्ञानह्न देने लगे तो समझो आप को सनातन विरोधी होने का प्रमाण पत्र तो उसी क्षण मिल जायेगा। गुरपूरव पर होने वाली आतिशबाजी पर सवाल उठाया तो दीपावली का सवाल खड़ा होगा। इसी तरह शब बरात हो या नया साल, रोज होने वाले शादी ब्याह कोई भी आयोजन आतिशबाजी से अछूता नहीं है। और जाहिर है ऐसी आतिशबाजीयों का एक ही परिणाम है, जहरीला धुआं, जान लेवा प्रदूषण, स्मॉग यानी जहरीले धुयें युक्त कोहरे की चादर और अंततः बदलता मौसम व ग्लोबल वार्मिंग। जिसतरह बारिश के दिनों में शहरों में समुचित जल निकासी का प्रबंध न होने के चलते शहरों व कस्बों में बाढ़ जैसी स्थिति बन जाती है और इससे संबंधित खबरें लेख व परिचचार्ए वर्षा ऋतू के दौरान पढ़ने सुनने को मिलती हैं। परन्तु बारिश खत्म होते ही जनता व सरकार सभी हाथ पर हाथ रखकर बैठ जाते हैं और अगले साल की बारिश व इससे होने वाली तबाही की प्रतीक्षा करने लगते हैं। ठीक उसी तरह हर साल दीपावली के बाद और सर्दियों के आगाज में हर वर्ष यही प्रदूषण व जहरीले धुएं की चर्चा सुर्खियों में आ जाती है। इस विषय को लेकर हमारे समाज की जागरूकता व समझ का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि न तो कोई अतिशबाजियों से परहेज के लिए तैयार है न ही यह मानने के लिये तैयार है कि पराली या खेतों में फसलों के अवशेष जलने से प्रदूषण फैलता है। धनाढ्य या नव धनाढ्य लोग मात्र एक सवारी के साथ सड़कों पर कारें दौड़ाते फिरते हैं। सड़कों पर बे रोकटोक धुंआ करना तो गोया लोगों के मौलिक अधिकारों में शामिल हो गया है। यहाँ तक कि रोजाना कई जगह खुद नगर पालिका के कर्मचारी झाड़ू देने के बाद जगह जगह इकठ्ठा किये गये कूड़े के ढेर में अपने ही हाथों से माचिस लगा देते हैं। गोया पढ़ा लिखा हो या अनपढ़, गरीब हो या अमीर, वैश्विक स्तर पर प्रदूषण बढ़ने के लिये सभी जिम्मेदार हैं। इसलिये भले ही सतही उपाय कितने ही क्यों न कर लिये जाएँ परन्तु हक ीकत तो यही है कि ह्यस्मॉग प्रदूषणह्न अब एक लाईलाज संकट बन चुका है।

दिलचस्प और स्टाइलिश रहा महाराष्ट्र में चुनाव प्रचार

राज भी सभा में कोई भी बदसलूकी नहीं कर सकता खासकर महिलाओं के साथ, ऐसा ही प्रभाव बाला साहेब का हुआ करता था। राज में पूरे बाला साहेब उतर जाते है, किसी नेता की इतनी परफेक्ट कॉपी कहीं और देखने को नहीं मिली। किसी पिता पुत्र में भी इतनी समानता देखने को नहीं मिलती, यहां तक कि बाला साहेब के किसी भी पुत्र में उनकी ऐसी झलक दिखाई नहीं देती, उनके खुद के द्वारा बनाए गए राजनीतिक उत्तराधिकारी उद्धव भी बाला साहेब जैसे नहीं लगते, उद्धव की शैली अलग है, हालांकि राजनीति में मौलिक शैली ही बेहतर मानी जाती है, उद्धव की शैली भी मौलिक है लेकिन लोग उनमें बाला साहेब देखना चाहते हैं इसलिए उद्धव ने अपने स्वभाव के विपरीत थोड़ा तीखापन लाने की कोशिश की है, और काफी हद तक सफल भी हुए।

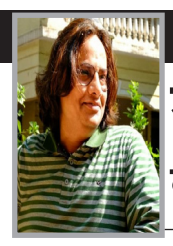

डॉ.मुकेश कबीर
लेखक

महाराष्ट्र में चुनाव प्रचार समाप्त हो चुका है। इस बार चुनाव परिणाम को लेकर कोई भी निश्चित नहीं है। परिणाम क्या होगा यह तो तेईस तारीख को पता चल ही जाएगा लेकिन अभी चर्चा में है महाराष्ट्र का चुनाव प्रचार। महाराष्ट्र जैसा दिलचस्प चुनाव प्रचार पूरे देश में कहीं नहीं होता है, इसे निश्चित रूप से स्टाइलिश कैंपेन कहा जा सकता है।

महाराष्ट्र के चुनाव प्रचार की खासियत यह होती है कि यहां की जनता बहुत अनुशासित होती है और नेता बहुत सम्माननीय होते हैं, यहां नेताओं के प्रति गहरी निष्ठा होती है इसीलिए जब वो मंच पर आते हैं तो इतनी गर्मजोशी से उनका स्वागत और अभिनन्दन होता है जैसे देवराज इंद्र पधारे हों और नेताओं से जनता का एक दिली लगाव तो होता ही है साथ ही उनके रिश्ते बिल्कुल घर जैसे होते हैं इसीलिए संबोधन भी घरेलू होते हैं दादा, ताई, काका, और साहेब। नेता भी आपस में एक दूसरे का जिक्र इसी तरह के संबोधन से करते हैं फिर चाहे वो विरोधी पार्टी के नेता ही क्यों न हों। यहां सभी पार्टियां अजीत पवार का जिक्र करती हैं तो उनके नेता उनको अजीत दादा ही बोलते हैं, फिर चाहे अजीत दादा पर कोई आरोप ही क्यों न लगाना हो। इसी तरह की छोटी छोटी बातों से यहां के चुनाव प्रचार में एक घरेलू वातावरण बन जाता है जो देश में और कहीं देखने को नहीं मिलता। यहां का चुनावी वातावरण ऐसा होता है कि महिलाएं भी चुनावी सभा में स्वयं को सहज महसूस करती हैं। यही कारण है कि चुनावी सभाओं में जितनी संख्या में महिलाएं महाराष्ट्र में इकट्ठी होती हैं उतनी और किसी राज्य में नहीं, पूर्वोत्तर के राज्यों भी महिलाएं बहुत आती हैं लेकिन उसके कुछ अलग कारण हैं।

बात महाराष्ट्र की करें तो यहां की चुनावी सभाएं बहुत अनुशासित होती हैं और पंडाल का माहौल लगभग वैसा ही होता है जैसा उत्तर भारत में किसी सांस्कृतिक आयोजन का होता है। चुनावी भीड़ में महिलाओं के साथ कोई छेड़छाड़ नहीं होती और न ही किसी प्रकार के हुड़दंग की स्थिति निर्मित होती है। यहां सभी मराठी मानुष होते हैं जो मराठी अस्मिता का पूरा ध्यान रखते हैं। अब यदि नेताओं की बात करें तो हर नेता का अपना स्टाइल होता है, अजीत पवार और राज ठाकरे का सेंस ऑफ ह्यूमर जबरजस्त होता है इनकी सभा एक कॉमेडी शो जैसी हो जाती है इसलिए इनकी सभाओं में भीड़ ज्यादा होती है और भीड़ सिर्फ इनके चुटकुले सुनने ही आती है। अजीत पवार विरोधाभासी नेता हैं उनकी निष्ठा किधर है यह क्लियर नहीं है लेकिन लोगों की नजर में वो पंवार साहेब के भतीजे हैं यही उनकी टीआरपी है और इसको कैसे भुनाया जाये यह अजीत दादा अच्छे से जानते हैं अजित दादा का दबदबा भी अच्छा है इसीलिए कोई लिबर्टी नहीं ले पाता, यहां तक कि सारे नेता उनको दादा ही कहते हैं फिर चाहे फडणवीस हों, नवाब मलिक हों या कोई और सभी अजीत दादा की पोजिशन का ध्यान रखकर बोलते हैं। अजीत दादा के भाषण भी रोचक होते हैं और कभी कभी बिलो द बेल्ट भी होते हैं लेकिन मराठी मानुष को सब चलता है इसीलिए पिछले चुनाव में उनका दिया गया डायलॉग बहुत चर्चित हुआ था जिसे सोशल मीडिया पर भी खूब उछाला गया और उसके कार्टून भी बनाए गए थे, अजीत दादा ने कहा था ह्यहां के डैम में पानी नहीं है तो मैं पेशाब से भर दूं क्या? अजीत दादा के इस डायलॉग से जहां उनके समर्थक बहुत रोमांचित हुए थे वहीं विरोधियों ने तीखी आलोचना की थी, और राज ठाकरे की पार्टी ने कार्टून बनाकर एक डैम का नाम ही ह्यअजीत दादा मूत्रालयह्न दर्शा दिया था। अजीत दादा, भाषण के मामले में शरद पवार से अलग हैं। शरद पवार ज्यादातर काम की बातें ही करते हैं और जनता से घर के वरिष्ठ सदस्य की तरह बात व्यवहार करते हैं, यही उनकी ताकत भी है इसीलिए वे लोगों के पवार साहेब हैं, जिनका आधे महाराष्ट्र पर कब्जा है। उनकी राजनीति भाषण पर आधारित नहीं है बल्कि व्यक्तिगत संबंधों के दम पर वो पंवार साहेब बने हैं। महाराष्ट्र में साहेब बनना आसान नहीं है, वहां सिर्फ दो ही साहेब हुए हैं पंवार साहेब और बाला साहेब, और इन दोनो का ही पूरे महाराष्ट्र पर कब्जा रहा है, ये दो सम्राट की तरह छाए रहे लेकिन दोनों की शैली भिन्न है। बाला साहेब की बात सबसे अलग है क्योंकि उनमें बहुत से गुण थे, उनका व्यक्तिगत संपर्क तो मजबूत था ही उसके साथ उनके भाषण भी बहुत दमदार और रोमांचक होते थे, बाला साहेब की भाषा शैली इतनी अलग थी कि उनकी भाषा को लोगों ने अलग ही नाम दे दिया ह्यठाकरी भाषाह्न इस भाषा में असहनीय तीखेपन के साथ चुटकुले की मिठास भी होती थी और गालियों का नमक और साथ ही इतिहास, साहित्य और संस्कृति का ज्ञान भी इसलिए उनके जैसा नेता पूरे देश में कोई और नहीं था। उनकी इसी ठाकरी भाषा के सही उत्तराधिकारी बनकर उभरे हैं राज ठाकरे, जिनके भाषण में वे सभी तत्व हैं जो बाला साहेब में थे। उनका ह्यूमर भी कमाल का है इसीलिए राज के भाषण में तीखे प्रहार के साथ मजेदार जोक्स भी होते हैं और उनकी सभा एक अच्छा खासा कॉमेडी सर्कस होती है। राज भी बाला साहेब की तरह मिमिक्री करते हैं। वे सभी नेताओं की मिमिक्री इतनी परफेक्ट करते हैं कि एक बार शरद पंवार ने कहा था कि ह्यराज यदि नेता नहीं होता तो फिल्मी हीरो जरूर होताह्न। राज पूरी तरह बाला साहेब का प्रतिबिंब लगते हैं, बहुत डायनेमिक हैं और बुलंद आवाज है साथ ही तेवर भी वही हैं, राज की सभा में आधी भीड़ तो इसलिए भी होती है कि लोगों को उनमें बाला साहेब स्पष्ट नजर आते हैं। राज की सभा में महिलाएं बहुत बड़ी संख्या में आती हैं, देश में किसी भी नेता की सभा में इतनी महिलाएं नहीं आतीं इसका कारण है कि वे यहां सुरक्षित महसूस करती हैं।

डिजिटल डिवाइस, मैसेजिंग ट्रिगर और युध्द की विभीषिका

ऋतुपर्ण दवे

संचार क्रांति के दौर में चौतरफा और रोजाना नित नई तकनीकों से दुनिया रू-ब-रू हो रही है। मोबाइल, जीपीएस, इण्टरनेट, बिना ड्राइवर की गाड़ियों से लेकर अब कृत्रिम मेधा यानी एआई (आटीर्फीसियल इण्टेलीजेन्स)के युग में 1950 के जमाने में न्यूयॉर्क सेनिकले पेजर, 74 वर्षों के बाद पहली बार और एक साथ सीरियल ब्लास्ट में तब्दील हो जाएंगे, भला किसने सोचा था?रेडियो फ्रिक्वेंसी पर चलने वाले पेजर का क्रेज अब न के बराबर है। लेकिन किसी पकड़ या सुराग के लिहाज से बेहद सुरक्षित पेजर का उपयोग आतंकी गतिविधियों में जरूर थोक में होने लगा। इसमें न जीपीएसहोता है और न ही कोईआईपीएड्रेस, इसलिएलोकेशन ट्रेसका सवाल ही नहीं। इसका नंबर भी बदला जा सकता है। इसीलिए इसका पता लगाना आसान नहीं होता। बसइसी चलते एक बड़ी साजिश को अंजाम देकर बड़े षड़यंत्र के तहत 9/11 जैसी बल्कि उससे भी बहुत बड़े दायरे में लेबनान में हर वो शख्स विस्फोट का शिकार हुआ जो साजिश के पेजर रखे था। लेकिन चिन्ता की बात यह कि मामला पेजर तक नहीं रुका बल्कि रेडियोवॉकी टॉकी जैसेदूसरी कम्युनिकेशन डिवाइस यहां तक कि घरों में लगे सोलर सिस्टम भी फटने की बातेंसामने आईं। धमाकों का शक इजराइल पर जताया जा रहा है। इन विस्फोटों को लेकर पूरी दुनिया हैरान है। इजराइल और हिजबुल्लाह के बीच जारी तनाव और बढ़ गया है। पूरे मिडिल ईस्ट में युद्ध के खतरेकी स्थिति बन चुकी है। वायरलेस उपकरणों में सीरियलविस्फोटों के बाद कई घरों, दुकानों, बाइक और दूसरे वाहनों में भी आग लग गई। एक तरह से पूरा क्षेत्र विस्फोटों की जद में आ गया। वहां अबलोग इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस के उपयोग को लेकर डरेहुए हैं। हर कोई हैरान है कि पेजर जैसा साधारण उपकरण बम में कैसे बदल गया? इसको लेकर पुख्ता तौर पर तो अभी किसी तरह की सच्चाई सामने नहीं है। लेकिन विस्फोट को लेकर तरह-तरह के कयास जरूर हैं। संभावनाओं में पेजर में लगी लीथियम बैटरी शक में है जो अत्याधिक गर्म होने पर फट सकती है। लेकिन इस थ्योरी पर भी ज्यादा भरोसा नहीं है। वहीं दूसरी दमदार संभावना साजिश के पेजरों को बनाते के वक्त ही इनमें विस्फोटक छुपानेकी है जिससे सप्लायर अन्जान हो?यकीनन साजिश बहुत बड़ी रही जिसको लेकर किसी नतीजे पर पहुंचना जल्दबाजी होगी। बैटरियों में खराबी या गुणवत्ता की कमीके चलते मोबाइल में विस्फोट तो हो जाते हैं। लेकिन एक तयशुदा वक्त पर रेडियो फ्रिक्वेंसी आधारित छोटे से उपकरण में सीरियल ब्लास्ट का ट्रिगर दबना-दबाना, हैरान कर रहा है। क्या किसी कोडिंग से ऐसा हो पाया? या वजह कुछ और है? ऐसी तमाम बातों की पर्तों को खुलने में वक्त लगेगा। आखिर ऐसी कौन सी रासायनिक श्रृंखला प्रतिक्रिया को अंजाम दिया गया जो अलग-अलग और काफी दूर-दूर तक ट्रिगर में बदल गईं? हैकर ने ट्रिगरिंग सिग्नल भेजने के लिए कौन सा तरीका अपनाया?फिलाहाल केवल कयास हैं। रेडियो नेटवर्क से संचालित पेजर पर ऐसा कौन सा सिग्नल भेजा गया जो बैटरियां गर्म हुईं और इतनी कि कथित तौर पर साथ रखे घातक विस्फोटक फटे जिन्हें लॉट विशेष में छिपानेकी संभावना कही जा रही है। एक सच जरूर है कि कुछ महीने पहले थोक में खरीदे पेजर ही फटे ऐसे में उनमें खतरनाक ज्वलनशील विस्फोटक को छुपाने की थ्योरीजरूर बनती है। सच के लिए इंतजार करना होगा। लेकिन एक सवाल हर किसी के दिमाग में कौंधनेलगा है कि मोबाइल या दूसरे इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स कितने सुरक्षित? कभी लिंक क्लिक करने से खाते खाली होना तो कभी हैक हो जाना, कभी क्लोनिंग के जरिए पूरा डेटा चुरा लेने जैसी घटनाओं को लेकर दुनिया भर में सायबर सिक्योरिटी पर न केवल जोर है बल्कि पूरी गंभीरता है। इसी बीच इतना बड़ा डिजिटल अटैक बहुत बड़ीचुनौती है। इस घटना को चाहे जो नाम दें, दो देशों की दुश्मनी या दुनिया में अशांति का जिम्मेदार बताएं लेकिन इसने संचार क्रान्ति के दौर में बड़े दुरुपयोग का बहुत ही बड़ा मैसेज जरूर दे दिया। युध्द की नई तकनीक रूपी पेजर अटैक ने दुनिया भर के कम्युनिकेशन सिस्टम कोबहुत बड़ी चुनौती दे डाली। छोटा सा पोर्टेबल इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस जिसे बीपर भी कहते हैं, इतना खतरनाक..! बेहद हैरानी वाली बात है।

सारण में अंतरराष्ट्रीय कला महोत्सव 2025 की घोषणा

प्रात: किरण, संवाददाता

छपरा कार्यालय।कला, साहित्य और संस्कृति के लिए समर्पित अंतरराष्ट्रीय संस्थान ह्कलाग्राम फाउंडेशनह्न के तत्वावधान में आयोजित होने वाले अंतरराष्ट्रीय कला उत्सव एवं कवि सम्मेलन के लिए छपरा जिला कार्यकारिणी समिति का गठन एवं पोस्टर का विमोचन समिति के गणमान्य सदस्यों की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ।

सारण के इतिहास में अब तक का सबसे बड़ा अंतरराष्ट्रीय कला एवं साहित्य सम्मेलन का आयोजन आगामी फरवरी 2025 में आयोजित होने जा रहा है, जिसमें साहित्य, सिनेमा, संगीत और कला के अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय कलाकार शिरकत करेंगे।

इस क्रम में कलाग्राम फाउंडेशन के छपरा कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष के पद पर पूर्व मेयर राखी गुप्ता एवं उद्यमी विनोद गुप्ता को मनोनीत किया गया। समिति के सचिव के पद पर कला धर्मी विजय मिश्र (निदेशक, विमला संगीत महाविद्यालय) को नियुक्त किया गया। इसके साथ ही जिला कार्यकारिणी परिषद और समिति में विकास सिंह (सी.पी.एस), राजेश मिश्रा, संजीव कुमार चौधरी (दधीचि देह दान समिति), सुधाकर भारद्वाज (निदेशक,विद्या विहार कॉलेज), सिद्धार्थ सेंगर (निदेशक, एस एस सेंट्रल स्कूल), प्रणव सिंह (उपाध्यक्ष,इंडियन रेड क्रॉस), चंदन कुमार, राजू उपाध्याय(ज्योतिष शास्त्री), चिकित्सक हर्षित कुमार, डॉ संतोष कुमार सिंह (शिशु रोग विशेषज्ञ) तथा मीडिया प्रभारी के तौर पर बिहारी पल्सर के निदेशक महाकाल ऋषव सहित बैठक में मौजूद रहे सदस्यों द्वारा सभी को सर्वसम्मति से मनोनीत किया गया।

इस बैठक में, संरक्षक के तौर पर डॉ हरेंद्र सिंह(निदेशक, सीपीएस), अंतरराष्ट्रीय चित्रकार मेहदी शॉ, तथा प्रमुख सदस्यों में तबला वादक शंकर सिंह, गायक प्रदीप सौरभ एवं गौतम प्रसाद के अतिरिक्त प्रमिला पत्रिका के संपादक अभिनन्दन द्विवेदी की भी उपस्थिति रही।

कलाग्राम फाउंडेशन के संस्थापक और देश के उभरते युवा लेखक व चित्रकार प्रखर पुंज ने वार्ता के दौरान संस्था के बहुउद्देशीय योजनाओं पर प्रकाश डालते हुए बताया कि, कलाग्राम फाउंडेशन भारत की प्राचीन कला, साहित्य और सांस्कृतिक विरासतों को आधुनिक तरीके से ब्रांडिंग और उच्च प्रबंधन व्यस्था के साथ क्षेत्रीय, राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रमों के माध्यम से मौलिक, अल्पचर्चित और श्रेष्ठ कलाकारों को दुनियाभर के कलाप्रेमियों तक पहुंचाने के लिए ही संकल्पित व प्रतिबद्ध है, और हमेशा रहेगी।

कलाग्राम फाउंडेशन के राष्ट्रीय सचिव प्रख्यात लेखक व रेख़्ता फाउंडेशन के एडिटर राहुल झा तथा कोषाध्यक्ष अंतरराष्ट्रीय शायरा एवं अंक ज्योतिषाचार्य सपना एहसास ने बताया कि इस संस्था के माध्यम से एक राष्ट्रीय (नई दिल्ली), एक अंतरराष्ट्रीय (दुबई) और देश के 12 कला, साहित्य व सांस्कृतिक केंद्र वाले महानगरों और क्षेत्रीय शहरों में 12 महीने साहित्यिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम व कलाकारों को उचित सम्मान और मानदेय के साथ प्रतिवर्ष केंद्र व राज्य सरकार के कला संस्कृति मंत्रालयों तथा प्रशासनिक व व्यावसायिक संस्थाओं के साझेदारी और सहयोग से क्रमशः आयोजित व प्रोत्साहित किया जाता रहेगा। जिसके क्रियान्वयन हेतु राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय स्तर पर कार्यकारिणी समिति का गठन और अधिकारी व सदस्यों की नियुक्ति व्यापक स्तर पर की जा रही है।

इस संस्था में सिनेमा, साहित्य, संगीत, व चित्रकला जगत के राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय हस्तियों और विभूतियों को संरक्षक और प्रचारक के तौर पर अनुशंसित किया जाएगा, जिनमें प्रख्यात फिल्म अभिनेता और लेखक श्री आशुतोष राणा, दिग्गज शायर फरहत एहसास, संगीत मार्तंड श्री राम प्रकाश मिश्र, पद्मश्री अस्थाना सिस्टर्स (कत्थक), अंतरराष्ट्रीय चित्रकार मेहदी शॉ, आदि संस्था के संरक्षक एवं मार्गदर्शक के तौर पर कलाग्राम की नींव को मजबूती देने का काम करते रहेंगे ताकि दुनिया में मौलिक कला, संस्कृति एवं कलाकारों का विकास हो सके क्यूंकि कलाकारों से कला, कला से संस्कृति, और संस्कृति से सभ्यता का निर्माण एवं विकास होता है।

इस बैठक में कार्यकारिणी के विस्तार की भी घोषणा की गई। छपरा कार्यकारिणी की उपाध्यक्ष राखी गुप्ता व सचिव विजय मिश्र ने बैठक में बताया कि अगले महीने दिसंबर माह में आधिकारिक प्रेस वार्ता बुलाई जाएगी, जिसमें कार्यक्रम की तिथि, प्रारूप, कलाकारों एवं अतिथियों की सूची आदि विषयों की घोषणा कार्यकारिणी के परिषद एवं सदस्यों की उपस्थिति में की जाएगी साथ ही परिषद में शामिल विद्या विहार कॉलेज के निर्देशक सुधाकर भारद्वाज व दधीचि देहदान समिति के संजीव कुमार चौधरी ने इस कार्यक्रम के मूल उद्देश्यों पर जोर देते हुए कहा कि यह कार्यक्रम छपरा में अपनी तरह का एक बेहतरीन और उच्चस्तरीय कार्यक्रम होगा, जिसमें कलाकारों एवं अतिथियों के साथ साथ दर्शक और श्रोता भी प्रबुद्ध एवं कलाप्रेमी ही होंगे।

नगरा में सड़क किनारे खड़ी वर्षों से जब्त कार में अचानक लगी आग ,धू धू कर जली

प्रात: किरण, संवाददाता

नगरा।नगरा थाना क्षेत्र के कादीपुर पेट्रोल पंप के समीप प्रशासन द्वारा जब्त वर्षों से खड़ी एक कार में बीती रात अचानक आग लगने से धू धू कर जलने लगी।घटना स्थल से प्राप्त जानकारी अनुसार उक्त कार वर्षों पहले सड़क दुर्घटना होने के बाद नगरा थाना द्वारा उस कार को वहीं जब्त कर साइड में रखा गया था लेकिन सड़क किनारे होने के वजह से वहां लोग कचरा ज्यादा फेंकते है।किसी ने कचरा में आग लगाया और आग लगने से अचानक पूरा आग फैलता गया और कार में जाकर पकड़ धू धू कर जलने लगा।वहीं स्थानीय लोगों की नजर पड़ी तो लोगों ने नगरा थाना को सूचना दी ,सूचना पाकर पहुंचे डॉयल 112 वाहन से पुलिसकर्मी व स्थानीय लोगों के सहयोग से आग पर काबू पाया ,हालांकि तब तक पूरी कार जल गई।वहीं इस संबंध में नगरा थानाध्यक्ष विजय कुमार रंजन ने बताया आग पर काबू पा लिया गया है ,लेकिन किसके द्वारा कचड़ा जलाने के लिए आग लगाई गई थी जांच पड़ताल की जा रही है।

संक्षिप्त खबरें

ग्राम कचहरी से जुड़े प्रतिनिधियों का एक दिवसीय प्रशिक्षण सम्पन्न

प्रात: किरण, संवाददाता

बनियापुर।मुख्यालय स्थित सभागार मे प्रखंड के ग्राम कचहरी से जुड़े सरपंच उप सरपंच सहित कर्मियों का एक दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया।जिसमे प्रशिक्षकों ने संबंधित प्रतिधियों को ई ग्राम कचहरी पोर्टल का एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के इस प्रशिक्षण में सभी कार्यपालक सहायक, न्यायमित्र, सचिव, सरपंच,उप सरपंच

की उपस्थिति मे प्रशिक्षक के रूप में प्रखंड कार्यपालक सहायक मुकेश कुमार थे। प्रशिक्षण में ग्राम कचहरी में ऑनलाइन आवेदन, दर्ज मुकदमा पंजी आदि से संबंधित बातें बताइ गई। मौके पर न्यायमित्र बाल मुकुंद ओझा, त्रिभुवन प्रसाद, सुरेन्द्र प्रसाद, उमेश शर्मा, उर्मिला देवी रामराज राम अशोक जी, एकरामुल हसन सरपंच योगेन्द्र ठाकुर, सुरेन्द्र नाथ पांडेय, गणेश सिंह,हबिबुल्हाह उप सरपंच मेराजुद्दीन कार्यपालक सहायक अनूप जी सहित सभी लोग उपस्थित थे।

श्रीमद्भागवत कथा का हुआ शुभारंभ

प्रात: किरण, संवाददात

छपरा कार्यालय। छपरा के मारूति मानस मंदिर प्रांगण में श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ हुआ। स्वामी इन्द्रदेव जी महाराज के मुख वचन से यह कथा 26 नवंबर तक चलेगा। उद्घाटन समारोह में हजारों की संख्या में लोग मौजूद थे। मंच पर महाराज जी का छपरा की धरती पर पधारने के लिए जनार्दन सिंह सिग्रीवाल, शैलेन्द्र सेंगर, भरत सिंह और जितेन्द्र सिंह ने फूल माला अर्पित कर उनका स्वागत किया। कार्यक्रम में महाराजगंज सांसद जनार्दन सिंह सिग्रीवाल, शैलेन्द्र सेंगर, भरत सिंह, जयंती राय, जितेन्द्र सिंह, विवेक सिंह, बलवंत सिंह, धर्मेन्द्र साह, दिलीप चौरसिया, सुशील कुमार सिंह, मनीष मिश्रा, ममता मिश्रा, अजय सिंह, विजय मिश्रा आदि उपस्थित थे।

महिला से चेन,मंगल सूत्र छिनने का मामला दर्ज

प्रात: किरण, संवाददात

बनियापुर । स्थानीय थाना क्षेत्र के नदौवा गाव मे नहर के समीप दो अज्ञात बाईक सवार अपराधियों ने महिला से गले का चेन व मंगल सूत्र छीन लिया है,जिस घटना की प्राथमिकी महिला के पुत्र द्वारा थाने मे दर्ज कराया गया है।

घटना की दर्ज प्राथमिकी मे रमण कुमार पाण्डेय ने बताया है की मा नहर से घर वापस आ रही थी की बाईक पर सवार अपराधियों ने गले से चेन व मंगलसूत्र छीन कर चले गए।मामले मे पुलिस अनुसंधान मे जुटी है।

इसुआपुर में आप की प्रखंड स्तरीय बैठक आयोजित

प्रात: किरण, संवाददात

इसुआपुर । धर्मशाला परिसर इसुआपुर में आम आदमी पार्टी की प्रखंड स्तरीय बैठक पार्टी के प्रखंड अध्यक्ष राजा पेंटर की अध्यक्षता में हुई ।जिसमें तरैया विधानसभा प्रभारी तथा पार्टी के भावी प्रत्याशी मनोरंजन सिंह बतौर मुख्य अतिथि मौजूद थे। बैठक में पार्टी के संगठन मजबूती पर विचार विमर्श किया गया। वहीं आगामी 2025 में होने वाले विधानसभा चुनाव के मद्देनजर पार्टी संगठन के बिस्तार पर भी विशेष रूप से चर्चा की गई। साथ ही चुनाव से संबंधित रणनीति बनाई गई। बैठक में मुख्य रूप से जिला प्रकोष्ठ के अध्यक्ष श्रीकांत सिंह, यदुनाथ गिरी, राम विश्वास राय, सरफराज आलम, युगल किशोर प्रसाद, जुबैर अंसारी, दिलीप महतो, अलाउद्दीन व अन्य थे।

सक्षमता पास शिक्षकों को मिला नियुक्ति पत्र

दो सौ शिक्षकों को मिला नियुक्ति पत्र

प्रात: किरण, संवाददाता

दरियापुर।स्थानीय प्रखंड मुख्यालय स्थित बीआरसी भवन में सक्षमता परीक्षा पास शिक्षक शिक्षिकाओं के बीच नियुक्ति पत्र वितरण समारोह का आयोजन किया गया।जिसका उद्घाटन परसा विधायक छोटेलाल राय,प्रमुख मालती देवी,प्रशिक्षु आई ए एस सह बीडीओ सुश्री शिप्रा विजय कुमार चौधरी , प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी नीरज कुमार चौधरी तथा बीपीएम खुशबू रानी के द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया।

इस वितरण समारोह की शुरूवात करते हुए विधायक ने सभी शिक्षको को विशिष्ट बनने पर बधाई देते हुए लगन के साथ दायित्व निर्वहन करने की अपील की।जिसके उपरांत सक्षमता पास शिक्षक अमित रंजन,रिंकू कुमार,विवेक कुमार,रविंद्र कुमार,अशोक कुमार,प्रमोद कुमार सिंह,ज्योति कुमार,मृत्युंजय कुमार,सुनीता कुमारी समेत दो सौ शिक्षक शिक्षिकाओं के बीच नियुक्ति पत्र वितरित की गई।नियुक्ति पत्र मिलने के उपरांत सभी शिक्षको के चेहरे पर खुशी नजर आ रही थी।

विदित हो कि सरकार के निर्देश पर प्रथम चरण में दो सौ नियुक्ति पत्र वितरित किए गए,वही शेष अन्य सक्षमता पास शिक्षको के बीच अगले चरण में वितरित की जाएगी।

इस मौके पर लेखापाल तारकेश्वर चौधरी,बीआरपी शैलेंद्र सिंह,सदानंद द्विज,कन्हैया तिवारी,अंकित कुमार समेत कई अन्य मौजूद थे।

लायंस क्लब ऑफ छपरा के पहले आधिकारिक कार्यालय का भव्य उद्घाटन

प्रात: किरण, संवाददाता

छपरा कार्यालय।समाज सेवा के क्षेत्र में नित नए आयाम स्थापित कर रहे लायंस क्लब ऑफ छपरा ने एक और ऐतिहासिक कदम बढ़ाते हुए क्लब के पहले आधिकारिक कार्यालय का उद्घाटन किया। यह कार्यालय चंदमारी रोड स्थित सीपीएस स्कूल भवन के बगल में स्थित है।

इस गौरवशाली अवसर पर क्लब के संरक्षक, जिला गवर्नर लायन गणवंत कुमार मल्लिक ने फीता काटकर कार्यालय का उद्घाटन किया। उनके साथ विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे जिले के प्रसिद्ध नेत्र रोग विशेषज्ञ लायन डॉ. एस.के. पांडे, जिन्होंने क्लब के इस प्रयास की भूरी-भूरी प्रशंसा की।

क्लब के अध्यक्ष लायन डॉ. विकाश कुमार सिंह ने इस अवसर पर अपनी भावनाएं व्यक्त करते हुए कहा, ह्नयह सिर्फ एक कार्यालय नहीं, बल्कि हमारे सदस्यों और समाज के बीच एक सेतु है। यह पहला ऐसा स्थान है जो पूरी तरह लायंस क्लब ऑफ छपरा को समर्पित है। समाज की सेवा में जुटे हमारे सभी सदस्यों के लिए यह प्रेरणा का केंद्र बनेगा।ह्न

ज्ञात हो कि कुछ दिन पूर्व ही लायंस क्लब ऑफ छपरा ने समाज सेवा की मिसाल पेश करते हुए मॉर्चरी बॉक्स का लोकार्पण किया था, जो समाज में लगातार उपयोग हो रहा है और इसकी भरपूर सराहना हो रही है।

कार्यालय उद्घाटन समारोह में क्लब के वरिष्ठ और सम्मानित सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित थे। इस अवसर पर लायन अनुपम सिंघानिया, लायन मनोज कुमार वर्मा ह्नसंकल्पह्न, लायन विक्की आनंद, लायन सुशील कुमार वर्मा, सचिव राकेश कुमार मिश्रा, लायन वरुण प्रकाश, लायन दीपक कुमार, लायन कृष्ण प्रसाद, लायन डॉ. अमित राज, लायन देवव्रत पांडे समेत अन्य सदस्य भी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान सभी ने कार्यालय के महत्व और इसके माध्यम से समाज सेवा को एक नई दिशा देने पर अपने विचार साझा किए। क्लब का यह प्रयास छपरा और इसके आस-पास के क्षेत्र में समाजसेवा के प्रति लोगों की आस्था और विश्वास को और मजबूत करेगा।

मुख्यमंत्री के शराबबंदी पर पानी फेर रहे शराब माफिया, फिर भारी मात्रा में बियर बरामद

प्रात: किरण, संवाददाता

रक्सौल। शराब तस्करी कितनी जोरो पर है कि तस्कर बिहार ने शराबबंदी का जमकर मजाक उड़ा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कितनी टेंशन के बाद शराबबंदी का अहम फैसला लिया ताकि राज्य के लोग अमन-चैन से रहें, चाहे इसके लिए राजस्व को कितनी हानि हो रही है, परन्तु उनके मंसूबों पर ये शराब माफिया ने पानी फेर दिया। अब फिर आबकारी पुलिस ने शहर के गम्हरिया चौक स्थित रिलायंस पेट्रोल पंप के पास से दो युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार दोनों युवकों को भारी मात्रा में शराब के साथ गिरफ्तार किया गया है। इस छापेमारी में एक टेंपो से 288 बोतल नेपाल निर्मित बियर को जब्त को जब्त किया गया है, जो 24 कार्टन में पैक थी। कुल 144 लीटर बीयर बरामद हुआ है। छापेमारी का नेतृत्व रक्सौल उत्पाद निरीक्षक अभिषेक आनंद ने किया। निरीक्षक अभिषेक आनंद ने बताया कि नेपाल से शराब की तस्करी की सूचना मिलने पर टीम गठित कर कार्रवाई की गई। छापेमारी के दौरान एक टेंपो से 288 बोतल नेपाल निर्मित बीयर जब्त की गई, जो 24 कार्टन में पैक थी। कुल 144 लीटर बीयर बरामद हुई। इसके साथ टेंपो में सवार रक्सौल वार्ड 7 अहिरवाटोला निवासी स्व. लगन यादव के पुत्र रूपेंद्र यादव उर्फ भूलन यादव और ऑटो चालक नागा रोड निवासी राजू जायसवाल के पुत्र मयंक कुमार को गिरफ्तार किया गया। गौरतलब हो कि पूर्व में भी राजू जायसवाल के एक अन्य पुत्र भी शराब मामले में जेल जा चुका है। इसी दौरान रक्सौल चेक पोस्ट पर चलाए गए विशेष अभियान में 12 शराबियों को भी हिरासत में लिया गया। छापेमारी टीम में पुअनि उत्पाद लालू प्रसाद यादव, एएसआई उत्पाद अवधेश कुमार समेत अन्य शामिल थे।

पश्चिमी चंपारण जिले के 301 पंचायतों में एक साथ करायी गयी हर घर नल का जल योजना के क्रियान्वयन की गुणवता की जांच

प्रात: किरण, संवाददाता

बेतिया(घनश्याम)।प्रधान सचिव लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग, बिहार एवं जिला पदाधिकारी, पश्चिम चम्पारण, बेतिया के निदेर्शानुसार जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में अधिष्ठापित सभी जलापर्ति योजनाओं का सर्वेक्षण कराया जाना है। उक्त के अलोक में आज जिले के 301 पंचायतों में एक साथ हर घर नल का जल योजना के क्रियान्वयन की गुणवता की जांच करायी गयी। इस जांच टीम में जिला स्तरीय, अनुमंडल स्तरीय, प्रखंड स्तरीय पदाधिकारियों एवं पर्यवेक्षकों को शामिल किया गया है।

जिला पदाधिकारी के निर्देश के आलोक में जांच टीम आवंटित प्रखंड अंतर्गत संबद्ध पंचायत क्षेत्रों में हर घर नल का जल योजना के तहत क्रियान्वित योजनाओं की जांच कर जांच प्रतिवेदन पेयजल एप पर अपलोड करेंगे।

जांच के क्रम में योजना की स्थिति, स्वीकृत योजना में कुल गृह संयोजन की संख्या, गृह संयोजन उपलब्ध कराये गये परिवारों की संख्या, परिवारों की संख्या जिन्हें अद्यतन जलापूर्ति दी जा रही है, प्रतिदिन कितनी बार जलापूर्ति की जा रही है, बोरिंग की स्थिति, पम्प/मोटर की स्थिति, स्टार्टर, तार एवं पैनल की स्थिति, विद्युत मोटर कार्यरत है या नहीं, आइओटी की स्थिति, पाइप लाइन एवं वाल्ब की स्थिति, पंप हाउस की स्थिति, स्टील स्ट्रक्चर या टावर की स्थिति, पीवीसी वाटर टैंक की स्थिति, योजना अंतर्गत क्लोरिनेटर क्लोरीन के साथ उपलब्ध है या नहीं, योजना के अंतर्गत वाटर ट्रीटमेंट प्लांट आदि की जांच अधिकारियों द्वारा की गयी।

एसएवी स्कूल में रंगोली एवं चित्रांगण प्रतियोगिता के बच्चों को किया गया पुरस्कृत

प्रात: किरण, संवाददाता

रक्सौल। स्थानीय शहर के लक्ष्मीपुर में अवस्थित एसएवी स्कूल के प्रांगण में सुबह की प्रार्थना सभा एवं राष्ट्रगान के पश्चात वर्ग 4 से लेकर 6 तक के बच्चों को रंगोली एवं चित्रांकन प्रतियोगिता में जीते हुए प्रतिभागियों को मेडल प्रदान किया गया। मुख्य अतिथि लायंस क्लब ऑफ रक्सौल के सचिव सह मीडिया प्रभारी लायन बिमल सर्राफ एवं लायंस क्लब कोषाध्यक्ष लायन मोहम्मद निजामुद्दीन के हाथों सभी जीते हुए प्रतिभागियों को मेडल प्रदान किया गया। इस अवसर पर संयुक्त रुप से कहा की उनके बच्चों की प्रारंभिक शिक्षा एसएवी स्कूल से ही हुई है। किसी भी विद्यार्थी के लिए प्रारम्भिक शिक्षा देने वाले स्कूल का जीवन में यादगार पल होता है। लायन बिमल सर्राफ ने कहा की असफलता केवल यह सिद्ध करती है कि सफलता का प्रयत्न पुरे मन से नहीं हुआ। मेडल पुरस्कार आपसी प्रतिस्पर्धा बच्चों में हो, उसके लिए दिए जाते हैं।किसी को भी हीन भावना अपने मन में नहीं लाना चाहिए, बल्कि अगली बार आपको मिले,उसके लिए मेहनत सबको करना चाहिए। लायन मोहम्मद निजामुद्दीन ने जल्द ही नेत्र जाँच शिविर स्कुल में कराने का आश्वासन दिया। स्कूल के निदेशक अशोक सिंह, अरविंद सिंह एवं सभी शिक्षकवृंद इस अवसर पर उपस्थित थे।

पूर्व में लायन नारायण रुँगटा की सुपुत्री निशि रुँगटा जो की स्थानीय स्टेट बैंक में पदाधिकारी है, उसको भी लायन नारायण जी के साथ आमंत्रित किया गया था। निशि ने अपने गायन प्रस्तुति से सभी का मन मोह लिया। आगे फिर मिलने के गीत के साथ जो लायन बिमल सर्राफ ने गाया, कार्यक्रम की समाप्ति हुई।

डीएम ने सदर अस्पताल का किया निरीक्षण

छपरा कार्यालय। जिलाधिकारी अमन समीर द्वारा बुधवार को सदर अस्पताल, छपरा का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में चिकित्सकों/कर्मियों की उपस्थिति की जांच, उपलब्ध दवाओं की जांच, पैथोलॉजी सुविधाओं आदि की जांच की गई। जिलाधिकारी ने मरीजों एवं उनके परिजनों से अस्पताल में चल रहे उनके ईलाज तथा दवाओं से संबंधित उनकी समस्याओं की जानकारी लेते हुए स्वास्थ्य विभाग के पदाधिकारियों को आवश्यक निदेश दिया।

निःस्वार्थ भाव से सोनपुर मेले के आगंतुकों की सेवा में तत्पर है कम्युनिटी पुलिस के जवान

- सोनपुर मेला में पुलिस प्रशासन की तीसरी आँख के रूप में 16 साल से काम कर रही है कम्युनिटी पुलिस
- नौजवानों की टीम यातायात नियंत्रण के साथ आगंतुकों का मार्गदर्शन भी कर रही है

प्रात: किरण, संवाददाता

छपरा कार्यालय । हर वर्ष की तरह इस बार भी विश्व प्रसिद्ध हरिहर क्षेत्र सोनपुर मेला में कम्युनिटी पुलिस आगंतुकों और प्रशासन के बीच की कड़ी बनकर सराहनीय कार्य कर रही है। कम्युनिटी पुलिस के मुख्य संयोजक स्थानीय सांसद सह पूर्व केंद्रीय मंत्री श्री राजीव प्रताप रुडी है। सोनपुर मेले में कम्युनिटी पुलिस की शुरूआत साल 2008 में तत्कालीन डीएसपी प्राणतोश दास द्वारा की गई थी। अपने संयोजक राजीव कुमार उर्फ मुनमुन सिंह के नेतृत्व में सोनपुर मेला में कम्युनिटी पुलिस के सदस्य पुलिस प्रशासन की तीसरी आँख के रूप में कार्य कर रहे है। ये सदस्य, मेला में आने वाले लोगों का मार्गदर्शन करने, बिछड़ो को मिलाने के साथ-साथ विदेशी अतिथियों के गाईड बन कर उनकी सहायता करने में आगे है।

सोनपुर मेले में इस बार कम्युनिटी पुलिसिंग के 300 स्वयंसेवक लगे हुए हैं जिसमें 22 लड़कियां भी शामिल है। सरकारी सेवा से अवकाश प्राप्त 85 वरिष्ठ नागरिक इसके संरक्षक की भूमिका मे है। हर बार की तरह इस बार भी ये नौजवान काफी अच्छा और प्रशंसनीय कार्य कर रहे है। मेला क्षेत्र की छोटी बड़ी घटनाओं को पुलिस प्रशासन तक पहुंचाने में कम्युनिटी पुलिस की महत्वपूर्ण भूमिका है। इस संदर्भ में सांसद श्री रुडी ने कहा कि यह एक सामाजिक पहल है जो युवाओं में समाज सेवा और अनुशासन की नई सीख उत्पन्न करता है। बगैर वेतन काम करने वाले नौजवानों की टोली मेला घूमने आए लोगों के चेहरे पर मुस्कान बिखेर देती है।

सांसद की पहल पर जेके टायर ने कम्युनिटी पुलिस के तहत कार्य करने वाले स्थानीय नौजवानों को यूनिफॉर्म और हर दिन नाश्ता उपलब्ध करा रही है जो मेले के समापन तक जारी रहेगा। कम्युनिटी पुलिस के मुख्य संयोजक और स्थानीय सांसद श्री रुडी ने सदस्यों के कार्यशैली और कार्यकलापों की प्रशंसा करते हुए कहा कि निस्वार्थ भाव से अपनी सेवा दे रहे इन युवाओं की जितनी प्रशंसा की जाय वह कम है। जो भी इनसे मिलता है वह इनकी कार्यशैली और व्यवहार का कायल हो जाता है।

उन्होंने कहा कि मेला की शुरूआत से ही हर कोने पर, हर स्थान पर आपको कम्युनिटी पुलिस निरंतर आपकी सेवा में मिलेगी।

चाहे बच्चे गुम हो गए हो, किसी को स्थान का लोकेशन लेना हो, किसी को गाइड करना हो या फिर सबसे भीड़ नियंत्रित करनी हो, इन सब में उनकी अहम भूमिका रही है जो बधाई के पात्र है। मालूम हो कि सांसद श्री रुडी की पहल पर सोनपुर मेला में कम्यूनिटी पुलिस को पिछले वर्ष से जेके टायर का साथ मिलता रहा है। जेके टायर के साथ कम्युनिटी पुलिस समय-समय पर गोष्ठी आयोजित कर यातायात नियंत्रण के साथ-साथ सड़क, सुरक्षा के प्रति लोगों को जागरूक करने का भी काम करती है।

मारुति मानक मंदिर के प्रांगण में भक्तिपूर्ण माहौल में आरंभ हुआ भागवत कथा

- सांसद जनार्दन सिंह सिग्रीवाल ने कलश यात्रा एवं कथावाचक श्री श्री 1008 श्री डॉक्टर इंद्रदेवानंद सरस्वती जी महाराज की आरती से की भागवत कथा की शुरूआत
- 20 से 26 नवंबर तक अपराह्न 1:00 बजे से लेकर शाम 4:00 तक होगी भागवत कथा सभी भक्ती चैनलों पर होगा सीधा प्रसारण

प्रात: किरण, संवाददाता

छपरा कार्यालय। बुधवार को मारुति मानस मंदिर के प्रांगण में भक्ति पूर्ण माहौल में महामंडलेश्वर श्री श्री 1008 श्री डा इंद्रदेवानंद सरस्वती जी महाराज के मुख से श्रीमद् भागवत कथा हजारों श्रोताओं ने सुना भागवत कथा की शुरूआत शहर में हजारों महिलाओं की कलश यात्रा से प्रारंभ हुआ जिसमें महाराजगंज के सांसद जनार्दन सिंह अग्रवाल सम्मिलित होकर कलश यात्रा की शुरूआत एवं भागवत कथा पंडाल में श्री श्री 1008 श्री महामंडलेश्वर इंद्रदेवानंद सरस्वती जी महाराज की आरती के साथ भागवत कथा का आरंभ किया कथा की शुरूआत में महामंडलेश्वर इंद्र देवानंद जी सरस्वती ने कहा कि भागवत कथा मोक्ष एवं जीवन का रास्ता बताता है कठिनाइयों से जूझने एवं संघर्ष एवं आत्म बल प्रदान करता है। आज की कथा आरंभ में आयोजनकर्ता ,संरक्षण समिति के सदस्य शैलेंद्र सेगर ,भरत सिंह, जितेंद्र सिंह, मेयर लक्ष्मी नारायण गुप्ता ,पूर्व मेयर राखी गुप्ता ,विवेक कुमार सिंह, बलवंत सिंह, राजनाथ सिंह, सुशील कुमार सिंह, चरण दास , ममता मिश्रा अजय सिंह , विजय कुमार मिश्रा, जितेंद्र सिंह, सहित हजारों की संख्या में श्रोतागण उपस्थित थे।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में रोगी कल्याण समिति का किया गया बैठक

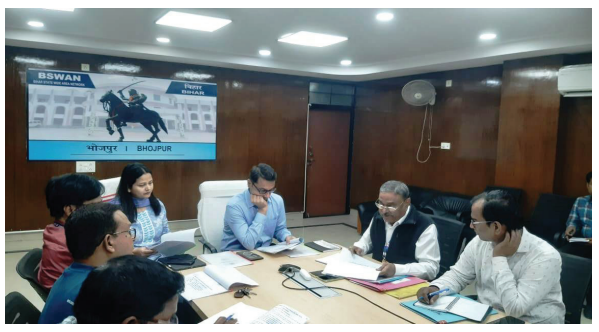

प्रातः किरण संवाददाता

आरा ।जिलाधिकारी की अध्यक्षता में रोगी कल्याण समिति की बैठक आयोजित की गई ।सर्वप्रथम बैठक में पूर्व में कराए गए कार्यों की समीक्षा की गई, जिसमें मुख्य रूप से इमरजेंसी गैलरी, लैब गैलरी, और रजिस्ट्रेशन काउंटर पर पंखा एवं ट्यूब लाइट की व्यवस्था, नए रजिस्ट्रेशन काउंटर का निर्माण, मरीजों के लिए लाइन लगाने हेतु स्टील रेलिंग लगाना, रजिस्ट्रेशन काउंटर और दवा काउंटर पर साइनेज लगाना, क्ढऊ डढऊऔर वेटिंग एरिया में लाइट बोर्ड साइनेज का कार्य, दवा वितरण काउंटर का निर्माण जिसमें शेड, रेलिंग और साइनेज का कार्य शामिल है, कमांड एवं कंट्रोल सेंटर का निर्माण, सहायता केंद्र की स्थापना और आपातकालीन रजिस्ट्रेशन काउंटर का निर्माण शामिल है। बैठक में समिति ने आगे निम्नलिखित कार्य कराए जाने की आवश्यकता पर जोर दिया। यथा सदर अस्पताल के भूतल, प्रथम और द्वितीय तल के सभी कमरों में पर्याप्त रोशनी के लिए एलईडी ट्यूब लाइट की व्यवस्था, मेडिकल और बर्न वार्ड में पंखे (सीलिंग) की कमी वाले बेड पर पंखा लगाना, द्वितीय तल, भूतल, मेन गेट और गैलरी में लाइट बोर्ड, साइनेज और डायरेक्शनल साइनेज लगाना। इसके अतिरिक्त, द्वितीय तल स्थित ऑपरेशन थिएटर में जोनिंग, फॉल्स सीलिंग, लाइट, साइनेज और गैलरी के पिछले हिस्से में खाली स्थानों का उपयोग करते हुए आवश्यक सिविल कार्य कराने की आवश्यकता पर चर्चा की गई।अस्पताल कैंपस के रास्तों और अन्य स्थानों पर लाइट की व्यवस्था, सेंट्रलाइज्ड एसी की स्थापना, सभी एसी का एएमसी कार्य, ऑक्सीजन बॉक्स के पॉइंट बदलने और सर्विसिंग, पीने के पानी की बेहतर व्यवस्था के लिए वॉटर प्यूरिफिकेशन प्लांट (सीएसआर के तहत) लगाना भी प्रस्तावित किया गया।एसएनसीयू में नए पर्दे लगाने, एसी की मरम्मत, चार अतिरिक्त ऑक्सीजन पॉइंट स्थापित करने, और ईपीएबीएक्स लगाने की आवश्यकता पर भी जोर दिया गया।

इस बैठक में उप विकास आयुक्त भोजपुर, सिविल सर्जन भोजपुर, अस्पताल प्रबंधक, जिला कार्यक्रम प्रबंधक, स्वास्थ्य, रोगी कल्याण समिति के सदस्यगण आदि उपस्थित थे।

हर साल जमीन के दाम में 10 प्रतिशत की वृद्धि बकाए मुआवजे का होगा भुगतान: संयुक्त किसान मोर्चा

प्रातः किरण संवाददाता

पटना/ कैमूर। किसानों की कुबार्नी रंग लाया। प्रत्येक वर्ष 10% सर्किल रेट में वृद्धि का फैसला तब हुआ जब कैमूर से लेकर बक्सर तक, खगड़िया से लेकर रोहतास तथा पटना तक किसान अनवरत धरना और प्रदर्शन कर रहे हैं। जुल्म की पराकाष्ठा देखिए जहां - जहां भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया चल रही है वहां गत 15 सालों से सर्किल रेट बढ़ाए नहीं गए और कहीं -कहीं तो कम कर दिए गए। हर साल जमीन के दाम में 10% वृद्धि मानकर किसानों को बकाए मुआवजे का भुगतान होगा! संयुक्त किसान मोर्चा,बिहार ने इसे किसान आंदोलन की बड़ी जीत कहा।विदित हो कि बिहार में वर्ष 2009-10 से ही भूमि का अधिग्रहण विभिन्न परियोजनाओं के लिए हो रही है। सरकार को जमीन अधिग्रहण करना था। इसलिए उन इलाकों में जहाँ जमीन का अधिग्रहण होना है वहाँ जानबूझकर जमीन का वैल्यूएशन को बरसों से नहीं बढ़ाया गया।औने-पौने दाम पर किसानों की जमीन छीनकर कापोर्रेट को देने की साजिश को किसान भली भांति समझ गए।इसीलिए बक्सर के चौसा से लेकरकैमूर,रोहतास,औरंगाबाद,गया,जहानाबाद, पटना,भागलपुर,मुंगेर सहित अन्य जिलों में किसान वर्षों से संघर्षरत थे। किसानों के जुझारू आंदोलन के चलते सरकार की सभी योजनाएं वर्षों से लंबित है।भूमि अधिग्रहण का कार्य आगे नहीं बढ़ पा रही थी। किसानों का मनोबल को तोड़ने के लिए उनके ऊपर तरह-तरह से सरकार दमन,अत्याचार,जोर- जुलम और अमानवीय घोर अन्याय कर रही थी।परन्तु किसान अपनी एकता के बल पर लगातार सरकार के दमनात्मक कार्रवाइयों से मुकाबला कर रहे थे। किसान नेता दिनेश कुमार,अशोक प्रसाद सिंह, अमेरिका महतो,अनिल कुमार सिंह,अशोक कुमार सिंह, सत्येन्द्र तिवारी, पशुपति सिंह,राम प्रवेश सिंह,भोला यादव ने इसे किसान आंदोलन की बड़ी जीत कहा। किसानों का संगठित,अनवरत और जुझारू आंदोलन ने सरकार को आखिर में झुकने के लिए मजबूर किया। बगैर किसानों की सहमति के भूमि अधिग्रहण नहीं हो सकेगा। किसान अपना जान दे देंगे, पर अपना जमीन नहीं देंगे। किसानों की जमीन छीन कर कॉपोर्रेट को सस्ते दामों पर देने हेतु औने- पौने भाव में किसानों से जमीन खरीदने की सरकार की गंदी साजिश को किसान भली-भांति समझ रहे थे। संयुक्त किसान मोर्चा, बिहार ने सरकार से मांग की है कि सरकार अविलंब चौसा,कैमूर,बिहटा सहित सभी इलाकों में नए सिरे से जमीन का कीमत निर्धारित कर बाजार दर से चार गुणा मुआवजे की भुगतान करे। इसके लिए 26 नवंबर को सभी जिला मुख्यलियों पर किसान अपनी मांगों को जोरदार ढंग से उठाएंगे।

शहर के प्रसिद्ध डायबिटोलॉजिस्ट डॉ. ए० अहमद डायबिटीज अधिवेशन से लौटने पर लोगों ने किया भव्य स्वागत

प्रातः किरण संवाददाता

आरा। शहर के प्रसिद्ध डायबिटोलॉजिस्ट डॉक्ट्र एक्ट्र अहमद ,दिल्ली, के द्वारका स्थित यशोभूमि में आयोजित डायबिटीज अधिवेशन रिसर्च सोसायटी फॉर स्टडी डायबिटीज इन इंडिया में शामिल होकर लौट आए। इस अधिवेशन में पूरे देश के हर कोने से करीब 10,000 डेलिगेट, स्पीकर , शामिल होकर अपने ज्ञान का आदान-प्रदान किया । अधिवेशन से लौटकर डॉ. अहमद ने बताया कि डायबिटीज बहुत तेजी से बढ़ता जा रहा है। भारत अब डायबिटीज का कैपिटल बनता हुआ नजर आ रहा है अब तो कम उम्र के लोगों को भी यह रोग बहुत तेजी से फैल रहा है ।इसके इलाज में मरीज को भी काफी सक्रिय एवं सचेत रहना चाहिए ,मधुमेह को नियंत्रण के लिए दवा के साथ-साथ खानपान पर नियंत्रण , समय पर खाना ,शारीरिक सक्रियता भी काफी जरूरी है। लोग सुबह में अवश्य एक घंटा टहलना या योगा ,कसरत करें एवं साग सब्जी, फल सलाद ज्यादा से ज्यादा ले तथा नियत समय पर नियमित मात्रा में खाना खाएं।

लाइफ स्टाइल मोडिफिकेशन मधुमेह को नियंत्रण रखने का मूल मंत्र है ' अब तरह तरह की नइ दवाइयां, इंसुलिन के साथ आर्टिफिशियल पेनक्रियाज, पेनक्रियाज ट्रांसप्लांट का भी प्रचलन बढ़ रहा है। मगर फिर ही संयम एवं सक्रियता बहुत जरूरी है। क्योंकि डायबिटीज कई रोगों को जन्म देता है। यह मदर डिजीज है ' खासकर यह आंख, किडनी हार्ट को प्रभावित करता है।

जगदीशपुर प्रखंड के गंगाजल डिहरी निवासी गोलगप्पा व्यवसायी श्यामबाबू शाह के हत्यारे को अविलंब गिरफ्तार करें जिला प्रशासन:व्यवसायी संघ

सरकार आराधियों पर लगाये विराम :रामेश्वर साह

प्रातः किरण संवाददाता

आरा । व्यवसायी संघ भोजपुर के सम्मानित जिलाध्यक्ष रामेश्वर साह ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि जगदीशपुर प्रखंड के गंगाजल डिहरी निवासी गोलगप्पा-छोला व्यवसायी गुप्तेश्वर शाह का कल रात्रि में उनकी हत्या कर दी गई,इस हत्याकांड की व्यवसायी संघ भोजपुर ने कड़े शब्दों में निंदा करते हुए अपराधियों को अभिलंब गिरफ्तार करने की मांग की है!व्यवसायी संघ के जिला अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह ने कहा कि नीतीश कुमार की सरकार में आए दिन अपराधियों का मनोबल लगातार बढ़ रहा है जिले में व्यवसायियों के साथ इस तरह की घटनाएं लगातार बढ़ रही है !व्यवसायियों के रंगदारी,हत्या लूट आम बात हो गई है। नीतीश कुमार की सरकार में व्यवसायी सुरक्षित नहीं है !जगदीशपुर प्रखंड के गंगाजल डिहरी निवासी गुप्तेश्वर शाह रोज दिनों की तरह ठेला पर गोलगप्पा-चोला बेचते थे और अपनी ठेला पर छोला लेकर कटाईबोझ गांव गए थे लेकिन उधर से लौटते समय इसी बीच रात्रि में अपराधियों ने धारदार तरीके से हमला कर उनकी हत्या कर दी। आगे व्यवसायी संघ भोजपुर के सम्मानित जिलाध्यक्ष रामेश्वर साह ने कहा कि श्यामबाबू शाह के हत्यारों को जिला प्रशासन अविलंब गिरफ्तार करे और उनके मृतक के परिजनों को 10 लाख रुपया मुआवजा एवं अपराधियों के खिलाफ स्पीडी ट्रायल चला कर कड़ी से सजा देने एवं उनके परिजनों को सुरक्षा प्रदान करने की मांग की है !हत्यारों को गिरफ्तार करने की मांग करने वालों में व्यवसायी संघ भोजपुर के जिलाध्यक्ष सुरेंद्र प्रसाद सिंह,कार्यालय सचिव कृष्णरंजन गुप्ता,उपसचिव उमाशंकर यादव,कोषाध्यक्ष कृष्ण प्रसाद केसरी, उपाध्यक्ष सुनील कुमार नैयर,उपसचिव कलीमुद्दीन,सह सचिव शहाबुद्दीन,उपाध्यक्ष राजनाथ राम,सहसचिव श्रीनिवास यादव,सतीश गुप्ता,शिवजी वैश्य आदि शामिल थे!

भोजपुर पुलिस अधीक्षक ने ऑपरेशन मुस्कान के तहत चोरी एवं गुम हुए मोबाइल धारकों को लौटाया मोबाइल

आरा:भोजपुर पुलिस अधीक्षक श्री राज ने अपने कार्यालय में ऑपरेशन मुस्कान के तहत भोजपुर में चोरी एवं गुम हुए मोबाइल फोन मोबाइल धारकों को लौटाया गया मोबाइल धारकों को मोबाइल मिलने पर भोजपुर पुलिस को इसके लिए शुक्रिया कहा और कहा कि बहुत अच्छी पहल है हम जिला प्रशासन को इसके लिए हम बहुत-बहुत धन्यवाद देते हैं कि हम लोग को मोबाइल चोरी एवं गुम हुए मोबाइल प्राप्त हुआ मोबाइल धारकों को मोबाइल मिलने पर उनके चेहरे पर खुशी देखने को मिली। ऑपरेशन मुस्कान के तहत लोगों के चोरी/गुम हुए 96 मोबाईल (अनुमानित कीमत 17 लाख 28 हजार रुपये) को बरामद कर उनके वास्तविक धारकों को सौंपा गया।इस अवसर पर एएसपी प्राचीय कुमार अन्य पुलिस पदाधिकारी मौजूद थे।

भोजपुर पुलिस अधीक्षक श्री राज ने रात में किया भोजपुर क्षेत्र में दौरा

प्रातः किरण संवाददाता

आरा । भोजपुर पुलिस अधीक्षक श्री राज ने रात्रि पहर आरा शहर में अपराध नियंत्रण, विधि-व्यवस्था संधारण और यातायात नियमों के सख्त अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए खुद एसपी ने लगाया वहां चेकिंग अभियान सभी वाहनों को चेकिंग किया जा रहा था।

इस अभियान के दौरान स्वयं पुलिस अधीक्षक भोजपुर ने क्षेत्र का दौरा कर अभियान का निरीक्षण और मार्गदर्शन किया। भोजपुर एसपी ने बताया कि या अभियान हमेशा चलता रहेगा मेरा पहली प्राथमिकता है अपराध पर अंकुश लगाना और यातायात को सुचारू रूप चलाने कि बात कही और आप लोगों को जाम से मुक्ति दिलाना भोजपुर एसपी गश्ती दल को भी निरीक्षण किया सभी आने जाने वाहनों का चेकिंग किया जा रहा था

पत्रकारों की शहादत बेकार नहीं जाएगी : जगनारायण पाण्डेय

प्रातः किरण संवाददाता

डेहरी (रोहतास) लाख चुनौतियां आए, लेकिन पत्रकारिता के दौरान एक सफल पत्रकार अपनी जिम्मेवारी निभाता रहता है। ऐसे में पत्रकारों की शहादत बेकार नहीं जाएगी। उक्त बातें मंगलवार की शाम पाली रोड स्थित एक निजी होटल में रोहतास जर्नलिस्ट एसोसिएशन द्वारा आयोजित पत्रकार स्मृति दिवस समारोह में पत्रकारों ने कही। संरक्षक सुरेंद्र तिवारी ने कहा कि जिले में अब तक पत्रकार रामबचन पांडेय, बच्चा सिंह, विजय सिंह, धर्मेंद्र सिंह की हत्या अपराधियों ने कर दी थी। किंतु उन बहादुर शहीद पत्रकारों की शहादत बेकार नहीं जाएगी। संघर्षों के बीच पत्रकार अपनी पत्रकारिता करते रहेंगे। अशोक पांडेय ने कहा कि उन्हें गर्व है, कि उनके पिता स्व रामबचन पांडेय ने समाचार लिखते हुए अपनी शहादत दे दी। जब हत्या हुई, थी उस दिन भी वे सिस्टम में भ्रष्टाचार के खिलाफ कलम चला रहे थे। पत्रकार जगनारायण पांडेय समेत अन्य ने कहा कि प्रत्येक वर्ष मनाए जाने वाले अंतरराष्ट्रीय पत्रकार स्मृति दिवस पर हम वीर शहीद पत्रकारों को याद करते हैं। इस प्रकार के आयोजन लगातार होने से पत्रकारों को संगठित होने का अवसर भी मिलता है। सभी पत्रकारों ने अबतक शहीद हुए पत्रकारों की याद में दो मिनट का मौन रखकर उनकी आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। साथ ही शहीद पत्रकार स्वर्गीय राम बच्चन पांडेय के पुत्र अशोक पांडेय को डायरी वस्त्र देकर सभी पत्रकारों द्वारा सम्मानित किया गया। संचालन पत्रकार कमलेश कुमार ने किया। समारोह में अन्य लोगों के अलावा अध्यक्ष रवि कुमार, प्रोफेसर अनिल सिंह, अरुण सिंह, शशि रंजन कुमार, रामजी रंजन, रूपेश कुमार, सच्चितानंद त्रिपाठी, इरफान कुरैशी, चितरंजन कुमार समेत अन्य पत्रकार शामिल थे।

भाजपा द्वारा किया गया विधानसभा स्तरीय बैठक

प्रातः किरण संवाददाता

बिक्रमगंज(रोहतास) : भारतीय जनता पार्टी काराकाट 213 विधानसभा की बैठक पूर्व विधायक राजेश्वर राज के बिक्रमगंज स्थित आवास पर सम्पन्न हुई। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में क्षेत्रीय सह प्रभारी शाहाबाद अशोक भट्ट जी उपस्थित थे। बैठक की अध्यक्षता जिला महामंत्री सह विधानसभा प्रभारी विजय सिंह और संचालन विधानसभा संयोजक अखिलेश पांडेय ने किया। धन्यवाद ज्ञापन धनंजय ने किया।बैठक को संबोधित करते हुए अशोक भट्ट ने कहा कि आगामी 30 नवंबर तक 350 बूथों पर बूथ समिति बनाने के लिए विधानसभा अंतर्गत 42 शक्तिकेंद्रों के प्रभारी की नियुक्ति की जाएगी। जो अपने शक्तिकेंद्र अंतर्गत अपने सभी बूथों पर बूथ अध्यक्ष और 11 सदस्यीय समिति बनवाने का काम करेंगे। उन्होंने कहा कि ये बूथ पर 12 सदस्यीय समिति अपने बूथों पर 50 सदस्य जोड़ने का काम करेंगे। यही बूथों की फौज आगामी विधानसभा 2025 में काराकाट विधानसभा में जीत को सुनिश्चित करेगी। जिला महामंत्री विजय सिंह ने प्राथमिक सदस्यता पूर्ण करने और प्रत्येक मंडल में कम से कम 100 सक्रिय सदस्य बनाने के लक्ष्य को जल्द से जल्द पूरा करने का निवेदन किया। साथ ही साथ विधानसभा बैठक में अपेक्षित उपस्थिति का वृत लिया। आने वाले 2025 विधानसभा में कार्यकताओं से पूरे जोश और उत्साह के साथ संगठन की मजबूती पर बल दिया।प्रदेश प्रवक्ता संजीव मिश्रा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के डबल इंजन की सरकार में चल रही जनकल्याणकारी योजनाओं की कार्यकताओं को विस्तृत रूप से जानकारी दी। बैठक में मुख्य रूप से ओ बी सी मोर्चा जिलाध्यक्ष नवीनचंद्र साह, अनुसूचित जनजाति मोर्चा जिलाध्यक्ष वकील खरवार, प्रोटोकॉल प्रकोष्ठ जिला संयोजक रितेश राज, दिव्यांग प्रकोष्ठ रोहतास जिला अध्यक्ष मुन्ना पाण्डेय ,विधानसभा पालक धनंजय सिंह, मंडल अध्यक्ष नागेश्वर कुशवाहा, ललित मोहन सिंह, सत्येंद्र पाठक, अजीत सिंह, सत्येंद्र बजरंगी, युवा मोर्चा काराकाट अध्यक्ष विवेक सन्नी ,महिला मोर्चा नगर अध्यक्ष रूबी देवी, गुड़िया देवी,रजनी कान्त पाण्डेय राजेश कुशवाहा, सुदर्शन गुप्ता, इंद्रदेवजी, बिनोद मिश्रा, गौतम तिवारी, पंकज कुमार, जलालुद्दीन, दिवाकर द्विवेदी, रवि भास्कर, मंगल, विजय सिंह, समीर गुप्ता, अरविंद पांडेय, कुश पांडेय, भरत कुशवाहा ,रजनीश पांडेय सहित कई भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

राजद के प्रदेश महासचिव ने धान की खरीदारी को लेकर लगाया बिहार सरकार पर निशाना

भोजपुर:राजद के प्रदेश महासचिव मनोज सिंह ने कहा बिहार में एनडीए के सरकार में बैठे लोगों को गांव किसान मजदूर से कुछ लेना-देना नहीं हैआज लगभग पूरे जिला में 10 से 15 दिनों से धान की कटनी चल रही है लेकिन सरकार पूरी तरह से फेल है कहीं धान की खरीदारी नहीं हो रही है किसान त्राहिमाम है और बेचौलियों के हाथों औने पौने दामों में धान बेचने के मजबूर हैं लोगों का घर में लग्न का भी दिन है शादी ब्याह भी है इसलिए किसान मजबूर हैं बिचौलियों के माध्यम से धान बेचने के लिए जिले में बैठे आल्हा अधिकारियों और सरकार के प्रतिनिधियों से कहना चाह रहे हैं की जितना जल्द हो धान की खरीदारी करवाय नहीं तो आंदोलन होगा हरियाणा पजाबं के तरह यहाँ भी धान का रेट मिलना चाहिए यहां का रेट भारत सरकार और राज्य सरकार को पुनः विचार करके बढ़ाना चाहिए क्योंकि यहां वहां से ज्यादा खर्च है खेती करने में ऊपर से उड़िया और डायरिया खाद नहीं मिल रहा है बोअननी काम चल रहा है किसानों को नहीं मिल रहा है ब्लैक रेट पर लेना पड़ रहा है जब महा गठबंधन का सरकार था तो खाद की कोई परेशानी नहीं हो रही थी लेकिन जैसे ही एनडीए के सरकार आ जाती है खाद ब्लैक होने लगता है एनडिए सरकार किसान और नौजवान विरोधी है और सरकार पूरी तरह से, फेल है।

एटीएम गिरोह का पुलिस ने किया भंडाफोड़ दो अपराधी गिरफ्तार

बगहा।बगहा के रामनगर में एटीएम फ्रॉड गिरोह का भंडाफोड़ पुलिस द्वारा किया गया है।वहीं इस गिरोह के दो अपराधी गिरफ्तार किए गए हैं।ये दिनों अपराधीसतीश कुमार घुघली यूपी और असलम हुसैन आदापुर मोतिहारी निवासी बताए जा रहे हैं। गिरफ्तार अपराधी के पास से अपाची बाइक के साथ 49 इंडियन नेपाली एटीएम बरामद किया गया है।

हरिनगर सुगर मिल्स एटीएम के समीप रामनगर पुलिस की कार्रवाई में ये दोनों अपराधी गिरफ्तार किए गए है। बतादें की इलाके में बढ़ती एटीएम फ्रॉड की घटनाओं के बाद एक्शन मॉड में पुलिस आई थी । एसडीपीओ नंदजी प्रसाद के नेतृत्व में पकड़े गए अपराधियों से पूछताछ की जा रही है।

बरडीहां गांव में एक वुजूर्ग की ईंट से मारकर की गई हत्या

प्रातः किरण संवाददाता

कच्छवाँ (रोहतास) नासरीगंज थाना क्षेत्र के बरडीहां गांव में एक व्रिध को ईंट से मारकर हत्या गांव के ही युवक ने किया। मृतक उक्त गांव निवासी 70 वर्षीय बजरंगी साव हैं। घटना के विषय में परिजनों ने बताया कि दोपहर में पूर्व की भांति बरडीहां मोड़ पर अपने पुत्र सन्तोष कुमार के मिठाई की दुकान पर जा रहे थे कि उसी समय गांव का ही राधेश्याम पाल का पुत्र सर्वजीत पाल ने ईंट से प्रहार कर लहूलुहान कर दिया जिससे वह मूर्छित होकर गिर गये। सूचना पर पहुंचे परिजन इलाज के लिए निजी क्लिनिक ले जाने के क्रम में रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। घटना को अंजाम दे युवक फरार होने में सफल रहा। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए उक्त युवक को अकोढ़ी गोला थाना क्षेत्र के खपड़ा गांव से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। घटना स्थल पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में ले पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया है। मृतक अपने पीछे तीन पुत्र और एक पुत्री समेत भरा पूरा परिवार छोड़ गये हैं। इस सम्बंध में थानाध्यक्ष अमित कुमार ने बताया कि त्वरित कार्रवाई करते हुए बरडीहां गांव निवासी ही हत्यारे युवक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। थानाध्यक्ष ने घटना के कारण के सम्बंध में बताया कि मृतक उक्त युवक बराबर लड़ाई झगड़ा करने से मना करता था जिसपर गुस्से में आकर इसने ईंट से प्रहार कर दिया जिससे उनके सर में गम्भीर चोट आई जिससे उनकी मौत हो गई वहीं परिजनों ने घटना का कोई मुख्य कारण नहीं बताया है। उक्त घटना को ले गांव में चर्चा का विषय बना हुआ है। वहीं पुलिस हत्यारे युवक को त्वरित कार्रवाई करते हुए घटना के कुछ ही घण्टे बाद छापामारी कर गिरफ्तार कर लिया।

भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी किशोरियों एवं महिलाओं के लिए आयोजित करेगा स्वास्थ्य जांच शिविर

भोजपुर जिला इकाई एवं पटना आब्स गायनी सोसायटी के संयुक्त तत्वाधान में 23 नवंबर को होगा आयोजित

प्रातः किरण संवाददाता

आरा । भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी भोजपुर जिला इकाई एवं पटना आब्स गायनी सोसायटी के संयुक्त तत्वाधान में भोजपुर जिले की महिलाओं के स्वास्थ्य से संबंधित समस्याओं के निदान तथा जागरूकता के लिए दिनांक 23 नवंबर 2024 को रेड क्रॉस सोसाइटी कार्यालय दक्षिणी रमना रोड में किशोरियों एवं महिलाओं के लिए स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस स्वास्थ्य जांच शिविर में पटना के प्रसिद्ध वरीय स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉक्टर अलका पांडे, डॉक्टर मीना सामंत, डॉ रुमा गोस्वामी, डॉक्टर रूपम के साथ-साथ स्थानीय वरिष्ठ महिला चिकित्सक डॉक्टर सविता रुंगटा, डॉक्टर निर्मला वर्मा, डॉक्टर संगीता सिंह, एवं डॉ राखी अग्रवाल के अतिरिक्त अन्य स्त्री रोग विशेषज्ञ भी अपनी सहभागिता निभाएंगीं। कार्यक्रम का उद्देश्य वर्तमान समय में किशोरियों के अंदर स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं और स्त्री जनित रोगों के विषय में फैली हुई भ्रांतियों तथा महिलाओं में विभिन्न प्रकार की बीमारियों के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। सही जानकारी के अभाव में ये बढ़ती जा रही है इसके कारण एवं निवारण के लिए ही इस स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया है। इस शिविर में महिलाओं का ब्लड शुगर ,हीमोग्लोबिन, ब्लड प्रेशर, एवं हड्डी से संबंधित जांच भी की जाएगी। यह शिविर बिल्कुल निशुल्क होगा जिसमें जिले की कोई भी महिला अपने स्वास्थ्य से संबंधित जानकारी प्राप्त कर सकती है। यथासंभव शिविर में दवाओं का भी वितरण किया जाएगा। स्वास्थ्य शिविर दिनांक 23 नवंबर 2024 को रेड क्रॉस भवन रमन रोड में सुबह 10:00 बजे से शुरू होगा 10:00 बजे से रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी तत्पश्चात जांच की प्रक्रिया की जाएगी एवं संध्या 3:00 बजे तक यह कार्यक्रम चलता रहेगा। इस पूरे कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी स्वास्थ्य जांच समिति रेड क्रॉस की तरफ से डॉ एस के रुंगटा,डॉक्टर सविता रूंगटा, डॉ राखी अग्रवाल एवं सचिव विभा कुमारी के द्वारा वृस्तृत दी की गई। इस अवसर पर अधिक से अधिक संख्या में महिलाओं की भागीदारी को सुनिश्चित करने पर भी बल दिया गया।आज के प्रेस कांफ्रेंस में उपसंरक्षक मोहम्मद जब सरफराज अहमद एवं पूर्व वाइस चेयरमैन डॉ निर्मल सिंह भी उपस्थित रहे जिन्होंने भोजपुर जनपद के लोगों से आग्रह किया कि अधिक से अधिक संख्या में अपने परिवार की महिलाओं को इस निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का लाभ उठाने में सहयोग प्रदान करें। स्वास्थ्य के साथ-साथ निशुल्क संभावित दवावों का विवरण किया जाएगा।

किसानों को दी गयी खरीफ फसल की जानकारी

प्रातः किरण संवाददाता

संझौली(रोहतास)। संझौली प्रखंड स्थित ई-किसान भवन प्रांगण में बुधवार को प्रखंड स्तरीय रबि फसल कर्मशाला सह प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें कई किसान शामिल हुए। उद्घाटन बीडीओ प्रभा कुमारी, केवीके कृषि विज्ञानिक शोभा रानी,अनुमंडल कृषि पदाधिकारी मधुरेन्द्र कुमार,एडीएओ रसायन नईम नूरानी,बीपीआरओ श्वेता कुमारी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। अधिकारियों ने जलवायु परिवर्तन, जैविक खेती,समेकित कृषि प्रणाली, मिट्टी जांच,उद्यान से संबंधित योजनाओं व बीज वितरण पर विस्तृत चर्चा किया। रवि फसल के तकनीकी तथा बुआई से लेकर गेहूं, चना, मसूर व सरसों आदि कृषि विभाग द्वारा चलाए जा रहे योजनाओं के बारे में किसानों को जानकारी दी गयी। फसल अवशेष नहीं जलाने, जीरो टिलेज व हैप्पी सीडर से गेहूं की बुआई पर विशेष बल दिया। फसल खेती से सम्बन्धित समस्याओं का निराकरण तथा कीट पतवार के बारे में किसानों को सुझाव दीए गए। मौके पर बीसीओ माजिद अंसारी,बीएसओ दीपक कुमार दीपांकर, कृषि समवन्यक अखिलेश कुमार, सहायक तकनीकी प्रबंधक अर्चना कुमारी सहित दर्जनों किसान उपस्थित थे।

केन्द्रीय खेल मंत्री एवं उप मुख्यमंत्री ने विष्णु पद मंदिर में पूजा अर्चना किया और कहा :

खेल में भारत सर्वोच्च स्थान पर आएगा: मनसुख मांडविया

प्रातः किरण संवाददाता

गया।गया जी से राजगीर के अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम में वीमेंस एशिया हॉकी फाइनल से पहले केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया और डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी गया पहुंचे है, यहां उन्होंने शहर के प्रसिद्ध विष्णुपद मंदिर में माथा टेका है तुलसी पुजन कर भारत के विजयी होने की प्रार्थना की है ।इसके बाद दोनों ने फल्गु नदी पर बने रबर डैम का भी निरीक्षण किया गया हैं केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा कि खेलों में हार-जीत से ज्यादा खेल भावना बहुत ही अहम है ।स्पोर्ट्स में कोई हारता नहीं है ,प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की योजना है कि जब भारत 2047 में अपनी आजादी के शताब्दी वर्ष का जश्न मना रहा होगा, तब देश खेल जगत में दुनिया के टॉप-5 देशों में शामिल हो, इसके लिए खेलो इंडिया प्रोजेक्ट के तहत जमीनी स्तर पर खिलाड़ियों को पहचान कर उन्हें विश्वस्तरीय कोचिंग दी जा रही है, दुनिया में कई बेहतर कोच है, हमलोगों का प्रयास है कि उन्हें भारत लाकर खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण दिलाया जाए जिससे वे विदेश में जाकर बेहतर प्रदर्शन कर सकें। उनके साथ में डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने बोधगया के विकास को लेकर बड़ा ऐलान भी किया है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने विष्णुपद मंदिर कॉरिडोर परियोजना का काम शुरू कर दिया है,टेंडर निकाल दिए गए हैं और डीपीआर तैयार कर केंद्र को भेजी जाएगी. यह परियोजना प्रधानमंत्री की प्राथमिकता में है और इसे काशी कॉरिडोर की तर्ज पर विकसित किया जाएगा।

डिप्टी सीएम ने कहा कि बुधवार को 1.14 लाख शिक्षकों को नियुक्ति-पत्र दिए गए हूं। आगे बताया कि राज्य के कुछ जिले में आचार संहिता लागू होने के कारण करीब 25 हजार शिक्षकों की नियुक्ति प्रक्रिया रुकी हुई है ।जिसमे गया भी शामिल है। जिसे जल्द पूरा किया जाएगा।

उन्होंने यह भी तंज किया कि अब कोई यह नहीं कहेगा कि क्वालिटी नहीं है ।अब हमारे पास क्वालिटी के साथ क्वांटिटी भी है। गया अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर जिला अध्यक्ष प्रेम प्रकाश चिंटू, अजय कुशवाहा, डॉ मनीष पंकज मिश्रा,सुनिल बंम्बयीया और अनंत धीश अमन ने भव्य स्वागत किया है।

डीएम ने मंत्री के कार्यक्रम स्थल का किया निरक्षण

गया। नितिन गडकरी, केंद्रीय मंत्री भारत सरकार का कल दिनांक 21 नवंबर 2024 को संभावित गया बोधगया परिभ्रमण कार्यक्रम के अवसर पर जिला पदाधिकारी गया डॉ० त्यागराजन एसएम ने प्रस्तावित संबंधित स्थलों पर पहुंचकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया है ।गया एयरपोर्ट से सीधे वो महाबोधि कन्वेंशन सेंटर जाएंगे एवं मगध विश्वविद्यालय की ओर से आयोजित कार्यक्रम में शिरकत होंगे। उसके पश्चात सड़क मार्ग से वह सीधे मगध विश्वविद्यालय मुख्य गेट के सेट दूसरे छोर पर बनाए गए भव्य पंडाल में नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित कार्यक्रम एवं आमसभा को संबोधित करेंगे। जिला पदाधिकारी ने संबंधित पदाधिकारी को निर्देश दिया है कि डी- एरिया के साथ-साथ स्टेज की मजबूती हर हाल में जांच कर ले। जिस स्तर का भी प्रोटोकॉल हैं।

प्रभारी मंत्री के द्वारा 1475 विशिष्ट शिक्षकों के बीच नियुक्ति पत्र वितरण किया गया

प्रातः किरण संवाददाता

अरवल। मंत्री-सह-पिछड़ा वर्ग एवं अति पिछड़ावर्ग, कल्याण विभाग, बिहार सरकार के मंत्री हरि सहनी एवं गया के शिक्षक निर्वाचन के विद्यान परिषद् सदस्य जीवन कुमार की अध्यक्षता में जिला पदाधिकारी कुमार गौरव की गरिमामय उपस्थिति में 1475 विशिष्ट शिक्षकों का नियुक्ति पत्र वितरण समारोह का शुभारंभ द्वीप प्रज्जवलित कर किया गया। अरवल जिला के सभी प्रखंड के कुल 205 शिक्षक/शिक्षिका जो कक्षा 1-5, 6-8, 9-10, 11-12 कक्षा में पढ़ाने वालो की नियुक्ति पत्र वितरण इन्डोर स्टेडियम, अरवल में की गई, शेष 1270 शिक्षकों का नियुक्ति पत्र प्रखंड मुख्यालय में अरवल 290, कुर्था 230, करपी 422, कलेर- 153 एवं सोनभद्र वशी सूर्यपुर 194 प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी एवं जनप्रतिनिधि के द्वारा वितरण किया गया, जिसमें 1216 प्राथमिक शिक्षक, 201 माध्यमिक शिक्षक एवं 58 उच्च माध्यमिक शिक्षक थे।

जिला स्तरीय वितरण समारोह में जिला प्रशासन के वरीय पदाधिकारी, जिला शिक्षा पदाधिकारी बिन्दु कुमारी, जिला कार्यक्रम स्थापना एवं समग्र शिक्षा नीरज कुमार एवं जिला कार्यक्रम पदाधिकारी माध्यमिक शिक्षा दीपक कुमार सिन्हा के द्वारा चयनित विशिष्ट शिक्षकों को नियुक्ति पत्र वितरण किया गया। 20 सूची कार्यक्रम के जिला उपाध्यक्ष, अपर समाहर्ता, उप विकास आयुक्त, अनुमंडल पदाधिकारी के साथ अन्य गणमाण्य व्यक्ति गण उपस्थित थे।

टेकारी थाना क्षेत्र से एक बाल श्रमिक को विमुक्त कराया गया

प्रातः किरण संवाददाता

गया।श्रम संसाधन विभाग बिहार के निर्देश के आलोक में श्रम अधीक्षक गया महेश चंद्र झा के निर्देशन पर जिले के विभिन्न जगहों पर बाल श्रम विमुक्ति हेतु गठित धावा दल द्वारा लगातार कार्य किया जा रहा है। इसी आलोक में टेकारी थाना क्षेत्र अंतर्गत बस स्टैंड में स्थित नेजाम मिस्त्री के गैराज से एक बाल श्रमिक को विमुक्त कराया गया है । इसके साथ ही श्रम अधीक्षक महेश चंद्र झा द्वारा यह स्पष्ट किया गया कि यह अभियान गया जिला में लगातार क्रियाशील रहेगा ' बाल एवं किशोर श्रम प्रतिषेध एवं विनियमनअधिनियम, 1986 के अनुसार 14 वर्ष से कम आयु वर्ग से काम कराना संज्ञेय अपराध की श्रेणी में आता है ।

नियोजक नेजाम मिस्त्री के विरूद्ध थाने में प्राथमिकी दर्ज करने हेतु आवेदन दी गई है ।जबकि विमुक्त बाल श्रमिक को बाल कल्याण समिति गया के समक्ष उपस्थापित कर उसे बाल गृह में रखा गया है ।आज के धावा दल का नेतृत्व श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी टेकारी रोहित कुमार ने किया है । इस मौके पर रेणु कुमारी श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी गुरारू ,राजेश कुमार श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी कोंच ,प्रयास संस्था गया के जिला समन्वयक देवेन्द्र कुमार मिश्रा एवं टेकारी थाने से पुलिस बल मौजूद थे ।

राष्ट्रीय लोक अदालत में सफलता के लिए बिजली विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए गए

प्रातः किरण संवाददाता

गया।14 दिसंबर,24,को होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत के सफल आयोजन के लिए आज बुधवार को 20.24, को बिजली मामले के निष्पादन हेतु स्पेशल विधुत न्यायालय, गया में प्रभारी विधुत न्यायालय सह अपर जिला सत्र न्यायाधीश 12 विजय किशोर सिंह की अध्यक्षता एवम सचिव अरविंद कुमार दास के दिशानिर्देश में विद्युत विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक हुई है।इस बैठक में प्रभारी न्यायाधीश ने उपस्थित बिजली विभाग के अधिकारियों सें बिजली विभाग के न्यायालय में लंबित मामलों में कम्पाउन्डीग फी जमा लेने एवं दिनांक 2 दिसंबर से 12 दिसंबर के बीच प्रि-सिटिंग माध्यम से अधिक से अधिक वादों का निष्पादन करने का निर्देश दिया गया है ।इस बैठक में उपस्थित विद्युत विभाग के अधिकारियों ने आश्वासन देते हुए कहा कि वे अधिक से अधिक प्रकरणों के निराकरण में सहयोग प्रदान करेंगे एवं शासन द्वारा दी जाने वाली छूट का व्यापक प्रचार प्रसार करेंगे। इसके साथ ही सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार ने आमजनों से अपील की है। विजली कोर्ट में लम्बित मामलों का कम्पाउन्डींग फ्री 2 दिसंबर से 12 दिसंबर तक जमाकर इस राष्ट्रीय लोक अदालत का फायदा उठाएं।

इस मौके पर बिजली विभाग के अधिकारी सोहेल अहमद,अनिल कुमार भारती, राजेश कुमार, सैयद अली इमाम, अभय कुमार सिंह, समरजीत कुमार, विनोद कुमार चौधरी, निशांत कुमार, अजीत कुमार, रविशंकर सिंह, राघवेंद्र कुमार, चंदन कुमार, एवम अन्य विद्युत विभाग के पदाधिकारीगण , विद्युत न्यायालय के कर्मचारी आशीष कुमार , प्रभात कुमार,अमित राज , अजय कुमार उपस्थित थे।

मैरेज हॉल में समारोह के दौरान हर्ष फायरिंग हुई तो होगी कार्रवाई : थानाध्यक्ष

कुर्था (अरवल) शादी विवाह समेत कोई भी उत्सव के दौरान शादी विवाह भवन मैरिज हॉल में किसी ने हर्ष फायरिंग की तो मैरिज हॉल के मालिक पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उक्त बातें बुधवार को कुर्था थाना क्षेत्र के विभिन्न मैरिज हॉलो का भौतिक सत्यापन करने के दौरान कुर्था थानाध्यक्ष सुरेंद्र कुमार ने कहीं उन्होंने कहा कि हॉल के संचालक समारोह के दौरान हर्ष फायरिंग अस्त्र-शस्त्र का प्रदर्शन धूम्रपान से संबंधित चेतावनी मध्य निषेध से संबंधित चेतावनी इत्यादि का सूचना पट अपने-अपने मैरिज हॉल में प्रदर्शित करें और आयोजकों से भी एक लिखित रूप से यह सर्त ले ले की कार्यक्रम के दौरान किसी भी तरह के हर्ष फायरिंग नहीं किया जाएगा साथ ही मैरिज हॉल में अस्त्र-शस्त्र का प्रदर्शन धूम्रपान मध्य निषेध का सेवन भी नहीं किया जाएगा लेकिन उन्होंने कहा कि अगर कार्यक्रम के दौरान किसी भी मैरिज हॉल में इस तरह के शिकायत पाए गए तो हॉल के संचालकों पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी इस मौके पर थानाध्यक्ष के अलावा कई पुलिसकर्मी शामिल थे।

बदलते मौसम में भी श्रीराम सुपर 5 एसआर 05 और 303 गेहूं बीज से मिल रहे किसानों को सबसे बेहतर परिणाम

प्रातः किरण संवाददाता

पटना, बिहार में गेहूं की खेती में श्रीराम फार्म सॉल्यूशंस द्वारा विकसित श्रीराम सुपर 5 एसआर 05 और श्रीराम सुपर 303 गेहूं बीजों ने उल्लेखनीय परिवर्तन लाया है। इन उन्नत किस्मों ने किसानों के बीच उच्च उपज, रोग प्रतिरोधकता और विभिन्न जलवायु परिस्थितियों में अनुकूलता के लिए ख्याति प्राप्त की है। श्रीराम फार्म सॉल्यूशंस के विश्वविख्यात गेहूं वैज्ञानिकों द्वारा तैयार की गई गेहूं की किस्में, श्रीराम सुपर 5 एसआर 05 और श्रीराम सुपर 303, इनकी अनुकूलन क्षमता और बेहतरीन उत्पादकता के चलते किसानों में बहुत लोकप्रिय हैं। सबसे खास बात यह है कि बदलती प्रकृति से उभरी नई-नई चुनौतियों में भी इन किस्मों का परिणाम श्रेष्ठ है। अधिक तापमान और बीमारियों के प्रति सहनशीलता, कल्लों की संख्या अधिक, बड़े-सुनहरे दाने, उपयुक्त फसल की ऊंचाई और गिरने की समस्या कम होने के कारण ये बिहार, उत्तर प्रदेश, पंजाब और हरियाणा में गेहूं के किसानों की पहली पसंद बन रहे हैं।

बिहार के कुछ क्षेत्र में धान की फसल कटने पर गेहूं की देर से बुवाई होती है, इस कारण इस क्षेत्र के किसानों की प्रति एकड़ गेहूं की उपज देश के अन्य प्रांतों की अपेक्षा बहुत कम है। श्रीराम सुपर 303 गेहूं की किस्म कम अवधि में भरपूर उत्पादन देने के साथ बीमारियों के प्रति भी सहनशील है।

आवदेश पासवान, कटिहार से एक किसान का कहना है कि श्रीराम सुपर

5 एसआर 05 में कई विशेषताएं देखने को मिली, जैसे अधिक कल्लों की संख्या (12-14 कल्ले प्रति पौधा), वजनदार लंबी बालियां, 75-80 दाने प्रति बाली और अधिक उपज क्षमता। पौधे की उपयुक्त ऊंचाई 88-90 से.मी. होने की वजह से इसमें गिरने की शिकायत नहीं आती। इस साल मार्च महीने में अचानक अधिक तापमान होने के बावजूद श्रीराम सुपर 5 एसआर 05 की अधिक उत्पादकता और बेहतर गुणवत्ता वाली फसल को देखकर वे बेहद प्रसन्न हैं और इस वर्ष भी श्रीराम सुपर 5 एसआर 05 गेहूं बीज की ही बुवाई करेंगे ।बिहार के अन्य किसान श्रीराम सुपर 303 गेहूं बीज बोने से भी इसी तरह की सफलता पा रहे हैं। नालंदा के श्याम नारायण सिंह ने पिछले साल अपने 3 एकड़ खेत में श्रीराम सुपर 303 गेहूं बीज की बुवाई की थी ।उनका कहना है कि इसमें कल्लों की संख्या अधिक है, और एक बाली में 70-75 दाने निकलते है। श्रीराम सुपर 303 गेहूँ से उन्हें 20-22 क्विंटल प्रति एकड़ उपज प्राप्त हुई। उपज की उच्च गुणवत्ता के कारण इसका बाजार भाव भी उन्हें ज्यादा मिला और श्रीराम सुपर 303 से उन्हें 5000-6000 रुपये प्रति एकड़ का अतरिक्त मुनाफा प्राप्त हुआ। अगले साल श्याम अपनी पूरी जमीन पर श्रीराम सुपर 303 बीज ही लगाएंगे।

श्रीराम सुपर 5 एसआर 05 और 303 बीज के साथ-साथ, श्रीराम फार्म सॉल्यूशंस की अन्य किस्में जैसे श्रीराम सुपर 404, 252 आदि भी पिछले कुछ सालों से अपनी शानदार परफॉरमेंस के चलते बिहार के किसानों में बेहद लोकप्रिय हो गयी हैं।

श्रीराम फार्म सॉल्यूशंस

श्रीराम फार्म सॉल्यूशंस 134 वर्ष पुरानी डीसीएम श्रीराम लिमिटेड का एक हिस्सा है। यह एक अग्रणी बिजनेस ग्रुप है, जिसका टर्नओवर 11431 करोड़ रुपये है। श्रीराम फार्म सॉल्यूशंस कृषि इनपुट्स जैसे बीज, विशेष पोषण, और फसल संरक्षण के कारोबार में सक्रिय है, जिससे भारतीय कृषि को मजबूत और किसानों की आय को बढ़ाने में सहायता मिल रही है।

भारत की विजय पर किलकारी में उत्सव का माहौल

गया।एशियाई वूमेंस हॉकी चैंपियनशिप ट्रॉफी के फाइनल मैच में भारत की शानदार जीत पर किलकारी के बच्चों ने किलकारी बिहार बाल भवन गया के परिसर में खूब मजे किए हैं ! बच्चों का उत्साह इसलिए भी था की सभी देशों के खिलाड़ियों को तथा अतिथियों का एयरपोर्ट वह होटल में स्वागत व अभिनंदन का कार्य किलकारी के बच्चों ने ही किया था ! सभी खिलाड़ियों से इनका सीधा जुड़ाव बना था ! विशेष रूप से भारतीय हॉकी महिला टीम को लेकर बच्चे सबसे ज्यादा उत्साहित बने हुए थे ! सुबह में जैसे ही किलकारी के प्रमंडल कार्यक्रम समन्वयक राजीव रंजन श्रीवास्तव ने बच्चों को बताया कि आज भारत और चीन के बीच फाइनल मैच है !इसके पूर्व भारत की हॉकी टीम ने जापान की टीम को हराकर फाइनल मैच खेलने के लिए अपने आप को तैयार किया है !बच्चों ने खिलाड़ियों की तस्वीरों को अखबारों से कटकर शुभकामना के बड़े पोस्टर बनाए और संयोग यह भी बना की फाइनल मैच के दिन भी किलकारी के कई बच्चों ने कई अतिथियों और उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी एवं खेल मंत्री के स्वागत में एयरपोर्ट पर तैनात रहे हैं ! कई बच्चों ने बताया कि हमारी भारतीय महिला हॉकी टीम मैच के शुरू से ही सभी टीमों पर भारी बनी रही हालांकि बीच में यह भी समय आया की टीम थोड़ी लड़खड़ाई लेकिन टीम की कप्तान सलीम टेटे ने अपने खिलाड़ियों का मनोबल बनाए रखा और हर खेल में सब ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है ! किलकारी के नृत्य विद्या के बच्चों में पूजा कुमारी, रुपाली कुमारी ,पल्लवी कुमारी, रिया कुमारी ,सुप्रिया कुमारी ,मुस्कान कुमारी, वह प्रशिक्षक गौतम कुमार गोलू वह सभी प्रशिक्षक और बच्चों ने बहुत ही हर्ष जाहिर किया है ! भारत की महिला हॉकी टीम का राजगीर में विजय अभियान को मोबाइल व टीवी स्क्रीन के माध्यम से बच्चों ने खेल का खूब लुफ्त उठाया है।!

डॉ केएन सिन्हा ने हरी झंडी दिखाकर कालाजार खोज, जांच एवं इलाज के लिए प्रचार रथ को किया रवाना

प्रातः किरण संवाददाता

आरा। अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी ,भोजपुर ,डॉ केएन सिन्हा ने हरी झंडी दिखाकर कालाजार खोज, जांच एवं इलाज हेतु प्रचार रथ को रवाना किया। डॉ सिन्हा ने कहा कि कोई भी बुखार अगर बहुत ज्यादा दिन से है, शरीर का वजन कम हो गया है ,खून कम हो गया हो ,शरीर काला पड़ रहा हो तथा पेट में प्लीहा बड़ा हो तो कालाजार की शंका के आधार पर इस मरीज को जांच कराया जाए एवं उसका इलाज सदर अस्पताल, आरा में उपलब्ध है।

इस कालाजार से बचने के लिए अपने आसपास सफाई रखें पानी नहीं जमने दें एवं जमीन पर नहीं सोए। संभावित जगहों में बालू मक्खी को मारने के लिए दवा का छिड़काव करवाये।

स्वास्थ्य विभाग के कर्मी एएनएम और आशा हर गांव में और हर मोहल्ले में घूम-घूम कर इस तरह के रोगियों की खोज कर रही हैं और इसका रिपोर्टिंग कर रही है यह अभियान अभियान अभी चल रहा है।

आम जनता, जागरूक हो तथा इससे लाभ उठावे। इस अवसर पर एफ एल ए सुश्री कुमारी प्रियंका अजीत पटेल सद्दाम जी संतोष जी, गार्ड सुधीर जी ,पंकज यादव और कई स्वास्थ्य कर्मी उपलब्ध उपस्थित थे।

पीआईबी भारत सरकार द्वारा फोटो प्रदर्शनी सह जागरूकता स्टॉल का उद्घाटन आज

- उपनिदेशक व विधायक के हाथों विकसित भारत थीम प्रदर्शनी का होगा उद्घाटन

प्रातः किरण संवाददाता

छपरा ' केंद्रीय संचार ब्यूरो, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय भारत सरकार, पटना द्वारा भारत सरकार द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न महत्वकांक्षी योजनाओं के माध्यम से देश को विकसित राष्ट्र बनाने को लेकर ह्विकसित भारत @ 2047 - विकसित भारत के पथ पर अग्रसरह्व विषय पर सोनपुर मेला में एक महीने तक ह्लफोटो प्रदर्शनी सह जागरुकता अभियानह्व चलाया जाएगा, जिसका शुभारंभ विधायक अवधेश सिंह और विभाग के उप निदेशक संजय कुमार द्वारा गुरुवार को पूर्वाह्न 11.30 बजे किया जाएगा।

इस जागरुकता अभियान के अंतर्गत एक महीने तक हर रोज दोपहर 12 बजे से फोटो प्रदर्शनी और लोक - सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। साथ ही साथ प्रतिदिन प्रश्नोत्तरी का भी आयोजन होगा,और विजेताओं को पुरुस्कार से सम्मानित किया जाएगा।

बांग्लादेश के हिन्दू के जैसा स्थिति में रह रहे है भोजपुर जिला के रानीसागर के हिन्दू

प्रातः किरण संवाददाता

आराःहिन्दू जागरण मंच के प्रदेश सह संयोजक सोना लाल के नेतृत्व में रानीसागर के प्रताड़ित तथाकथित दलित हिन्दू समाज से हिन्दू जागरण मंच का प्रतिनिधि मंडल मिला। विगत कई दिनों से जिहादियों के आतंक से परेशान है यहाँ का हिन्दू समाज आय दिन बेटी बहन को रहना मुश्किल हो गया है ! यहाँ का जिहादी मानसिकता का मुखिया मोहम्मद यूनुस उर्फ. काफूर और बहुसंख्यक जिहादियों द्वारा आय दिन अल्पसंख्यक हो चुका हिंदू समाज के लोग को मारा पीटा और धमकाया जाता है और बेटियों को घर से बाहर निकलने नहीं दिया जाता है ! कहा है शासन व्यवस्था ये भारत ही है या पाकिस्तान या बांग्लादेश ? कहा है दलित के नाम पर राजनीति करने वाले वामपंथी लोग आखिर इनका गुनाह बस यदि हिन्दू होना है तो येकतई स्वीकार नहीं है !

स्थिति ऐसी है की लोग पलायन को मजबूर है ये परिस्थिति पर सेक्युलरिज्म की बात करने वाले लोग क्यों चुप है ? यदि रानीसागर के हिन्दू समाज को शासन की संरक्षण नहीं प्राप्त हुई तो पूरे जिले ने आंदोलन करेगा हिन्दू जागरण मंच भोजपुर !

भाजपा जदयू की सरकार में अप्सरशाही चरम पर : डॉ रामाधार

प्रातः किरण संवाददाता

कुर्था (अरवल) भाकपा माले प्रखण्ड कमिटी का एक बैठक हुई,जिसमें कई निर्णय लिये गये,बैठक को संबोधित करते हुए,भाकपा -माले जिला सचिव जितेंद्र यादव ने कहा कि पार्टी का सदस्य हीं पार्टी का रीढ़ होता है,इस लिए जितेन भी पार्टी सदस्य हैं,अपने -अपने नवीकरण जनवरी 2025 तक पूरा कर लिया जाय,तथा नए पार्टी सदस्य 500 सौ से ज्यादा भर्ती किया जाय,ताकि आगामी 2025 के विधान सभा चुनाव में जदयू - भाजपा को सत्ता से बाहर किया जाय,क्योंकि पार्टी के द्वारा चलाएं गए हक दो वादा - निभाओ अभियान से गरीबों में अपने हक की उम्मीद जगी है,और गरीब पांच डिसमिल जमीन,पक्का मकान,वासगीत पर्चा, के लिए हजारों की संख्या में ब्लॉक पर सीओ बीडीओ का घेराव किए थे।लेकिन आज तक ब्लॉक का पदाधिकारी अभी तक किसी भी पंचायत में सर्वे करने नहीं गया है,इसलिए आने वाले दिनों में गाँव - गाँव बैठक कर बड़ी गोलबंदी के साथ एक बार फिर ब्लॉक को घेरने की जरूरत है,आगे उन्होंने कहा कि नीतीश मोदी राज में गरीबों,दलितों

और अल्पसंख्यकों पर हमला बढ़ी है,और मंहगाई बढ़ी है। दवंगो द्वारा कभी गरीबों को झोपडी में आग लगा देना,तो कभी दलितों को हाथ काट देना, कभी हत्या कर देना आम बात हो गई है महंगाई इतना चरम पर है कि गरीब राशन,पानी,दवा,खरीदने में परेशान तो हैं ही,साथ ही साथ बच्चों को पढ़ाई- लिखाई भी ठीक से नहीं हो रही है,स्मार्ट प्रीपेड मीटर के नाम पर गरीबों को खून चूसा जा रहा है और कॉरपोरेट लोगों को पॉकेट भरा जा रहा है।बैठक को संबोधित करते हुए भाकपा - माले जहानाबाद जिला सचिव, डॉ रामाधार सिंह ने कहा कि नीतीश - मोदी सरकार में अप्सराशाही इतना बढ़ा है,कि ब्लॉक में गरीबों को कोई भी बात नहीं सुनी जाती है,और बिना पैसा का कोई भी काम नहीं होता है,चाहे ओ गरीबों का पक्का मकान हो,या किसानों का दाखिल खारिज हो,सर्वे के नाम पर बड़े पैमाने पर पैसा लेकर काम किया जा रहा है, अगर कोई किसान पैसा नहीं देता है तो उनका काम या तो पेंडिंग में डाल दिया जाता है या तो एक किसान से दूसरे किसान में मामला फसा कर छोड़ देता है,इसके लिए भी ब्लॉक में उड को घेरने का निर्णय लिया गया है।

आगे उन्होंने कहा कि अगामी 28 नवंबर 2024 को स्वयं सहायता समूहों के मांगो को लेकर ऐपवा के द्वारा बिहार विधान सभा के समक्ष विशाल प्रदर्शन किया जाएगा।बैठक में भाकपा - माले प्रखण्ड सचिव, कॉ. अवधेश यादव,जिला परिषद सदस्य कॉ.महेश यादव,गणेश यादव,विनय चौधरी,मजहर आलम,सतेंद्र दास,विशु यादव,बृजबिहारी यादव आदि उपस्थित थे।

बच्चों के भविष्य को संवारना हम सभी का दायित्व :मंत्री

समाहरणालय सभाकक्ष में पश्चिम चम्पारण के 4800 सौ 55 विशिष्ट शिक्षकों के नियुक्ति पत्र वितरण समारोह सम्पन्न

प्रातः किरण संवाददाता

बेतिया(घनश्याम)। पश्चिम चम्पारण जिले के 04 हजार आठ सौ 55 विशिष्ट शिक्षकों के नियुक्ति पत्र वितरण समारोह का आयोजन बुधवार को समाहरणालय सभाकक्ष में सम्पन्न हुआ। मुख्य अतिथि अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति कल्याण विभाग-सह-प्रभारी मंत्री जनक राम के द्वारा समारोह का विधिवत उद्घाटन दीप प्रज्जवलित कर किया गया। समारोह की अध्यक्षता प्रभारी जिला पदाधिकारी सुमित कुमार द्वारा की गयी।

समारोह में मंत्री सहित उपस्थित अन्य जनप्रतिनिधिगणों एवं अधिकारीगणों द्वारा सक्षमता परीक्षा उतीर्ण 4855 शिक्षकों को औपबंधिक नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया। औपबंधिक नियुक्ति पत्र पाकर शिक्षक काफी प्रसन्न दिखे।

इस अवसर पर अपने संबोधन में अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति कल्याण विभाग-सह-प्रभारी मंत्री जनक राम ने कहा कि शिक्षक की बदौलत मैं आज यहां खड़ा होकर बोल रहा हूं। माता-पिता से बड़ा दर्जा गुरू का है। सरकारी विद्यालय सिर्फ निर्धन बच्चों के लिए ही है, इस मिथक को तोड़ना है। गरीबों को गरीबी से निकालने का पहला मंत्र शिक्षा ही है। आपके अंदर बहुत ताकत है, इस ताकत को निखारिए। बच्चों के भविष्य को संवारना हम सभी का काम है। उन्होंने सभी शिक्षकों को सरकार, जिला प्रशासन के तरफ से शुभकामनाएं देते हुए उन्हें हृदय से बधाई दिया। उन्होंने कहा कि शिक्षक विद्यालयों में समय दें। समय से विद्यालय आएं और जाएं। बच्चों की प्रतिभा को देखते हुए उन्हें प्रोत्साहित करें और उनका भविष्य उज्जवल बनाएं।

उन्होंने कहा कि बिहार के स्थानीय निकाय द्वारा नियुक्त शिक्षकों द्वारा नियमित शिक्षक के दर्जा की मांग की जा रही थी। शिक्षकों की मांग को ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने बिहार में स्थानीय निकाय द्वारा नियुक्त शिक्षकों को विशिष्ट शिक्षक का दर्जा देने का निर्णय लिया गया। विशिष्ट शिक्षक बनने के लिए बिहार सक्षमता परीक्षा उतीर्ण करना अनिवार्य किया गया। बिहार सक्षमता परीक्षा 2023 के प्रथम चरण में सक्षमता परीक्षा का आयोजन किया गया, जिसमें सफल/उतीर्ण 114138 शिक्षकों को विशिष्ट शिक्षक के रूप में नियुक्त करने का निर्णय बिहार सरकार द्वारा लिया गया।

उन्होंने कहा कि प्रथम चरण के सक्षमता परीक्षा उतीर्ण स्थानीय निकाय के शिक्षकों को माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार द्वारा विशिष्ट शिक्षक के रूप में आज पटना में औपबंधिक नियुक्ति पत्र वितरण करने का निर्णय लिया गया है। इसी क्रम में इस जिले में स्थानीय निकाय के शिक्षक जो प्रथम चरण में सक्षमता परीक्षा उतीर्ण किए हैं, को विशिष्ट शिक्षक के रूप में 4436 प्रारंभिक शिक्षक, 291 माध्यमिक शिक्षक तथा 128 उच्च माध्यमिक शिक्षक, कुल-4855 शिक्षकों को आज यहां औपबंधिक नियुक्ति पत्र वितरण किया जा रहा है।

इस अवसर पर विधायक नारायण प्रसाद ,उमाकांत सिंह, विधान पार्षद सौरभ कुमार नगर निगम मेयर गरिमा देवी सिकारिया, उपाध्यक्ष, 20 सूत्री रूपक कुमार श्रीवास्तव, प्रभारी जिला पदाधिकारी सुमित कुमार, अपर समाहर्ता-सह-जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी अनिल कुमार सिन्हा जिला शिक्षा पदाधिकारी रजनीकांत प्रवीण सहित शिक्षा विभाग के अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

इंडो नेपाल सीमा गंडक बराज क्षेत्र में एसएसबी और नेपाल एपीएफ जवानों ने जॉइंट पेट्रोलिंग किया

प्रातः किरण संवाददाता

बगहा। बगहा के वाल्मीकिनगर स्थित इंडो नेपाल सीमाई क्षेत्र गंडक बराज पर एसएसबी और नेपाल एपीएफ ने जॉइंट पेट्रोलिंग किया। हालांकि यह पेट्रोलिंग सीमा सुरक्षा के मद्देनजर समय समय पर किया जाता रहा है। एसएसबी 21 वीं बटालियन के कमांडेंट अश्वनी कुमार ने बताया कि दोनों देशों के सुरक्षा कर्मी शांति व सुरक्षा की भावना के मद्देनजर अवाम में विश्वास पैदा हो,किया। उन्होंने आगे बताया कि मादक पदार्थ,विस्फोटक सामग्री,वन संपदा समेत देश विरोधी गतिविधियों जैसे कुकृत्यों पर इस जॉइंट पेट्रोलिंग के माध्यम से नकेल कसा जाए।बतादें की इंडो नेपाल सीमा क्षेत्रों में एसएसबी के जवान सीमा सुरक्षा से जुड़े एक्सरसाइज करते रहते है। बतादूँ इस जॉइंट पेट्रोलिंग के दौरान इंडो-नेपाल सीमा से आने-जाने वाले सभी वाहनों में दो पहिया,चार पहिया वाहनों के आलावा पैदल आने-जाने वाले रांहगीरों का गहन जॉच किया गया।

ज्ञात हो कि भारत-नेपाल के रास्ते खुली सीमा होने के कारण इसका फायदा असामाजिक तत्वो,शराब तस्कर,वन तस्कर और अपराधी प्रवृत्ति के लोग न उठा सके इसके लिए जॉइंट पेट्रोलिंग किया जाता है। गंडक बराज बी समवाय के इंस्पेक्टर पंकज कुमार नेपाल एपीएफ गणेश थापा के नेतृत्व में जॉइंट पेट्रोलिंग किया गया।

राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक प्रमाणिकरण के लिए प्रयासरत है हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर

प्रातः किरण संवाददाता

बेतिया(कुमार अभिजीतम) राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक के प्रमाणिकरण के लिए जिले का एक मात्र मॉडल हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर डुमरीह्व जो कायाकल्प से सर्टिफाइड है, उसके लिए जिले के स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी व स्वास्थ्य कर्मी प्रयासरत है। अगर जिले के इस ह्लहेल्थ एंड वेलनेस सेंटर डुमरी को राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन प्रमाण पत्र प्राप्त होता है तो यह हम सभी के लिए गर्व की बात होगी यह कहना है जिला स्वास्थ्य समिति के डीपीसी अमित कुमार का। उन्होंने बताया की आज बुधवार को राज्य स्तरीय टीम के दो सदस्यों की टीम ने हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर डुमरी का आंतरिक मूल्यांकन किया। जिसमें क़्वालिटी असेसमेंट में पास होने के बाद पुनः केंद्रीय स्तर पर टीम के दो सदस्यों की टीम ने मंगलवार को निरीक्षण व मूल्यांकन किया जाएगा उसमे सफल होने पर एन क्यू ए एस प्रमाणिकरण प्राप्त होगा। इसके लिए जिला स्तर पर भी लगातार मॉनिटरिंग की जा रहीं है। मौके पर उपस्थित डॉ रजनीश एवं राजाराम पाण्डेय ने स्थानीय मरीजो व आम जनों से दवा, जाँच व चिकित्सा से सम्बन्धित जानकारी ली। उन्होंने बताया कि हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर, पताहीं बखरी में यहाँ 136 प्रकार की दवाएं, 14 प्रकार की जाँच उपलब्ध है। उन्होंने सीएचओ दुर्गेश व एएनएम, आशा के सहयोग से इमरजेंसी, एनसीडी स्क्रीनिंग, योगा एक्टिविटी, एएनसी, कम्प्लेन रजिस्टर, मरीजों के रिकॉर्ड, पीने का पानी, शौचालय आदि की जाँच की।

व्यवस्था में सुधार हेतु दिए कई निदेर्श:

एनक्वास प्रमाणीकरण के लिए राजाराम ने डुमरी हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर पर सीएचओ व प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी को टीबी स्क्रीनिंग, मरीजों का व्हाट्सप्प ग्रुप तैयार कर नियमित स्वास्थ्य पर ध्यान देने, दवा खाने, शुगर, बीपी की जाँच कर हाईपर टेंशन, शुगर के मरीजों का नियमित फॉलोअप करने, रैली, एक्टिविटी, विशेष कार्यक्रम आदि संचालित करने के साथ ही फोटो को पोर्टल एवं सोशल मीडिया के माध्यम से प्रचार-प्रसार करने का निर्देश दिया। जिला स्वास्थ्य समिति के डीपीसी अमित कुमार ने बताया कि इस निरीक्षण के बाद 70 प्रतिशत से ज्यादा अंक प्राप्त होता है तो आगे सेन्ट्रल टीम द्वारा निरीक्षण किया जाएगा। इसके लिए सक्षम पोर्टल के माध्यम से अप्लाई किया जाएगा। उसके बाद केंद्रीय टीम के द्वारा वर्चुअल या फिजिकल मोड में असेसमेंट किया जाएगा। 70% से ऊपर स्कोर मिलने पर नेशनल सर्टिफिकेशन मिलेगा। इसके बाद प्रतिवर्ष इस हेल्थ एंड वैलनेस सेंटर को 1 लाख 26 हजार रुपए की राशि मिलेगी। इस राशि को अस्पताल के उन्नयन में खर्च किया जाएगा। उन्होंने बताया कि स्टेट टीम द्वारा चेक लिस्ट के अनुसार सभी पैरामीटर पर मार्किंग की गई है।

मौके पर डीपीसी अमित कुमार डॉ आलोक, चन्द्रकिशोर, रंजन, राखी, राजेश, सीएचओ दुर्गेश कुमार व अन्य लोग उपस्थित थें।

जिला शिक्षा प्रशिक्षण संस्थान गिद्धौर में समारोह आयोजित कर विशिष्ट शिक्षकों को दिया गया औपबंधिक नियुक्ति पत्र

गिद्धौर।जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान गिद्धौर में बिहार विद्यालय विशिष्ट शिक्षक नियमावली 2023 अंतर्गत सक्षमता परीक्षा उर्तीण 200 विशिष्ट शिक्षक शिक्षिकाओं के बीच समारोह आयोजित कर औपबंधिक नियुक्ति पत्र का वितरण किया गया। इस मौके पर समारोह में जमुई जिला प्रभारी मंत्री रत्नेश सदा, जमुई विधायक श्रेयसी सिंह, विधायक दामोदर रावत, जीप अध्यक्ष दुलारी देवी, नगर परिषद अध्यक्ष मोहम्मद हलीम जिलाधिकारी अभिलाषा शर्मा, जिला शिक्षा पदाधिकारी राजेश कुमार, जिला कार्यक्रम पदाधिकारी पारस कुमार, मानस मिलिंद, सोनी कुमारी सहित कई गणमान्यों ने कार्यक्रम में भाग लिया। इस मौके पर डायट से सेंटर गिद्धौर के प्रचार्य डॉ. नावेद एवं इंस्ट्रक्टर सचिन भारती के देखरेख संपन्न हुआ।

प्रतिस्पर्धा में की गई स्वर्ण व्यवसाय के हत्याकांड का एसपी ने किया उद्भेदन

प्रातः किरण संवाददाता

डेहरी ऑनसोन (रोहतास) विगत अगस्त माह में जिले के बड्डी थाना क्षेत्र के आलमगंज बाजार में स्वर्ण व्यवसाय सूरज कुमार की हत्या प्रतिस्पर्धा में की गई थी। इसका सफल उद्भेदन कर चार अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

यह जानकारी देते हुए एसपी रोशन कुमार ने पत्रकारों को बताया कि इस कांड के उद्भेदन एवं संलिप्त अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए एसडीपीओ सासाराम 1 के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। टीम ने इस कांड में संलिप्त अप्राथमिकी अभियुक्त सुरेश कुमार चौरसिया ग्राम लखनु सराय थाना सासाराम को गिरफ्तार कर लिया ।

गिरफ्तार सुरेश कुमार ने इस कांड में अपनी संलिप्तता स्वीकार करते हुए साजिश के संबंध में खुलासा करते हुए बताया कि स्वर्ण व्यवसाय सूरज कुमार की हत्या के लिए प्रदीप कुमार सोनी ग्राम व थाना दरीगांव द्वारा डेढ़ लाख रुपए की रकम मेरे गिरोह को दिया गया था । एसपी के अनुसार सुरेश कुमार चौरसिया ने बताया कि मृतक सूरज कुमार का ज्वेलर्स की दुकान आलमगंज बाजार में ही प्रदीप सोनी की दुकान के बगल में है।

कार्यकर्ता के बदौलत ही 2025 का विधानसभा चुनाव में एनडीए प्रत्याशी की जीत होगी : कुमार

छपरा नगर निगम जदयू की नगर स्तरीय कार्यकारिणी एवम वार्ड अध्यक्षों की बैठक संपन्न

प्रातः किरण संवाददाता

छपरा कार्यालय।स्थानीय सर्किट हाउस में छपरा नगर स्तरीय एक दिवसीय कार्यकारिणी एवम वार्ड अध्यक्षों की बैठक प्रदेश उपाध्यक्ष बैधनाथ प्रसाद सिंह विकल एवं छपरा विधानसभा प्रभारी संदेश महतो के उपस्थिति में और जदयू छपरा नगर अध्यक्ष रमेश किशन कुशवाहा के अध्यक्षता में कार्यक्रम का आयोजन किया गया मंच संचालन जिला महासचिव ईङ्ग प्रभास शंकर ने किया

प्रदेश महासचिव सह सारण प्रमंडल संगठन प्रभारी रणविजय कुमार ने कहा कि कार्यकारिणी एवं वार्ड अध्यक्षों की बैठक का मुख्य उद्देश्य संगठन को मजबूत करना और आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारियों की समीक्षा करना था कार्यकताओं से संगठन की गतिविधियों को तेज करने और सरकार की योजनाओं को जनता तक पहुंचाने का आह्वान किया गया

प्रदेश उपाध्यक्ष बैधनाथ प्रसाद सिंह विकल ने संबोधित करते हुए कहा कि नगर और वार्ड ,बूथ स्तर पर पार्टी को और सुदृढ़ किया जाएगा समर्पित कार्यकर्ता साथियों से आग्रह किया कि माननीय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के द्वारा चलाए जा रहे जन कल्याणकारी योजनाओं को प्रचार प्रसार करने की आवयश्कता है

प्रदेश से नियुक्त छपरा विधानसभा प्रभारी ने संबोधित करते हुए कहा कि नगर एवं वार्ड स्तर पर समर्पित कार्यकर्ता को जोड़ने की जरूरत है सरकार की योजनाओं और उपलब्धियों को लोगों तक सही ढंग से पहुंचाया जा सके पार्टी के कार्यकर्ता साथियों के माध्यम से ही विधानसभा चुनाव में कामयाबी मिलेगी ।

बैठक में पूर्व जिला अध्यक्ष डा0 विशाल सिंह राठौर, भोला सिंह,पसुपतिनाथ पटेल, सुधाकर भारद्वाज, चंद्रभूषण पंडित,काजिम राजा रिजवी, ओमप्रकाश शर्मा,त्रियोगीनाथ गुप्ता ,बाल्मीकि पाठक,ईङ्ग प्रभास शंकर,ब्रजेश सिंह,जिला प्रवक्ता मोङ्ग फिरोज,संभू मंझी,जहांगीर आलम मुन्ना,कुसुम देवी ,पवन वर्मा,शकीला बानो,कुसुम रानी ,चांदनी सिंह,वसीम अकरम,कुमारी गुड्डी जायसवाल,पंकज गुप्ता,विंदु पटेल,अमजद अली,दिलीप चौधरी,सुनील शर्मा,आदि उपस्थित थे।

ट्रक की टक्कर से घायल बाइक सवार सदर अस्पताल छपरा रेफर

मशरक। मशरक के बंगरा काली स्थान के स्थान के पास ट्रक की टक्कर से बाइक सवार गंभीर हालत में इलाज के लिए इमरजेंसी 112 की टीम ने सीएचसी मशरक में भर्ती कराया। घायल फरदहिया गांव निवासी रंगलाल नट का 28 वर्षीय पुत्र साजन नट हैं। घटना में बताया गया कि बाइक सवार मशरक से गाव जा रहा था वहीं महमम्दपुर की तरफ से आ रहीं अनियंत्रित ट्रक ने टक्कर मार दी जिसमें वह बुरी तरह से घायल हो गया। चिकित्सक डॉ अनंत नारायण कश्यप ने गंभीर हालत देख बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल छपरा रेफर कर दिया।

भवन निर्माण विभाग

बिहार सरकार

कार्यपालक अभियंता, पाटलिपुत्र भवन प्रमंडल, पटना का कार्यालय

अतिअल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना सं०—55 वर्ष 2024—25

1. विज्ञापनदाता का पदनाम एवं पता : कार्यपालक अभियंता, पाटलीपुत्र भवन प्रमंडल, पटना।
2. परिमाण—विपत्र बिक्री की तिथि एवं समय: दिनांक— 30.11.2024 को 11.00 बजे अपराह्न तक।
3. निविदा प्राप्ति कि तिथि एवं समय : दिनांक— 02.12.2024 को 3:00 बजे अपराह्न तक।
4. निविदा खोलने की तिथि एवं समय : दिनांक— 02.12.2024 को 3.30 बजे अपराह्न से।
5. परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान (क) अधीक्षण अभियंता का कार्यालय, दक्षिण बिहार अंचल, भ0नि0वि0, पटना। (ख) कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, पाटलिपुत्र भवन प्रमंडल, पटना। (ग) संबंधित भवन अवर प्रमंडल का कार्यालय, पटना।
6. निविदा प्राप्ति का स्थान : क्रमांक (5) पर वर्णित स्थान पर।
7. **कार्य का विवरणी** :

क्रम सं	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य (ओ0ग्रास)	कार्य समाप्ति की अवधि
1	2	3	4	5	6
1.	s/r to ph work in 84 set officers flat 73/84 at punaichak patna for the year 2024-25	75000.00	1500.00	500.00	15 Days
2.	s/r to 84 set officers flat 70/84 at punaichak patna for the year 2024-25	150000.00	3000.00	500.00	15 Days
3.	day to day leak repair diffrent type C.I pipes 84 set at punaichak patna for the year 2024-25	250000.00	5000.00	500.00	Up to Mar 25
4.	day to day PH work 40 set officer flat at punaichak patna for the year 2024-25	300000.00	6000.00	750.00	Up to Mar 25
5.	s/r to 84 set officers flat 81/40 at nehru path patna for the year 2024-25	150000.00	3000.00	500.00	15 Days
6.	outer surface 65/40 to 68/40 punaichak patna for the year 2024-25	150000.00	3000.00	500.00	15 Days
7.	s/r to 84 set officers flat 38/84 at punaichak patna for the year 2024-25	400000.00	8000.00	750.00	15 Days
8.	s/r to 40 set officers flat 94/40 at nehru path patna for the year 2024-25	200000.00	4000.00	500.00	15 Days
9.	s/r to 84 set officers flat 43/84 at punaichak patna for the year 2024-25	150000.00	3000.00	500.00	15 Days
10.	app work in 81/40 to 84/40 at nehru path patna for the year 2024-25	100000.00	2000.00	500.00	15 Days
11.	s/r to outer surface of IBC building at punaichak patna for the year 2024-25	150000.00	3000.00	500.00	15 Days
12.	s/r to IBC building (71/40) at nehru path at punaichak patna for the year 2024-25	200000.00	2000.00	500.00	15 Days
13.	s/r to outer surface of 01 to 6/84 building at punaichak patna for the year 2024-25	250000.00	5000.00	500.00	15 Days
14.	s/r to 84 set officers flat 81/84 at punaichak patna for the year 2024-25	200000.00	4000.00	500.00	15 Days
15.	s/r to 84 set officers flat 82/84 at punaichak patna for the year 2024-25	200000.00	4000.00	500.00	15 Days
16.	s/r to app work of 84 set qtr 79/84 to 84/84 at punaichak patna for the year 2024-25	250000.00	5000.00	500.00	15 Days
17.	s/r to outer surface of 97 to 100/40 at punaichak patna for the year 2024-25	150000.00	3000.00	500.00	15 Days
18.	app work in 13/84 to 18/84 at punaichak patna for the year 2024-25	150000.00	3000.00	500.00	15 Days
19.	app work in 7 to 12/84 at punaichak patna for the year 2024-25	150000.00	3000.00	500.00	15 Days
20.	antitermite work in 84 set officers flat at punaichak patna for the year 2024-25	150000.00	3000.00	500.00	15 Days
21.	s/r to 84 set officers flat 9/84 at punaichak patna for the year 2024-25	300000.00	6000.00	750.00	15 Days
22.	s/r to 84 set officers flat 49/84 at punaichak patna for the year 2024-25	300000.00	6000.00	750.00	15 Days
23.	s/r to ph work in 66/40 at nehru path patna for the year 2024-25	50000.00	1000.00	250.00	15 Days
24.	s/r to ph work in 81/40 at nehru path patna for the year 2024-25	50000.00	1000.00	250.00	15 Days
25.	app work in 1/84 to 6/84 at punaichak patna for the year 2024-25	125000.00	2500.00	500.00	15 Days
26.	day to day repair of motor of 40 set officer flat at punaichak patna for the year 2024-25	150000.00	3000.00	500.00	Up to Mar 25
27.	day to day civil work in 84 set officer flat at punaichak patna for the year 2024-25	700000.00	14000.00	1250.00	Up to Mar 25
28.	s/r to G.O flat no- A/6 at new punaichak patna for the year 2024-25	200000.00	4000.00	500.00	15 Days
29.	s/r to G.O flat no- B/3 at new punaichak patna for the year 2024-25	150000.00	3000.00	500.00	15 Days
30.	A/r to G.O flat no- C/3 at new punaichak patna for the year 2024-25	150000.00	3000.00	500.00	15 Days
31.	A/r to G.O flat no- C/1 at new punaichak patna for the year 2024-25	150000.00	3000.00	500.00	15 Days
32.	s/r to G.O flat no- C/6 at new punaichak patna for the year 2024-25	100000.00	2000.00	500.00	15 Days
33.	s/r to G.O flat no- C/5 at new punaichak patna for the year 2024-25	100000.00	2000.00	500.00	15 Days
34.	s/r to G.O flat no- D/4 at new punaichak patna for the year 2024-25	150000.00	3000.00	500.00	15 Days
35.	A/r to G.O flat no- D/5 at new punaichak patna for the year 2024-25	150000.00	3000.00	500.00	15 Days
36.	s/r to G.O flat no-F/2 at new punaichak patna for the year 2024.25	350000.00	7000.00	750.00	15 Days
37.	remaining work in G.O flat no- F/4 at new punaichak patna for the year 2024-25	150000.00	3000.00	500.00	15 Days
38.	remaining work in G.O flat no- F/5 at new punaichak patna for the year 2024-25	150000.00	3000.00	500.00	15 Days
39.	s/r to app work in G.O flat block F at new punaichak patna for the year 2024-25	200000.00	4000.00	500.00	15 Days
40.	s/r to stair room in G.O flat block F at new punaichak patna for the year 2024-25	100000.00	2000.00	500.00	15 Days
41.	s/r to G.O flat no- F/6 at new punaichak patna for the year 2024-25	200000.00	4000.00	500.00	15 Days
42.	remaining work in G.O flat no- H/2 at new punaichak patna for the year 2024-25	150000.00	3000.00	500.00	15 Days
43.	s/r to G.O flat no- I/1 at new punaichak patna for the year 2024-25	225000.00	4500.00	500.00	15 Days
44.	compound wall rennovation in G.O flat I/1 at new punaichak patna for the year 2024-25	300000.00	6000.00	750.00	15 Days
45.	s/r to WORK IN G.O flat no- L/1 at new punaichak patna for the year 2024-25	150000.00	3000.00	500.00	15 Days
46.	s/r to G.O flat no- M/3 at new punaichak patna for the year 2024-25	150000.00	3000.00	500.00	15 Days
47.	s/r to G.O flat no- N/6 at new punaichak patna for the year 2024-25	425000.00	8500.00	750.00	15 Days
48.	A/r to G.O flat no- O/2 at new punaichak patna for the year 2024-25	200000.00	4000.00	500.00	15 Days
49.	s/r to G.O flat no- P/1 at new punaichak patna for the year 2024-25	150000.00	3000.00	500.00	15 Days
50.	A/r to G.O flat no- P/2 at new punaichak patna for the year 2024-25	150000.00	3000.00	500.00	15 Days
51.	s/r to G.O flat no- Q/1 at new punaichak patna for the year 2024-25	150000.00	3000.00	500.00	15 Days
52.	s/r to G.O flat no- Q/6 at new punaichak patna for the year 2024-25	150000.00	3000.00	500.00	15 Days
53.	s/r to G.O flat no- R/1 at new punaichak patna for the year 2024-25	150000.00	3000.00	500.00	15 Days
54.	remaining work in G.O flat no- R/2 at new punaichak patna for the year 2024-25	225000.00	4500.00	500.00	15 Days
55.	tiles work in g.o flat T/5 at new punaichak patna for the year 2024-25	150000.00	3000.00	500.00	15 Days
56.	s/r to G.O flat no- v/5 at new punaichak patna for the year 2024-25	150000.00	3000.00	500.00	15 Days
57.	s/r to G.O flat no- v/6 at new punaichak patna for the year 2024-25	150000.00	3000.00	500.00	15 Days
58.	remaining work in G.O flat no- W/1 at new punaichak patna for the year 2024-25	150000.00	3000.00	500.00	15 Days
59.	s/r to G.O flat no- T/6 at new punaichak patna for the year 2024-25	100000.00	2000.00	500.00	15 Days
60.	A/r to G.O flat no- X/ 6 at new punaichak patna for the year 2024 -25	200000.00	4000.00	500.00	15 Days
61.	A/r to G.O flat no- Z/ 1 at new punaichak patna for the year 2024-25	300000.00	6000.00	750.00	15 Days
62.	A/r to G.O flat no- Z/ 2 at new punaichak patna for the year 2024-25	200000.00	4000.00	500.00	15 Days
63.	A/r to G.O flat no- Z/ 3 at new punaichak patna for the year 2024-25	200000.00	4000.00	500.00	15 Days
64.	s/r to south bihar circle office,toilet and other work at new punaichak patna for the year 2024-25	250000.00	5000.00	500.00	15 Days
65.	outer surface work in block P g.o flat at new punaichak patna for the year 2024-25	250000.00	5000.00	500.00	15 Days
66.	s/r to 79 mos qtr no C/7 at punaichak patna for the year 2024-25	150000.00	3000.00	500.00	15 Days
67.	s/r to 79 mos qtr no C/10A at New punaichak patna for the year 2024-25	200000.00	4000.00	500.00	15 Days
68.	s/r to 79 mos qtr no C/17 at punaichak patna for the year 2024-25	150000.00	3000.00	500.00	15 Days
69.	remaining work in 79 mos qtr no C/26 at punaichak patna for the year 2024-25	160000.00	3500.00	500.00	15 Days
70.	c/wall and campus development in mos qtr no C/33 at punaichak patna for the year 2024-25	225000.00	4500.00	500.00	15 Days
71.	remaining work in 79 mos qtr no C/38 at punaichak patna for the year 2024-25	100000.00	2000.00	500.00	15 Days
72.	s/r to 79 mos qtr no C/47 at punaichak patna for the year 2024-25	150000.00	3000.00	500.00	15 Days
73.	a/r to 79 mos qtr no C/51 at punaichak patna for the year 2024-25	100000.00	2000.00	500.00	15 Days
74.	s/r to 79 mos qtr no C/59 at punaichak patna for the year 2024-25	200000.00	4000.00	500.00	15 Days
75.	s/r to 79 mos qtr no C/61 at punaichak patna for the year 2024-25	200000.00	4000.00	500.00	15 Days
76.	A/r to 79 mos qtr no C/73 at punaichak patna for the year 2024-25	200000.00	4000.00	500.00	15 Days
77.	APP work in 79 mos qtr no C/36 at punaichak patna for the year 2024-25	50000.00	1000.00	250.00	15 Days
78.	APP work in 79 mos qtr no C/49 at punaichak patna for the year 2024-25	50000.00	1000.00	250.00	15 Days
79.	floor raising and other work in 79 mos qtr no C/35 at punaichak patna for the year 2024-25	125000.00	2500.00	500.00	15 Days
80.	s/r to P.H work in G.O flat no- D/4 at new punaichak patna for the year 2024-25	100000.00	2000.00	500.00	15 Days
81.	s/r to P.H work in G.O flat no- K/5 at new punaichak patna for the year 2024-25	40000.00	800.00	250.00	15 Days
82.	s/r to P.H work in G.O flat no- N/6 at new punaichak patna for the year 2024-25	50000.00	1000.00	250.00	15 Days
83.	s/r to P.H work in G.O flat no- O/3 &amp O/5 at new punaichak patna for the year 2024-25	50000.00	1000.00	250.00	15 Days
84.	s/r to P.H work in G.O flat no- P/1 at new punaichak patna for the year 2024-25	90000.00	1800.00	500.00	15 Days
85.	s/r to P.H work in G.O flat no- P/3 at new punaichak patna for the year 2024-25	40000.00	800.00	250.00	15 Days
86.	s/r to P.H work in G.O flat no- P/2 at new punaichak patna for the year 2024-25	60000.00	1200.00	500.00	15 Days
87.	s/r to P.H work in G.O flat no- P/4 &amp P/5 at new punaichak patna for the year 2024-25	100000.00	2000.00	500.00	15 Days
88.	s/r to P.H work in G.O flat no- R/2 at new punaichak patna for the year 2024-25	50000.00	1000.00	250.00	15 Days
89.	s/r to P.H work in G.O flat no- T/5 at new punaichak patna for the year 2024-25	50000.00	1000.00	250.00	15 Days
90.	s/r to P.H work in G.O flat no- V/5 at new punaichak patna for the year 2024-25	40000.00	800.00	250.00	15 Days
91.	s/r to P.H work in G.O flat no- V/6 at new punaichak patna for the year 2024-25	40000.00	800.00	250.00	15 Days
92.	s/r to P.H work in 79 mos qtr no- C/17 at new punaichak patna for the year 2024-25	40000.00	800.00	250.00	15 Days
93.	s/r to P.H work in 79 mos qtr no- C/10A at new punaichak patna for the year 2024-25	50000.00	1000.00	250.00	15 Days
94.	s/r to P.H work in 79 mos qtr no- C/1 at new punaichak patna for the year 2024-25	50000.00	1000.00	250.00	15 Days
95.	s/r to P.H work in 79 mos qtr no- C/26 at new punaichak patna for the year 2024-25	40000.00	800.00	250.00	15 Days
96.	s/r to P.H work in 79 mos qtr no- C/75 at new punaichak patna for the year 2024-25	60000.00	1200.00	500.00	15 Days
97.	s/r to P.H work in 79 mos qtr no- C/79 at new punaichak patna for the year 2024-25	90000.00	1800.00	500.00	15 Days
98.	s/r to P.H work in 79 mos qtr no- C/78 at new punaichak patna for the year 2024-25	40000.00	800.00	250.00	15 Days
99.	day to day leak repair of differnt C.I pipes of A to Z officers flat at punaichak patna for the year 2024-25	250000.00	5000.00	500.00	Up to Mar 25
100	s/r to antermite work A to Z punaichak patna fo rthe year 2024-25	150000.00	3000.00	500.00	15 Days
101	day to day ph work of G.O flat block A to M at punaichak patna for the year 2024-25	350000.00	7000.00	750.00	Up to Mar 25
102	s/r to antermite work in 79 mos flat punaichak patna fo rthe year 2024-25	150000.00	3000.00	500.00	15 Days
103	outer surface work in block A g.o flat at new punaichak patna for the year 2024-25	250000.00	5000.00	500.00	15 Days
104	app work in block H G.O flat at new punaichak patna for the year 2024-25	150000.00	3000.00	500.00	15 Days
105	app work in block G G.O flat at new punaichak patna for the year 2024-25	150000.00	3000.00	500.00	15 Days
106	s/r to roof treatment with app of g.o flat no I at new punaichak patna for the year 2024-25	275000.00	5500.00	750.00	15 Days
107	s/r to 79 mos flat qtr no C/50 at new punaichak patna for the year 2024-25	290000.00	6000.00	750.00	15 Days
108	s/r to 79 mos flat qtr no C/48 at road no -6 at new punaichak patna for the year 2024-25	225000.00	4500.00	500.00	15 Days
109	day to day leak repair of differnt of 79 mos qtrs at punaichak patna for the year 2024-25	250000.00	5000.00	500.00	Up to Mar 25
110	day to day ph work of 79 mos qtr C/54 to C/79 at punaichak patna for the year 2024-25	150000.00	3000.00	500.00	Up to Mar 25
111	Campus development of Qtr. No.-J/2 G.O flat at Punaichak, Patna for the year 2024-25	568900.00	12000.00	1250.00	15 Days
112	Painting work of C/wall of G.O flat No.-L/2 at Punaichak Patna for the year 2024-25	125000.00	2500.00	500.00	15 Days
113	S/R to G.O Flat No.-L/3 at Punaichak, Patna for the year 2024-25	150000.00	3000.00	500.00	15 Days
114	Campus development G.O Flat No.-L/1 at Punaichak, Patna for the year 2024-25	150000.00	3000.00	500.00	15 Days
115	Renovation of door & window, toilet wall & floor tiles, slab work of G.O flat No-B/5 at New Punaichak, Patna for the year 2024-25.	404100.00	8500.00	750.00	1 month

निविदा की विस्तृत जानकारी www.state.bihar.gov.in/prdbihar पर देखे।

कार्यपालक अभियंता
पाटलिपुत्र भवन प्रमंडल, पटना

PR- 012917 (BCD) 2024-25

नशे से बचने का है एक ही उपचार, दृढ़ संकल्प और परिवार से प्यार।

कोहली, बुमराह, पंत नहीं, गेंदबाजी कोच मोर्कल ने कहा
बीजीटी में इस खिलाड़ी पर रहेगी नजर

पर्थ, एजेंसी। भारत के गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल ने युवा ऑलराउंडर नितीश कुमार रेड्डी को ऑस्ट्रेलिया में होने वाली आगामी बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में नजर रखने वाले खिलाड़ी के रूप में चुना है। दोनों टेस्ट दिग्गजों के बीच सीरीज को लेकर उत्साह चरम पर है, क्योंकि पर्थ में होने वाला पहला मैच शुक्रवार से होगा। जहां विराट कोहली, जसप्रीत बुमराह, ऋषभ पंत और कप्तान रोहित शर्मा को सीरीज में निर्णायक भूमिका निभाने के लिए चुना गया है, वहीं मोर्कल ने एक और नाम की चर्चा की है। शुक्रवार को शुरुआती टेस्ट से पहले पर्थ में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान मोर्कल ने कहा, निश्चित रूप से सीरीज में नितीश पर नजर रखनी होगी। युवा खिलाड़ी ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 में शानदार ऑल-राउंड प्रदर्शन के साथ दुनिया के सामने अपनी पहचान बनाई। सनराइजर्स हैदराबाद के लिए खेलते हुए नितीश ने 13 मैचों में 33.67 की औसत से 303 रन बनाए। उन्होंने तीन विकेट भी लिए, लेकिन उनकी लगातार पावर-हिटिंग विशेषता सबसे अलग रही।

मात्र 23 प्रथम श्रेणी खेलों के साथ नितीश का बीजीटी सीरीज में शामिल होना कई लोगों के लिए आश्चर्य की बात थी। यह स्पष्ट था कि प्रबंधन नितीश को तेजी से आगे बढ़ाने के लिए उन्हें भारत की सबसे ज़्यादा जरूरत वाले सीम बॉलिंग विकल्प के रूप में विकसित करना चाहता है। मोर्केल ने कहा, वह (नितीश रेड्डी) युवा खिलाड़ियों में से एक है। उसमें ऑल-राउंड क्षमता है। वह एक ऐसा खिलाड़ी होगा जो हमारे लिए एक छोर संभाल सकता है, खासकर पहले कुछ दिनों में। मोर्केल ने कहा, (वह) विकेट-टू-विकेट गेंदबाज है। दुनिया की कोई भी टीम एक ऐसा ऑलराउंडर चाहेगी जो तेज गेंदबाजों की मदद कर सके। यह जसप्रीत (बुमराह) पर निर्भर करेगा कि वह उनका किस तरह से इस्तेमाल करता है। अगर कोई लाल गेंद वाले क्रिकेट में नीतीश के प्रदर्शन को देखे तो वह सबसे बड़ी टेस्ट सीरीज में खेलने के लिए थोड़ा कमजोर नज़र आता है।नीतीश ने 23 मैचों में 21.05 की औसत से 779 रन बनाए हैं। गेंद के साथ उन्होंने 26.98 की औसत से 56 विकेट चटकाते हुए ज़्यादा प्रभाव डाला है।

हार के साथ समाप्त हुआ महान राफेल नडाल का करियर

राष्ट्रगान पर हुए भावुक, फैंस नहीं रोक पाए आंसू

नईदिल्ली, एजेंसी। राफेल नडाल ने कहा कि डेविस कप में मंगलवार को पेशेवर टेनिस से संन्यास लेने के बाद उन्होंने खेल और व्यक्तिगत विरासत दोनों छोड़ दी है। 38 वर्षीय नडाल मंगलवार को डेविस कप के क्वार्टर फाइनल में पुरुष एकल के मुकाबले में नीदरलैंड के जेंडशुल्प से हार गए। नीदरलैंड ने स्पेन को 2-1 से हराकर अंतिम चार में जगह बनाई। 22 बार के ग्रैंड स्लैम विजेता नडाल ने पिछले 23 वर्षों में एक शानदार और ऐतिहासिक करियर का आनंद लिया। नडाल ने मलागा में अपने संन्यास के सम्मान में आयोजित समारोह के दौरान फैंस से कहा, मैं मन की शांति के साथ टेनिस से विदा हो रहा हूं। मुझे खुशी है कि मैं एक विरासत छोड़ गया हूं, जो मुझे वास्तव में लगता है कि सिर्फ एक खेल नहीं बल्कि एक व्यक्तिगत विरासत है। मैं समझता हूं कि मुझे जो प्यार मिला है, अगर यह सिर्फ कोर्ट पर हुआ होता, तो वह वैसा नहीं होता।

नडाल ने कई लोगों को श्रेय दिया जिन्होंने रास्ते में उनकी मदद की है। इसमें उनके चाचा टोनी नडाल भी शामिल हैं। टोनी ने ही नडाल को टेनिस में आने के लिए प्रेरित किया था और उन्हें बचपन के अधिकांश समय में ट्रेनिंग दी थी। नडाल ने कहा, मेरे लिए खिताब संख्या मात्र है। लोग शायद यही जानते हैं, लेकिन जिस तरह से मैं ज्यादा से ज्यादा किया जाना चाहूंगा वह एक अच्छे इंसान के रूप में। मालोर्का के एक छोटे से गांव से आया हुआ लड़का एक शानदार इंसान है। मेरी किस्मत अच्छी थी कि जब मैं छोटा बच्चा था तो मेरे चाचा मेरे गांव में एक टेनिस कोच थे। मेरे पास एक महान परिवार था जो हर पल में मेरा समर्थन करता था।

नडाल ने कहा, मैं बस एक अच्छे इंसान के रूप में याद किया जाना चाहता हूं, एक बच्चा जिसने अपने सपनों का पूरा किया और जो मैंने सपना देखा था उससे कहीं अधिक हासिल किया। नडाल को मलागा में मार्टिन कारपेना एरिना में एक भावुक वीडियो के जरिये विदाई दी गई। उसमें उनके करियर को दर्शाया गया। स्टेडियम में मौजूद 10 हजार से ज्यादा फैंस उनके करियर को देखकर भावुक हो गए। पूर्व प्रतिद्वंद्वी रोजर फेडरर, नोवाक जोकोविच, एंडी मरे, सेरेना विलियम्स और अन्य टेनिस दिग्गजों और राउल और आंद्रेस इनिएस्ता जैसे फुटबॉल सितारों ने नडाल के लिए मैसेज छोड़े।

नडाल ने अपने भावुक भाषण में कहा, मैं पेशेवर टेनिस की दुनिया को छोड़ रहा हूं और रास्ते में कई अच्छे दोस्त मिले। स्पेन के इस खिलाड़ी ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि वह आने वाले वर्षों में टेनिस के लिए अच्छे दूत बनेंगे और किसी को भी संन्यास लेने से नहीं डरना चाहिए। उन्होंने कहा, मैं शांत हूं क्योंकि मुझे आगे आने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए हिम्मत मिली है। मेरे पास एक महान परिवार है जो मुझे हर दिन की जरूरत की हर चीज में मदद करता है।

दुनिया के तीसरे नंबर के खिलाड़ी 21 वर्षीय अल्काराज ने कहा कि नडाल दुनिया के सबसे बड़े एथलीट्स में से एक हैं और एक खिलाड़ी जो कुछ उम्मीद करता है वह नडाल ने हासिल किया। अल्काराज ने कहा, उनकी विरासत शाश्वत होने जा रही है। वह टेनिस के लिए महान रहे हैं, कम से कम मेरे लिए तो यह महसूस करना मुश्किल है कि उन्होंने जो विरासत छोड़ी है उसे जारी रखना चाहिए। यह मुश्किल है, लगभग असंभव है। मैं सिर्फ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश करूंगा, अभी राफा के बारे में अच्छी बातें कहने का समय है। टेनिस में, स्पेन में और मेरे जीवन में राफा होना बहुत अच्छा है। उन्होंने करियर में अपनी सारी ऊर्जा लगा दी। उन्हें जाते हुए देखना दुखद है, लेकिन हमें इसे स्वीकार करना होगा।

स्पेन के डेविस कप कप्तान डेविड फेरर ने भी नडाल के संन्यास पर भावुक दिखे। फेरर ने कहा, ऐसे लोग हैं जिन्हें जीवन में उनकी उपलब्धियों के लिए याद किया जाएगा, दूसरों को उनके सुनहरे दिनों के अंत तक और कुछ को हमेशा के लिए। नडाल आपको हमेशा याद किया जाएगा। नडाल ने अपने भाषण में स्पेन और दुनियाभर के फैंस को धन्यवाद दिया, लेकिन दुनिया के बाकी हिस्सों में भी जहां उन्हें कई प्रशंसक मिले। पेरिस में बजरी मिट्टी पर उन्होंने रिकॉर्ड 14 फ्रेंच ओपन खिताब जीते और किंग ऑफ क्ले उपनाम अर्जित किया। उनकी छवि को एफिल टॉवर के सामने रात के अंधेरे में पेश किया गया था। महान बोरिस बेकर ने लिखा, मैं बोलते हुए रो रहा हूँ ... राफेल नडाल... खेल की दुनिया का एक पूर्ण प्रतीक! राफा जैसा दूसरा कभी नहीं होगा!

कोएत्जी, एडवर्ड्स और सुफियान को आईसीसी आचार संहिता के उल्लंघन पर लगी फटकार

दुबई, एजेंसी। नीदरलैंड के कप्तान स्कॉट एडवर्ड्स, ओमान के गेंदबाज सुफियान महमूद और दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाज गेराल्ड कोएत्जी को सप्ताहांत में अपने मैचों में आईसीसी आचार संहिता के उल्लंघन का दोषी पाया गया है। एडवर्ड्स को खिलाड़ियों और सहायक कर्मियों के लिए आईसीसी आचार संहिता के दो अनुच्छेदों का उल्लंघन करते पाया गया।

अनुच्छेद 2.8 जो 'अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान अंपायर के फैसले पर असहमति दिखाने से संबंधित है और अनुच्छेद 2.2 जो 'अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान क्रिकेट उपकरण या कपड़े, ग्राउंड उपकरण या फिक्स्चर और फिटिंग के दुरुपयोग से संबंधित है। ओमान और नीदरलैंड के बीच तीसरे टी-20 के दौरान उनके आउट होने के बाद दोनों उल्लंघन हुए।

पहली घटना उस समय हुई जब एडवर्ड्स ने पगबाधा आउट दिए जाने पर अंपायर को अपना बल्ला दिखाया। वहीं दूसरी घटना में उन्होंने अपनी टीम के ड्रेसिंग रूम की ओर लौटते समय अपना बल्ला और दस्ताने मैदान पर फेंक दिए। प्रतिबंधों के अनुसार उन पर मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया और दो डिमेरिट अंक प्राप्त किए गए हैं। उसी मैच में महमूद पर मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया और उनके अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक डिमेरिट अंक जोड़ा गया, क्योंकि उन्हें खिलाड़ियों और खिलाड़ी सहायक कर्मियों के लिए आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.5 का उल्लंघन करते पाया गया।

यह घटना उस समय हुई जब गेंदबाज (महमूद) ने बल्लेबाज तेजा निदामनुरु को आउट किया और उन्हें वापस उनकी टीम के ड्रेसिंग रूम की ओर इशारा करके विदा किया। एडवर्ड्स और महमूद दोनों ने अपने-अपने अपराध स्वीकार किए और आईसीसी इंटरनेशनल पैनल ऑफ मैच रेफरी के नियामुर राशिद राहुल द्वारा प्रस्तावित प्रतिबंधों को स्वीकार किया और इस तरह औपचारिक सुनवाई की कोई आवश्यकता नहीं रही।

दक्षिण अफ्रीका और भारत के बीच चौथे टी-20 में गेराल्ड कोएत्जी को खिलाड़ियों और खिलाड़ी सहायक कर्मियों के लिए आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.8 का उल्लंघन करते हुए पाया गया। कोएत्जी को इसके लिए फटकार लगाई गई और उनके अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक डिमेरिट अंक जोड़ा गया।

मेसी 14 साल बाद भारत आएंगे

अर्जेंटीना की फुटबॉल टीम अगले साल इंटरनेशनल मुकाबले के लिए केरल का दौरा करेगी

नईदिल्ली, एजेंसी। स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेसी अगले साल एक इंटरनेशनल मैच के लिए भारत आएंगे। उनकी नेशनल टीम अर्जेंटीना केरल का दौरा करेगी। यह मुकाबला जून या जुलाई में खेला जाएगा। हालांकि यह मुकाबला किस टीम के खिलाफ खेला जाएगा, यह नहीं बताया गया है। इससे पहले, मेसी 2011 में एक इंटरनेशनल फ्रेंडली मैच के लिए भारत आए थे। केरल के खेल मंत्री वी अब्दुरहीमान ने बुधवार को कहा, मेसी सहित अर्जेंटीना की फुटबॉल टीम अगले साल एक इंटरनेशनल मैच के लिए राज्य का दौरा करेगी। अब्दुरहीमान ने आगे कहा कि मैच राज्य सरकार की पूरी निगरानी में आयोजित किया जाएगा।

साल 2011 में भारत आए थे मेसी मेसी सहित अर्जेंटीना फुटबॉल टीम पिछली बार 2011 में वेनेजुएला के खिलाफ इंटरनेशनल फ्रेंडली मैच के लिए भारत आई थी। अर्जेंटीना और वेनेजुएला के बीच यह मैच 2 सितंबर को कोलकाता के सॉल्ट लेक स्टेडियम में खेला गया था। इस मैच में मेसी के असिस्ट से निकोलस ओटामेंडी ने दूसरे हाफ में हेडर से गोल कर अर्जेंटीना को 1-0 से जीत दिलाई थी। अर्जेंटीना मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन अर्जेंटीना मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन है। टीम ने 2022 में खेले गए फीफा वर्ल्ड कप फाइनल में फ्रांस को पेनल्टी शूट आउट में 4-2 से हराकर खिताब जीता था। अर्जेंटीना को इससे पहले 1986 में खिताबी कामयाबी मिली थी। अर्जेंटीना का यह ओवरऑल तीसरा खिताब रहा। टीम 1978 में पहली बार वर्ल्ड चैंपियन बनी थी।

36 साल के इशांत शर्मा को लेकर आई बड़ी खबर, अचानक मिली टीम में जगह

नईदिल्ली, एजेंसी। एक तरफ जहां टीम इंडिया बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024-25 के लिए ऑस्ट्रेलिया में जमकर तैयारी कर रही है तो वहीं दूसरी तरफ लंबे समय से टीम से बाहर चल रहे इशांत शर्मा के लिए बड़ी खुशखबरी आई है। नवंबर 2021 में अपना आखिरी टेस्ट मैच खेलने वाले इशांत शर्मा लंबे समय से टीम इंडिया में वापसी की राह देख रहे हैं लेकिन अभी तक सफल नहीं हो पाए हैं। यही वजह है कि वह जमकर घरेलू क्रिकेट खेल रहे हैं। इस बीच इशांत शर्मा को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। दरअसल, इशांत शर्मा को टीम में जगह मिल गई है। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के लिए चुनी गई 24 सदस्यीय दिल्ली की टीम में इशांत शर्मा को शामिल किया गया है। दिल्ली की टीम की कमान लखनऊ सुपर जायंट्स यानी रूल के स्टार बल्लेबाज आयुष बडोनी को सौंपी गई है। यश ढुल और अनुज रावत टीम का हिस्सा हैं। इनके अलावा दिल्ली प्रीमियर लीग यानी पहले सीजन में एक ओवर में 6 छक्के लगाने वाले प्रियांश आर्य को भी टीम में जगह दी गई है।

हर्षित राणा टीम इंडिया के साथ – तेज गेंदबाज हर्षित राणा को टीम में शामिल नहीं किया गया हैं क्योंकि वह बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए फिलहाल ऑस्ट्रेलिया में हैं। राणा को 22 नवंबर से पर्थ में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शुरू हो रहे पहले टेस्ट के लिए भारत की प्लेइंग-11 में तीसरे तेज गेंदबाज की जगह लेने की दौड़ में हैं। सिर्फ 10 प्रथम श्रेणी मैच खेलने वाले हर्षित के बारे में कहा जा रहा है कि वह लगातार 140 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से अधिक की गति और अच्छी उछाल हासिल करने की क्षमता के साथ शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने बड़े-बड़े दिग्गजों को भी प्रभावित किया है।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के लिए दिल्ली का स्क्वाड- प्रियांश आर्य,अनुज रावत,आयुष बडोनी (कप्तान), हिम्मत सिंह, मयंक गुसाईं, मयंक यादव, जोंटी सिद्धु, इशांत शर्मा, यश ढुल, सिमरजीत सिंह, वैभव कांडपाल, हर्ष त्यागी, प्रिंस यादव, हिमांशु चौहान, वंश बेदी, आर्यन राणा, अखिल चौधरी, ध्रुव कौशिक, सार्थक रंजन, सुयश शर्मा, दिग्वेश राठी, आयुष सिंह, प्रिंस चौधरी, प्रणव रणवंशी।

ग्लेन मैक्सवेल फील्डिंग करते समय चोटिल, एक महीने तक रह सकते हैं खेल से बाहर

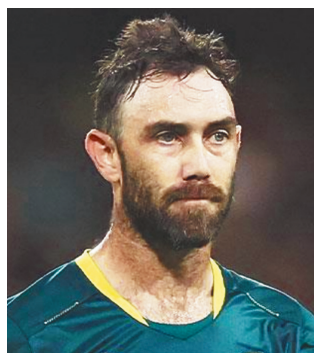

मेलबर्न, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल को बड़ा झटका लगा है, क्योंकि स्कैन में उनके बाएं हैमस्ट्रिंग में ग्रेड टू टियर का पता चला है, जिससे बिग बैश लीग (बीबीएल) की शुरुआत के लिए उनके उपलब्ध होने पर संदेह है। मैक्सवेल को सोमवार को होबार्ट में पाकिस्तान के खिलाफ तीसरे टी20 के दौरान फील्डिंग करते समय चोट लगी थी। उन्हें सोमवार को पाकिस्तान के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया के तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान अपनी हैमस्ट्रिंग को पकड़ते और लंगड़ाते हुए बेलरिव ओवल में खेलते हुए देखा गया था।

इस चोट ने फरवरी 2025 में श्रीलंका में ऑस्ट्रेलिया की दो मैचों की सीरीज से पहले टेस्ट टीम में वापसी के मैक्सवेल के प्रयास को भी बाधित कर दिया है। उन्होंने आखिरी बार 2017 में टेस्ट क्रिकेट खेला था। इसके अलावा, अब वह संभवतः शेफील्ड शील्ड मैच भी मिस कर देंगे, जिसका उपयोग उन्होंने बीबीएल सीजन की तैयारी के लिए करने की योजना बनाई थी। क्रिकेट विक्टोरिया ने इस खबर की पुष्टि की कि चोट के कारण 36 वर्षीय खिलाड़ी कम से कम चार सप्ताह तक मैदान से बाहर रहेंगे जो कि बीबीएल और आगामी अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम से पहले का महत्वपूर्ण समय है। बिग बैश लीग का सीजन 15 दिसंबर से शुरू होगा जिसमें मेलबर्न स्टार्स का सामना पर्थ स्कॉर्चर्स से होगा। मैक्सवेल को टूर्नामेंट के पहले मैच के लिए फिटनेस हासिल करने के लिए समय के खिलाफ दौड़ का सामना करना पड़ रहा है।

संजय मांजरेकर ने पर्थ टेस्ट से पहले दिया बड़ा बयान
केएल राहुल से ओपनिंग कराके गलती कर रहा भारत?

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम 22 नवंबर से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज की शुरुआत करेगी। पहले टेस्ट में टीम को न तो कप्तान रोहित शर्मा की सेवाएं मिलेगीं और न ही युवा बल्लेबाज शुभमन गिल की। टीम को टॉप ऑर्डर में इन दोनों की जगह लेने वाले खिलाड़ी चुनने हैं। ऐसे में मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है केएल राहुल ओपनिंग कर सकते हैं। भारत के दिग्गज खिलाड़ी संजय मांजरेकर का मानना है कि राहुल इस जगह पर खास नहीं कर पाए हैं। संजय मांजरेकर ने इएसपीएनक्रिकइंफो ने कहा, केएल राहुल को ओपनिंग विकल्प के रूप में देखा जाए तो वह वास्तव में शानदार प्रदर्शन नहीं कर रहे हैं। हकीकत यह है कि केएल राहुल को देखकर आपको उनसे सहानुभूति होती है, मैं उन्हें एक खिलाड़ी के रूप में बहुत पसंद करता हूं। उनमें बहुत प्रतिभा है। उनमें आत्मविश्वास की कमी है और आप नहीं चाहेंगे कि वह टॉप ऑर्डर में बल्लेबाजी करें, क्योंकि पारी की गति शुरुआत में नंबर 1, 2 और 3 पर निर्धारित होती है।

राहुल को निचले क्रम में करनी चाहिए बल्लेबाजी – अपनी पारी जारी रखते हुए उन्होंने कहा, मैं केएल राहुल को उस काम के लिए सराह रहा हूं जो उन्होंने निचले क्रम में और हाल ही में साउथ अफ्रीका में किया है। वह नरम कूकाबुरा गेंद के साथ छठे नंबर पर बल्लेबाजी कर रहे थे और अगर उन्हें टेलेंडर्स के साथ बल्लेबाजी करनी है, तो मुझे लगता है कि वह शानदार होंगे।'

केएल राहुल का 2022 के बाद प्रदर्शन – केएल राहुल पिछले दो साल से खराब फॉर्म से जूझ रहे हैं। साल 2022 के बाद से, राहुल ने 12 टेस्ट मैच खेले हैं। 21 पारियों में उन्होंने 25.7 की औसत से तीन अर्धशतक और एक शतक के साथ 514 रन बनाए हैं। इसके अलावा, ऑस्ट्रेलिया में एक सलामी बल्लेबाज के रूप में उनके आंकड़े भी अच्छी तस्वीर पेश नहीं करते हैं, 32 वर्षीय खिलाड़ी के नाम चार मैचों (सात पारियों) में 26.14 की औसत और 45.29 की स्ट्राइक रेट से 183 रन हैं।

हार्दिक पंड्या फिर बने दुनिया के नंबर 1 ऑलराउंडर, 69 पायदान की छलांग लगा शीर्ष-3 में पहुंचे तिलक वर्मा

नईदिल्ली, एजेंसी। अनुभवी भारतीय क्रिकेटर हार्दिक पंड्या ने 20 नवंबर 2024 को दुनिया के शीर्ष टी20 इंटरनेशनल ऑलराउंडर के रूप में अपना स्थान फिर से हासिल कर लिया, जबकि उभरते हुए सितारे और उनके टीम साथी तिलक वर्मा ने नवीनतम आईसीसी पुरुष टी20 इंटरनेशनल बल्लेबाजी रैंकिंग में बड़ी छलांग लगाते हुए शीर्ष-3 में जगह बनाई।

हार्दिक पंड्या ने हाल ही में दक्षिण अफ्रीका में भारत की टी20 सीरीज के दौरान मजबूत फॉर्म के दम पर टी20 इंटरनेशनल ऑलराउंडर रैंकिंग में इंग्लैंड के लियाम लिविंगस्टोन और नेपाल के दीपेंद्र सिंह ऐरी को पीछे छोड़ दिया। 31 साल के हार्दिक पंड्या ने गेंद और बल्ले दोनों आकर्षक प्रदर्शन किया था। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच 4 मैच की सीरीज के दूसरे टी20 इंटरनेशनल में हार्दिक पंड्या के नाबाद 39 रन टीम इंडिया की पारी को संतुलित करने में मददगार रहे थे, जबकि चौथे मैच में 3 ओवर में 8 रन देकर 1 विकेट वाले स्पेल ने सुनिश्चित किया कि एशियाई टीम ने 3-1 से श्रृंखला में प्रभावशाली जीत हासिल की। ??यह दूसरी बार है जब हार्दिक पंड्या ने टी20 ऑलराउंडर्स की नंबर 1 रैंकिंग हासिल की है। भारतीय खिलाड़ी ने इस साल के आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप के अंत में शीर्ष स्थान हासिल किया था।

आईसीसी के ताजा रैंकिंग अपडेट में बड़ी छलांग लगाने वाले हार्दिक पड्या अकेले भारतीय खिलाड़ी नहीं हैं। प्लेयर ऑफ द सीरीज और उभरते हुए प्रतिभाशाली युवा बल्लेबाज तिलक वर्मा ने बल्लेबाजी सूची में 69 स्थान की छलांग लगाई है। तिलक वर्मा ने भारत बनाम साउथ अफ्रीका टी20 इंटरनेशनल सीरीज दो शतक की मदद से 280 रन बनाये थे।

तिलक वर्मा की रैंकिंग में सुधार हुआ है। वह नंबर 1 टी20 इंटरनेशनल बल्लेबाज ट्रैविस हेड के बाद तीसरे स्थान पर पहुंच गए। इसका मतलब है कि अब वह भारत के सर्वोच्च रैंकिंग वाले बल्लेबाज हैं। कप्तान सूर्यकुमार यादव एक स्थान गिरकर चौथे स्थान पर घिसक गये। टीम के साथी संजू सैमसन टी20 इंटरनेशनल बल्लेबाजों की इस सूची में 17 स्थान चढ़कर 22वें स्थान पर पहुंच गए। संजू सैमसन ने भी दक्षिण अफ्रीका के साथ सीरीज में दो शतक लगाये थे।

ट्रिस्टन स्टब्स (3 स्थान चढ़कर 23वें स्थान पर) और हेनरिक क्लासेन (6 स्थान चढ़कर 59वें स्थान पर) में लगातार सुधार से साउथ अफ्रीकी प्रशंसक खुश होंगे। श्रीलंका के दाएं हाथ के बल्लेबाज कुसल मेंडिस (3 स्थान चढ़कर 12वें स्थान पर) और वेस्टइंडीज के हार्ड-हिटर शाई होप (16 स्थान चढ़कर 21वें स्थान पर) भी टी20 इंटरनेशनल बल्लेबाजों की सूची में आगे बढ़े हैं। ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर मार्कस स्टोइनिस पाकिस्तान के खिलाफ हाल ही में अर्धशतक जड़ने के बाद 10 स्थान चढ़कर 45वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

संक्षिप्त समाचार

160 सीटों पर प्रचंड जीत के साथ महाराष्ट्र में बनने जा रही है महायुति की सरकार

मुंबई , एजेंसी। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के खत्म होने से पहले परिणाम देश के सामने आ चुका है। महाराष्ट्र का सियासी मिजाज इस बात की ओर इशारा कर रही है कि पूरे महाराष्ट्र में महायुति का सियासी पलड़ा भारी है। महाराष्ट्र की सभी 288 विधानसभा सीटों पर एक ही चरण में बुधवार को मतदान है, जिसमें 4,136 उम्मीदवारों की किस्मत दाँव पर लगी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूरदर्शिता और भारतीय जनता पार्टी के चाणक्य अमित शाह के मार्गदर्शन में महायुति हैट्रिक लगाने की कवायद में है तो कांग्रेस की अगुवाई वाला इंडिया गठबंधन अपनी वापसी के लिए बेताब नजर आ रही है। चुनाव में सरकार बनाने या बिगाड़ने वाली जनता यह जान चुकी है कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव को लेकर महायुति के चुनावी घोषणा पत्र में सभी वर्गों का ध्यान रखा गया है। महायुति के घोषणा-पत्र में आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के विकास के लिए कई योजनाएँ चलाई गईं और इसे अब और आगे बढ़ाने का वादा किया गया है। महायुति ने सरकार बनने पर लाडली बहन योजना के तहत महिलाओं के खाते में हर महीने 2,100 रुपये और किसानों को कर्जमाफी का वादा किया है। महाराष्ट्र में महायुति की सरकार बनने की चर्चा है, जो राज्य के राजनीतिक परिप्रेक्ष्य में महत्त्वपूर्ण बदलाव का संकेत देती है। महायुति का गठबंधन चुनावी परिणामों में अच्छा प्रदर्शन करने के बाद राज्य में अपनी सरकार बनाने की ओर अग्रसर है।

एयरबीएनबी पर सारा अली खान लेकर आ रही हैं एक्सक्लूसिव वेलनेस एवं योगा रिट्रीट

मुंबई , एजेंसी। फिटनेस एवं ट्रैवल को लेकर प्रशंसकों के बीच लोकप्रिय बॉलीवुड अभिनेत्री सारा अली खान पहली बार एक्सक्लूसिव वेलनेस एवं योगा रिट्रीट क्यूरेट एवं होस्ट करने के लिए तैयार हैं। यह रिट्रीट गोवा में एयरबीएनबी की खास लोकेशन पर होगा, जिसमें चार अतिथियों को हिस्सा लेने का मौका मिलेगा। गोवा की खूबसूरत वादियों में रिट्रीट का हिस्सा बनने वालों को सुकून का एहसास होगा। यह उनके लिए दिल-दिमाग को शांत रखने का एक खूबसूरत मौका होगा। एयरबीएनबी में भारत, दक्षिणपूर्व एशिया, हांगकांग और ताइवान के जनरल मैनेजर अमनप्रीत बजाज ने कहा एयरबीएनबी के होस्ट के रूप में सारा का स्वागत करने को लेकर हम उत्साहित हैं। पर्यटन के लिए किसी गंतव्य पर जाते समय अनूठा एवं व्यापक अनुभव पाने की भारतीय पर्यटकों की चाहत लगातार बढ़ रही है। साथ ही बॉलीवुड भी लोगों के लिए इस मामले में किसी मार्गदर्शक की भूमिका निभा रहा है। ऐसे में यह रिट्रीट लोगों को सबसे अलग और अनूठा अनुभव देगा। इससे एक एक्साइटिंग इमर्जिंग ट्रैवल ट्रेंड के रूप में वेलनेस टूरिज्म को सामने लाने का भी मौका मिलेगा। सारा ने कहा गोवा में विशेष तौर पर एयरबीएनबी पर इस खास वेलनेस एवं योगा रिट्रीट में अतिथियों का स्वागत करने के लिए मैं उत्साहित हूं। प्रकृति की खूबसूरती के बीच हम मन, शरीर और अंतर्रात्मा की शांति पर फोकस करेंगे और साथ मिलकर यादगार क्षण बनाएंगे।

कलर्स ने प्रेरणादायक ड्रामा 'अपोलीना - सपनों की ऊंची उड़ान' के साथ बड़े सपने देखने की भावना को पंख दिए

मुंबई , एजेंसी। जब सितारे आवाज़ देते हैं, तो केवल बहादुर ही उनका जवाब देने की हिम्मत करते हैं! एक लाजवाब कॉस्मिक ट्रिब्यूट में, कलर्स ने अपने पहले अंतरिक्ष पर आधारित ड्रामा 'अपोलीना - सपनों की ऊंची उड़ान' को सम्मान देते हुए, एक तारे का नाम अपोलीना रखकर गैलेक्टिक इतिहास रचा है। इस आकाशीय भाव के साथ, चैनल ने न केवल आकाश को रोशन किया है, बल्कि हर जगह के ड्रीमर्स के दिलों में उत्साह भी पैदा किया है, और उन्हें अपने सपनों को पूरा करने हेतु ऊंची उड़ान भरने के लिए प्रेरित किया है। आकर्षक यूनिवर्स में एक नया सदस्य, यह शो बड़ी महत्वाकांक्षाओं वाली एक छोटे शहर की लड़की - अपोलीना की प्रेरणादायक कहानी बताता है, जो 'कर के दिखाऊंगी' के मोटो के साथ जीती है। भारत की पहली महिला एस्ट्रोनॉट बनने के लिए दृढ़ संकल्पित, वह अपने सपने को जीने और अपने पिता के खोए हुए सम्मान को फिर से हासिल के सफर पर निकलती है। अपोलीना 'गद्दार की बेटी' कहे जाने के भारी बोझ से जूझती है।

अब श्रीभूमि कहलाएगा असम का करीमगंज जिला, आजादी के बाद कई दिन तक फहरा था पाकिस्तानी झंडा

गुवाहाटी, एजेंसी। असम कैबिनेट ने मंगलवार को एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए बांग्ला-बहुल बराक घाटी क्षेत्र के करीमगंज जिले का नाम बदलकर 'श्रीभूमि' करने का फैसला किया। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने इस फैसले को रवींद्रनाथ टैगोर के विजन को सम्मानित करने और क्षेत्र की जनता की लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा करने का प्रयास बताया। मुख्यमंत्री सरमा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, करीब 100 साल पहले, कबीगुरु रवींद्रनाथ टैगोर ने आधुनिक करीमगंज जिले को 'श्रीभूमि'–मां लक्ष्मी की भूमि–के रूप में वर्णित किया था। आज असम कैबिनेट ने इस क्षेत्र के लोगों की लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा किया है।

जिले की पुरानी पहचान लौटाने की कोशिश

सरमा ने कहा कि यह कदम असम के दक्षिणी जिले की पुरानी गरिमा बहाल करने के लिए उठाया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और

महत्व को न दर्शाने वाले नामों को बदलने की प्रक्रिया जारी रखेगी। मुख्यमंत्री ने बताया, करीमगंज नाम न तो असमिया और न ही बांग्ला शब्दकोशों में पाया जाता है, जबकि श्रीभूमि का उल्लेख और अर्थ दोनों में पाया जाता हैं।

करीमगंज का ऐतिहासिक संदर्भ

करीमगंज का इतिहास ब्रिटिश शासनकाल से जुड़ा है। 1878 में इसे सिलहट जिले के अंतर्गत एक उपमंडल के रूप में स्थापित किया गया था। 1947 में भारत-पाकिस्तान विभाजन के दौरान सिलहट जिला पूर्वी पाकिस्तान (अब बांग्लादेश) को सौंप दिया गया था, लेकिन करीमगंज उपमंडल के तीन और आधे थाना क्षेत्र (रताबाड़ी, बदरपुर, पाथरकांडी और करीमगंज का एक हिस्सा) भारत में शामिल किए गए। करीमगंज को 1 जुलाई 1983 को एक स्वतंत्र जिला बना दिया गया। 2011 की जनगणना के अनुसार, करीमगंज जिले की जनसंख्या 12 लाख से अधिक है। कैबिनेट के इस फैसले के बाद जिले में उत्सव का माहौल देखा गया। स्थानीय इतिहासकारों ने बताया कि रवींद्रनाथ टैगोर ने 19 नवंबर, 1919 को करीमगंज का दौरा किया था और उस समय उन्होंने इस स्थान को 'श्रीभूमि' कहा था। उन्होंने कहा, 105 साल बाद, असम सरकार ने यह ऐतिहासिक फैसला लिया है और हम इसके लिए बेहद खुश हैं। पाथरकांडी के विधायक कृष्णेंदु पॉल ने इस कदम को सांस्कृतिक धरोहर का सम्मान बताते हुए कहा कि यह फैसला इस क्षेत्र के लोगों को गर्व और पहचान का एहसास कराएगा। असम के सबसे बड़े बंगाली सामाजिक-सांस्कृतिक संगठन बराक उपत्यका बंगा साहित्य ओ संस्कृति सम्मेलन ने इस निर्णय का स्वागत किया। संगठन के प्रतिनिधि सब्यसाची रॉय ने कहा, टैगोर ने यहां आकर हमारे क्षेत्र को श्रीभूमि कहा था। यह नाम हमारे क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान को सटीक रूप से व्यक्त करता है। उन्होंने मंगलवार को एचटी को बताया, टैगोर 105 साल पहले हमारे यहां आए थे और बंगाल के विभाजन के कारण वे बहुत दुखी थे। उस भावना से प्रेरित होकर उन्होंने सिलहट जाकर एक कविता लिखी और श्रीभूमि शब्द का उल्लेख किया। हमें खुशी है कि सदियों बाद हमारी भूमि को एक उपयुक्त नाम मिला है। 15 अगस्त 1947 को जब पूरा भारत आजादी का जश्न मना रहा था, तब असम के करीमगंज के 709 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में पाकिस्तानी झंडे लहरा रहे थे। उस क्षेत्र के कुछ हिस्सों ने उस साल 14 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस मनाया, जबकि कुछ तब तक भ्रमित रहे जब तक कि ब्रिटिश सरकार ने 17 अगस्त को इसे भारतीय क्षेत्र घोषित नहीं कर दिया। उन्होंने इमिग्रेशन, सिटिजनशिप एंड असम नामक एक किताब प्रकाशित की है। उन्होंने कहा कि स्वतंत्र भारत का झंडा पहली बार 17 अगस्त 1947 को करीमगंज में फहराया गया था। उससे पहले तीन दिनों तक करीमगंज के कई हिस्सों में पाकिस्तान का झंडा फहराया गया था। उनके अनुसार, 6 और 7 जुलाई 1947 को आयोजित सिलहट जनमत संग्रह के दौरान 5,46,815 पात्र मतदाताओं में से 4,23,660 ने मतदान किया, लेकिन 1,23,155 मतदाताओं (जिनमें से अधिकांश बागान मजदूर और मुख्य रूप से हिंदू थे) को मतदान करने की अनुमति नहीं दी गई। रॉय ने कहा कि प्रशासनिक कारणों से अंग्रेजों ने कई बार सिलहट को बंगाल और असम के बीच में फेंका। इसे 1874 में नए अधिग्रहीत क्षेत्र के राजस्व को बढ़ाने के लिए असम प्रांत में जोड़ा गया था। 1905 में, जब बंगाल का विभाजन हुआ, तो सिलहट को पूर्वी बंगाल और असम का हिस्सा बना दिया गया, लेकिन 1912 में इसे फिर से बंगाल से अलग कर दिया गया और असम का हिस्सा बना दिया गया। विभाजन-पूर्व जनमत संग्रह के बाद, सिरिल रेडक्लिफ ने सिलहट को पूर्वी पाकिस्तान में शामिल कर लिया, लेकिन करीमगंज और त्रिपुरा के कई वर्गों ने इसका विरोध किया, क्योंकि यह भूमि कुशियारा नदी द्वारा सिलहट के बाकी हिस्सों से स्वाभाविक रूप से अलग हो गई थी।

पंचकूला बैठक में पहुंचे कृषि मंत्री लिफ्ट में फंसे, निकालने में लग गया आधा घंटा

पंचकूला, एजेंसी। हरियाणा के कृ?षि मंत्री श्याम सिंह राणा मंगलवार को लिफ्ट में फंस गए। वह पंचकूला में भाजपा के पंचकमल ऑफिस में विधायक दल की मीटिंग के लिए पहुंचे थे। जब उन्होंने लिफ्ट का इस्तेमाल किया तो लिफ्ट अचानक खराब हो गई और बीच में अटक गई। कृषि मंत्री राणा के साथ इस दौरान नलवा विधायक रणधीर पनिहार समेत कई लोग मौजूद थे। मंत्री-विधायकों के लिफ्ट में फंसने की खबर फैलते ही हड़कंप मच गया। मंत्री श्याम सिंह राणा के लिफ्ट में फंसे होने की सूचना मिलते ही पुलिस-प्रशासन की टीम एक्शन में आई और लिफ्ट के अंदर फंसे मंत्री श्याम सिंह राणा समेत बाकी लोगों को पानी पहुंचाया। करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद मंत्री राणा व अन्य लोगों को बाहर निकाला।

मंत्री श्याम सिंह राणा के लिफ्ट में

फंसने के बाद लिफ्ट का संचालन पूरी तरह से बंद कर दिया गया है। बाहर नोटिस भी चस्पा कर दिया गया है। लिफ्ट ठीक करने के बाद ही उसे लोगों के लिए खोला जाएगा। पंचकूला स्थित बीजेपी दफ्तर में विधायक दल की बैठक हो में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी भी मौजूद थे। मंत्री के इस तरह लिफ्ट में फंसने से लिफ्ट के मेंटेनेंस को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। आखिर कैसे लिफ्ट बीच में रुक गई, क्या उसकी ठीक से मेंटेनेंस नहीं की गई। अगर कोई बड़ा हादसा हो जाता तो कौन जिम्मेदार होता? वहीं, बताया जा रहा है कि लिफ्ट के ओवरलोड होने की वजह से ये परेशानी खड़ी हुई थी। 20 अगस्त 2022 को केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पंचकूला के सेक्टर-3 में बीजेपी के नए कार्यालय पंचकमल का उद्घाटन किया था। उनके साथ हरियाणा के तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर, भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े और पार्टी के तत्कालीन हरियाणा अध्यक्ष ओम प्रकाश धनखड़ भी मौजूद थे। पंचकूला बीजेपी कार्यालय में प्रदेश अध्यक्ष, महासचिव के लिए दफ्तर बनाए गए हैं। इसके अलावा इस कार्यालय में एक सभागार भी शामिल है। इस कार्यालय में तीन लोकसभा क्षेत्रों करनाल, कुरुक्षेत्र, अंबाला कार्यकर्ता को काम करने की सुविधाएं दी गई हैं।

कैश फॉर वोट पर विनोद तावड़े बोले- इतना मूर्ख नहीं कि विपक्षी नेता के होटल में रकम बांटने जाऊं

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र चुनाव में मतदाताओं को लुभाने के लिए कैश बांटने के आरोपों में घिरे भाजपा महासचिव विनोद तावड़े ने सफाई दी है। उन्होंने कहा कि क्या मैं इतना बेवकूफ हूं कि विपक्षी नेता के होटल में कैश लेकर जाऊंगा और वहां पैसे बांटूंगा। उन्होंने कहा कि मैं नियमों के बारे में समझ रखता हूं और ऐसा कुछ भी नहीं किया है। मंगलवार को बहुजन विकास अघाड़ी के नेता हितेंद्र ठाकुर ने तावड़े पर आरोप लगाया था कि वह विरार के एक होटल में 5 करोड़ रुपये कैश लेकर पहुंचे हैं। इस होटल में ठाकुर अपने कार्यकर्ताओं के साथ पहुंचे थे और जमकर हंगामा हुआ था। यह होटल मुंबई से लगभग 60 किलोमीटर दूर स्थित है। इस घटनाक्रम के बाद चुनाव आयोग ने होटल के कमरों की जांच की थी। आयोग के एक अधिकारी का कहना था कि होटल के कमरों से 9.93 लाख रुपये कैश बरामद हुआ है। भाजपा नेता ने खुद पर लगे आरोपों को खारिज किया है। उनका कहना है कि वह भाजपा कार्यकर्ताओं की मीटिंग के लिए पहुंचे थे। तावड़े ने कहा कि विवांता होटल के मालिक हितेंद्र ठाकुर और उनका परिवार ही है। क्या मैं इतना मूर्ख हूं कि इस होटल में पैसे लेकर आऊंगा और कैश बांटूंगा? भाजपा लीडर ने कहा कि मैं 40 सालों से राजनीति में हूं और नियमों से पूरी तरह वाकिफ हूं कि चुनाव प्रचार खत्म होने के बाद साइलेंस पीरियड में क्या कर सकते हैं और क्या नहीं। तावड़े ने कहा कि मैं तो कार्यकर्ताओं से सामान्य बातचीत के लिए आया था। प्रचार में भी नहीं था। यहां कार्यकर्ताओं से वोटिंग की प्रक्रिया को समझाने के लिए मुलाकात होनी थी।

ईरान में जेल में बंद नोबेल विजेता नरगिस मोहम्मदी की सेहत को लेकर चिंताएं बढ़ीं

तेहरान, एजेंसी। ईरान में जेल में बंद नोबेल शांति पुरस्कार विजेता नरगिस मोहम्मदी एक जटिल सर्जरी से गुजरीं, जिसके तहत उनके दाएं पैर की एक हड्डी का कुछ हिस्सा कैंसर की आशंका के चलते हटा दिया गया। हालांकि, अधिकार समूहों के मुताबिक, नरगिस को सर्जरी के महज दो दिन बाद वापस जेल भेज दिया गया, जिससे उनकी सेहत को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (यूएनएचआरसी) को भेजे गए 40 से अधिक अधिकार समूहों के हस्ताक्षर वाले एक पत्र में नरगिस को उन आरोपों में सुनाई गई जेल की सजा से तत्काल चिकित्सकीय फलों पर रिहा करने का आग्रह किया गया है, जिनकी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लंबे समय से आलोचना हो रही है।

इस पत्र को ईरान पर नरगिस की रिहाई का दबाव बढ़ाने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है। नोबेल समिति के नरगिस को पिछले साल शांति पुरस्कार से सम्मानित किए जाने के बाद से ही ईरान पर उनकी रिहाई का दबाव बनाने का अभियान चलाया जा रहा है सोमवार को भेजे गए पत्र में कहा गया है, हम ईरानी अधिकारियों से मानवाधिकारों का अपराधीकरण रोकने और मानवाधिकार

कार्यकर्ताओं, पत्रकारों एवं लेखकों की सेहत ठीक न होने पर उन्हें जेल में कैद करने से बचने का आग्रह करते हैं। संयुक्त राष्ट्र में ईरान के दूतावास ने इस पत्र पर तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। वहीं, अतीत में नरगिस की रिहाई के लिए चलाए गए अभियान को तवज्जो न देने वाले ईरान के सरकारी मीडिया ने भी पत्र पर कोई खबर नहीं प्रकाशित की है। नरगिस (52) राज्य विरोधी तत्वों के साथ मिलीभगत और ईरान सरकार के खिलाफ दुष्प्रचार के आरोप में कुल 13 साल और नौ महीने की जेल की सजा काट रही हैं। कई बार गिरफ्तार किए जाने और सलाखों के पीछे लंबी अवधि गुजारने के बावजूद उन्होंने अपना अभियान जारी रखा है। पत्र के मुताबिक, जेल में रहने के दौरान नरगिस को कई बार दिल का दौरा पड़ा और 2022 में उनकी आपात सर्जरी की गई थी। नवंबर की शुरुआत में नरगिस के वकील ने बताया कि डॉक्टरों ने उनके दाएं पैर की एक हड्डी में घाव की पुष्टि की है, जिसके बारे में उन्हें आशंका है कि यह कैंसर हो सकता है। इसके बाद बृहस्पतिवार को उनकी सर्जरी की गई।

पत्र में कहा गया है, नरगिस को चिकित्सकीय सलाह के विरुद्ध सर्जरी के महज दो दिन बाद वापस जेल में स्थानांतरित कर दिया गया। नरगिस को चिकित्सा फलों पर रिहा करने और उनकी सजा निलंबित करने के उनके विधि टीम के आग्रह को भी नजरअंदाज कर दिया गया। इसमें कहा गया है, वर्षों की कैद और महीनों के एकांत कारावास ने नरगिस के स्वास्थ्य को गंभीर रूप से प्रभावित किया है, जिससे उन्हें कई ऐसी स्वास्थ्य जटिलताओं का सामना करना पड़ रहा है, जिन्हें अस्पताल में बिताई गई छोटी अवधि में संबोधित नहीं किया जा सकता।

पूर्व कनाडाई पीएम हार्पर ने ट्रूडो सरकार को फटकारा, कहा- खालिस्तानियों और जिहादियों को बढ़ावा देना बंद करो

टोरंटो, एजेंसी। पूर्व कनाडाई प्रधानमंत्री स्टीफन हार्पर ने कनाडा की ट्रूडो सरकार को फटकार लगाते हुए कहा कि वह खालिस्तानियों और जिहादियों जैसे विभाजनकारी समूहों को बढ़ावा देना बंद करे। हार्पर, जो 2006 से 2015 तक कनाडा के प्रधानमंत्री रहे, ने कनाडा की आव्रजन और विदेशी नीतियों की तीखी आलोचना की। हार्पर ने यह टिप्पणी अब्राहम ग्लोबल पीस इनिशिएटिव (एजीपीआई) द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में की। इस दौरान उन्होंने एजीपीआई के संस्थापक और सीईओ एवी बैनलो के साथ चर्चा की। बैनलो ने नेशनल पोस्ट में प्रकाशित अपने लेख में हार्पर के बयान को उद्धृत करते हुए लिखा कि हार्पर ने कहा, हमें जिहादियों, यहूदी विरोधियों, खालिस्तानियों, तमिल टाइगर्स और अन्य विभाजनकारी समूहों को बढ़ावा देना बंद करना होगा। हमें अपनी आव्रजन प्रणाली पर सख्त सवाल उठाने की जरूरत है कि हम लोगों को कैसे चुनते हैं।

हार्पर का यह बयान ऐसे समय आया है जब कनाडा और भारत के संबंध बेहद तनावपूर्ण हैं। उनके प्रधानमंत्री कार्यकाल में दोनों देशों के रिश्ते मजबूत थे, लेकिन वर्तमान में दोनों के बीच तनाव बढ़ गया है। तनाव तब बढ़ा जब कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारतीय एजेंसियों पर आरोप लगाए। भारत ने इन आरोपों को सख्ती से खारिज कर दिया और ट्रूडो से सबूत मांगे, जो उन्होंने अभी तक पेश नहीं किए हैं। हार्पर ने खालिस्तानी मुद्दे को कनाडा की नीतियों का हिस्सा बनाने पर सवाल उठाया और कहा कि आव्रजन नीति में सुधार की जरूरत है।

उन्होंने यह भी कहा कि कनाडा को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि यहां विभाजनकारी विचारधाराओं को बढ़ावा न मिले। हम अपने समाज में पुराने नफरतों को नहीं ला सकते। इसे रोकने के लिए हमें कदम उठाने होंगे। वर्तमान प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने खालिस्तानी समर्थकों के बारे में कहा कि वे पूरे सिख समुदाय का प्रतिनिधित्व नहीं करते। उन्होंने यह भी जोड़ा कि भारत समर्थक हिंदू भी पूरे हिंदू समुदाय का प्रतिनिधित्व नहीं करते। हालांकि, ट्रूडो को खालिस्तानी समूहों के प्रति नरम रुख रखने के लिए आलोचना का सामना करना पड़ा है। हार्पर ने कनाडा की आव्रजन नीति पर सवाल उठाते हुए कहा कि यह नीति उन लोगों को शामिल कर रही है जो विभाजनकारी और हिंसक विचारधारा रखते हैं। उन्होंने एजीपीआई कार्यक्रम में यह भी कहा कि कनाडा को अपनी नीतियों को संतुलित करना होगा ताकि बहुसंस्कृतिवाद के साथ-साथ राष्ट्रीय सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

हमारे नेता कतर नहीं गए तुर्की, इजरायल के दावे पूरी तरह से अफवाह- हमास

गाजा, एजेंसी। हमास ने उन खबरों का खंडन किया है जिनमें दावा किया गया था कि उसके कुछ नेता कतर से तुर्की चले गए हैं। एक आधिकारिक बयान में, हमास के सूत्रों ने सोमवार को कहा कि इजरायली मीडिया द्वारा फैलाए गए दावे पूरी तरह से अफवाहें हैं जिन्हें इजरायल समय-समय पर बढ़ावा देने का प्रयास करता है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, रविवार को इजरायली मीडिया ने खबर दी कि विदेश में स्थित हमास के कई नेता हाल ही में कतर से तुर्की चले गए हैं।

इससे पहले सोमवार को तुर्की के विदेश मंत्रालय ने इजरायली मीडिया की रिपोर्टों का खंडन करते हुए कहा कि हमास के राजनीतिक ब्यूरो के तुर्की में स्थानांतरित होने के दावे सच्चाई को नहीं दर्शाते हैं। इस बीच संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने गाजा में तत्काल युद्धविराम लागू करने और मध्य पूर्व में परमाणु हथियार मुक्त क्षेत्र बनाने की अपील की। शिन्हुआ समाचार एजेंसी के अनुसार, यूएन चीफ ने यह बात परमाणु हथियारों और अन्य सामूहिक विनाश के हथियारों से मुक्त मध्य पूर्व क्षेत्र की स्थापना- विषय पर सम्मेलन के पांचवें सत्र में एक वीडियो संदेश में कही।

गुटेरेस ने कहा कि इस तरह के क्षेत्र का विचार दशकों पुराना है, लेकिन क्षेत्रीय संघर्षों और तनावों के चरम पर पहुंचने के साथ, यह लक्ष्य दिन-प्रतिदिन और अधिक

जरूरी होता जा रहा है। यूएन महासचिव ने कहा कि एक साल से अधिक समय से गाजा एक विनाशकारी दौर से गुजर रहा है। यह संकट पूरे क्षेत्र को अपनी चपेट में लेने की चेतावनी दे रहा है। इस बीच हम सभी लेबनान में बढ़ते तनाव से चिंतित हैं। 7 अक्टूबर इजरायल में हमास के बड़े हमले के जवाब में यहूदी राष्ट्र ने फिलिस्तीनी ग्रुप के कब्जे वाली गाजा पट्टी में सैन्य अभियान शुरू किया था। हमास के हमले में करीब 1200 लोग मारे गए थे जबकि 250 से अधिक लोगों को बंधक बनाया गया था। इजरायली हमलों ने गाजा में बड़े पैमाने पर तबाही मचाई है और हजारों फिलिस्तीनियों की मौत हुई है। इसके साथ ही इजरायली सेना 23 सितंबर से लेबनान पर एयर स्ट्राइक कर रही है। उसने सीमा पार एक सीमित जमीनी अभियान भी चलाया है, जिसका उद्देश्य कथित तौर पर हिजबुल्लाह को कमजोर करना है।

तीसरे विश्व युद्ध का खतरा मंडराया, यूरोपीय देशों ने भोजन, पानी जमा करने को कहा

ओस्लो, एजेंसी। नॉर्वे ने आपातकालीन पुस्तिकाएं भी जारी कीं जिसमें लोगों को संपूर्ण युद्ध सहित किसी आपातकालीन स्थिति में एक सप्ताह तक प्रबंधन करने की सलाह दी गई। रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि यूक्रेन-रूस युद्ध को खतरनाक रूप से बढ़ाते हुए, यूक्रेनी बलों ने मंगलवार देर रात रूस के ब्रांस्क क्षेत्र में छह अमेरिकी निर्मित लंबी दूरी की मिसाइलें दागीं। इसे मॉस्को द्वारा एक बड़े उकसावे के रूप में देखा जाएगा और एक जोरदार जवाबी कार्रवाई की संभावना है। कई नाटो देश अपने नागरिकों से युद्ध के लिए तैयार रहने को कह रहे हैं। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने उस सीमा को कम कर दिया जब रूस परमाणु हथियारों का उपयोग कर सकता था। यह तब हुआ जब यूक्रेन ने रूस के अंदर लक्ष्यों पर लंबी दूरी की छह अमेरिकी मिसाइलें दागीं। नाटो देशों ने युद्ध की आशंका गहराने की आशंका को भांपते हुए अपने नागरिकों को पर्चे जारी किए, जिसमें उन्हें युद्ध की तैयारी करने की सलाह दी गई। द मिरर ऑफ़ यूके के अनुसार, पैम्फलेट में स्वीडन ने परमाणु युद्ध छिड़ने की आशंका के बीच अपने निवासियों को आश्रय लेने की चेतावनी दी है।

मुद्रक तथा प्रकाशक रंजीत राय द्वारा स्वामी आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, प्लॉट नं. सी-16 एवं 17, रोड नं. 9, पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, पटना-800013 के पक्ष में आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड प्रेस से मुद्रित एवं सी-20, एस.के. पुरी, नियर बसावन पार्क, पटना, बिहार-800013 से प्रकाशित संपादक- देवन प्रसाद

(नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा पटना न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. BIHHIN/2013/49676, Email: news@pratahkiran.com, patna@pratahkiran.com, 9212228045, 8130691216, 9971557129